



# लास्ट स्टैंड



HEMANT  
JAYHODH  
KHAN



# सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर के आकाश में चमकता अटल सितारा जिसकी चमक के आगे अपराधियों की आंखें और हौंसले दोनों चौंधियाते रहते हैं। लेकिन अपराधियों पर ग्रहण की तरह लग जाने वाले इस अपराध विनाशक की आंखों में ज्वाला जलती रहती है। प्रतिशोध की ज्वाला। और ये ज्वाला भड़की सर्कस की उस आग से जिसने ध्रुव से उसका सब कुछ छीन लिया। उसके माता-पिता राधा, श्याम, उसके ट्रेनर्स रंजन, सुलेमान, शेरखान, पवन और हरक्युलिस, सर्कस के सारे दोस्त जानवर, सर्कस के मालिक जैकब आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। और राख हो गया सर्कस का एक उभरता करतबबाज। अब वो प्रतिशोध की आग में जलता एक अंगारा बन चुका था जिसका रुख अब गुनहगारों के अड़्डे की तरफ था यानी ग्लोब सर्कस। ध्रुव सर्कस की अलग-अलग कलाओं का धनी तो था ही दिमाग का भी धनी

था। अपने इसी दिमाग के बल पर उसने हत्यारों को तिगनी का नाच नचा दिया। उसकी जगह कोई और होता तो एक-एक को मौत की सूरत दिखला देता। लेकिन उसने शपथ ली थी कि वो किसी की जान नहीं लेगा। लेकिन नियति बड़ी बलवान होती है। उसने गुनहगारों को नहीं बख्शा। इस जघन्य हादसे के जिम्मेदार ग्लोब सर्कस के मालिक बॉस और जुबिस्को को उनकी करनी का दंड देने के बाद ध्रुव दिशाहीन सा हो गया। उसे अपराध से घृणा हो गयी थी पर भविष्य की कोई योजना उसके मन में नहीं थी। तब ध्रुव को सही

दिशा दिखाने सामने आये एस.एस.पी. राजन मेहरा। उन्होंने ना सिर्फ ध्रुव के अपराध उन्मूलन के अभियान को एक शक्ल दी बल्कि उसे अपना पुत्र बनाकर उसका परिवार भी लौटा दिया, जिसमें शामिल थी ममता की मूर्ति मां रजनी मेहरा और एक चुलबुली, शरारती और नटखट बहन श्वेता। तब ध्रुव ने राजनगर में नींव डाली अपराध के खिलाफ मोर्चा लेने वाली कमांडो फोर्स की। जिसके कैडेट्स हैं पीटर, करीम, रेणु और जिसका कैप्टन है सुपर कमांडो ध्रुव। अपराध के विरुद्ध इस अंतहीन सफर में कई नये आयाम जुड़ते चले गये। चंडिका, नताशा, ब्लैक कैट, धनंजय, सामरी, वनपुत्र जैसे

दोस्त मिले तो रोबो, ध्वनिराज, चुंबा, बौना वामन जैसे समाज के दुश्मन भी मिले। लेकिन ध्रुव इन सबसे ना सिर्फ टकरा गया बल्कि उनके लिये खौफ का दूसरा नाम भी बन गया। और ये सब वो कर पाया अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, बेमिसाल बुद्धि और सर्कस में सीखी अपनी कलाओं के दम पर। आसपास की चीजों को हथियार बना लेना और पशु-पक्षियों से बात कर लेना ये ध्रुव की ऐसी क्षमताएँ हैं जो हारी बाजी भी पलट देती हैं।





संजय गुप्ता पेश करते हैं!

# मास्टर स्टैंड

सिटी विदाउट ए हीरो सीरीज

राज कॉमिक्स है मेरा जगूना।

राजनगर, एक शांत और समृद्ध शहर! हर शहर की ही तरह राजनगर में समृद्धि बनाए रखने की जिम्मेदारी उसके निवासियों की है। और शान्ति बनाए रखने की जिम्मेदारी ली है राजनगर के रक्षक सुपर कमांडो ध्रुव ने! लेकिन एक समय शांत और समृद्ध दिखाई देने वाला शहर आज मोहताज है एक क्षण की शान्ति के लिए, क्योंकि राजनगर में शान्ति बनाए रखने के अपने प्रयास में मारा जा चुका है सुपर कमांडो ध्रुव और जल्द ही ध्रुव की ही तरह अपने अंत का मूक दर्शक बनने जा रहा है राजनगर भी क्योंकि राजनगर के अंत का कारण बनेंगे राजनगर के गैर जिम्मेदार नागरिक मतलब राजनगर की सबसे सुरक्षित नारका जेल से भागे हुए कुख्यात अपराधी! ध्रुव की अनुपस्थिति में राजनगर के निश्चित अंत को टालने की कोशिश कर रही है चंडिका, प्रतिबंधित कमांडो फोर्स के सदस्य रेनू, पीटर, करीम और साथ ही राजनगर में कार्यरत कमांडर फोर्स की कमांडर नताशा!

राजनगर को बचाने के इस अभियान में शामिल हुए हैं दो रहस्यमय पात्र। एमस्टरडेम की निजी सुरक्षा एजेंसी का एलीट कमांडो कॉमिट जो अपनी याददाश्त खो चुका है और दूसरा, नारका जेल में बंद एक कैदी। इन दोनों की ही ना सिर्फ शकल उनके ध्रुव होने की पुष्टि करती है बल्कि उनकी कही गई बातें ध्रुव को जानने वाले किसी भी शख्स को उन्हें ध्रुव मानने पर मजबूर कर सकती हैं!

तो क्या जिंदा है सुपर कमांडो ध्रुव? क्योंकि जिंदा है ध्रुव के साथ ही हादसे में मृत, कुख्यात अपराधी ग्रेंड मास्टर रोबो भी जो कि वापस आया है पहले से भी ज्यादा खतरनाक इरादों के साथ! क्या हैं ग्रेंड मास्टर रोबो के इरादे? कौन है ध्रुव की तरह दिखने वाले दोनों शख्स और उनमें से कौन है असली ध्रुव? क्या यह दोनों मिलकर रोक सकेंगे राजनगर के अंत को या बन कर रह जाएगा राजनगर हमेशा के लिए 'सिटी विदाउट ए हीरो'।

उपरोक्त घटनाओं को विस्तार से जानने के लिए पढ़ें कोडनेम कॉमेट, ब्रेकआउट और मैक्सिमम सिक्योरिटी।

कथा-मंदार गंगेले

चित्रांकन-हेमंत कुमार

स्थापक-ईश्वर आर्दस

रंगसज्जा-अभिषेक सिंह

शब्दांकन-मंदार गंगेले

संपादन-मनीष गुप्ता

संस्थापक

राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता



## GOLD RESERVE, INDUSTRIAL AREA. RAJNAGAR. NOW.

मुझे डर था कि इतने दिनों से अप्रयुक्त पड़ी रहने से कहीं मेरी सोनिक केनन खराब न हो गई हो।

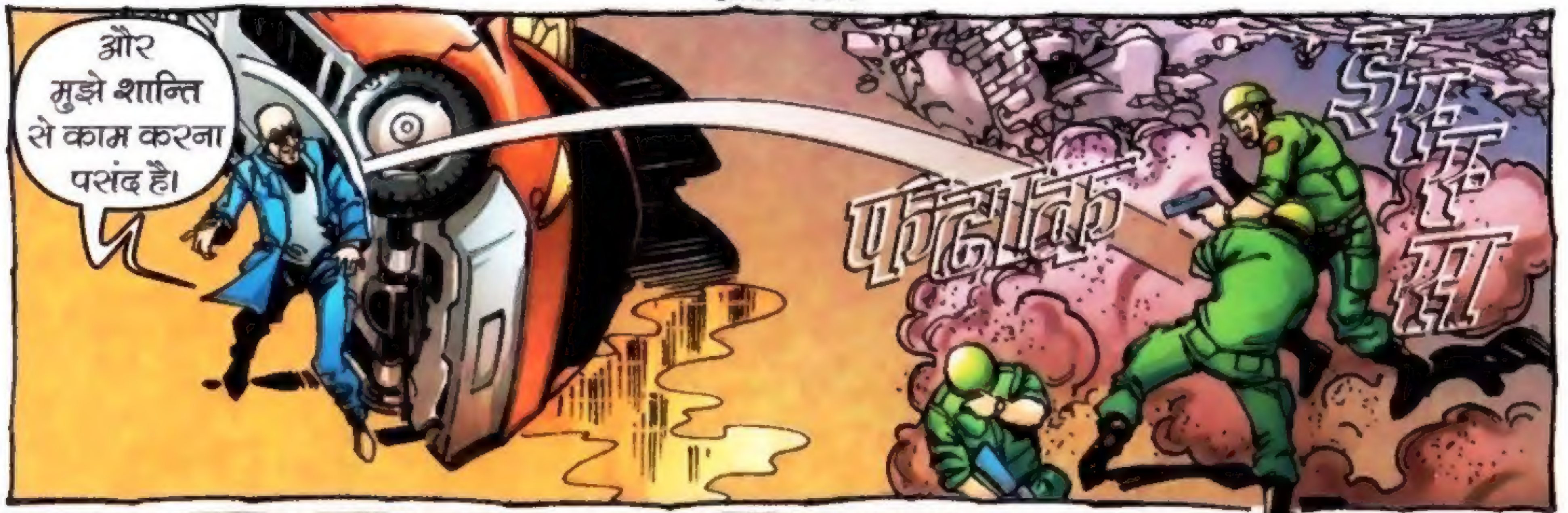
लेकिन यह अभी भी पहले की ही तरह कहर ढा रही है।

फिक्र नहीं, अगर तुम्हारी सोनिक केनन काम ना भी करती तो चुम्बा की शक्ति के आगे इन लोगों का टिक पाना नामुमकिन था!

और तुम दोनों अपनी-अपनी शक्तियां बचाए रखो इसीलिए अपने खूनी खिलाड़ों के साथ लाया हूं मैं!

लेकिन तुम लोग बहुत शोर मचाते हो!

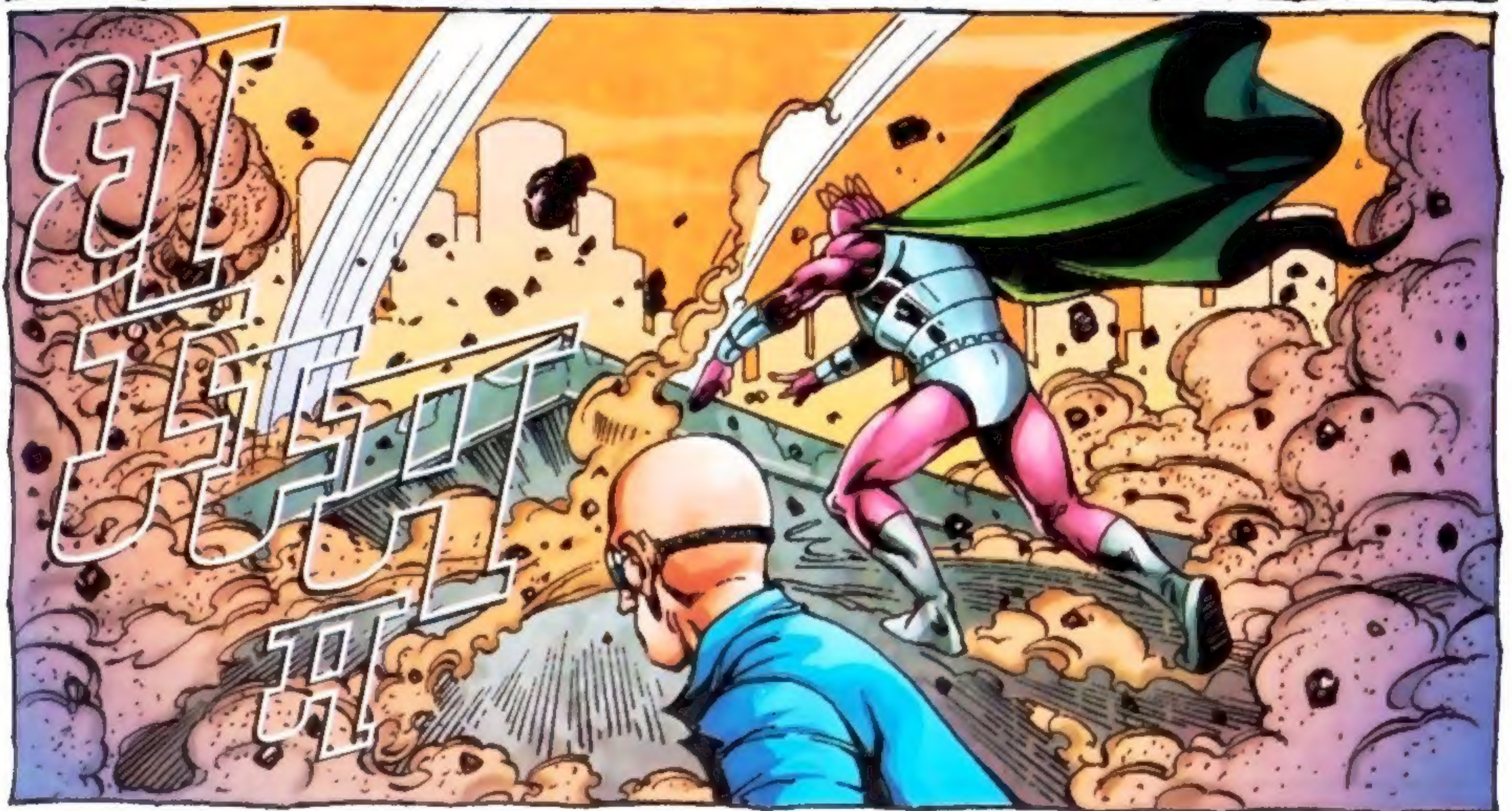








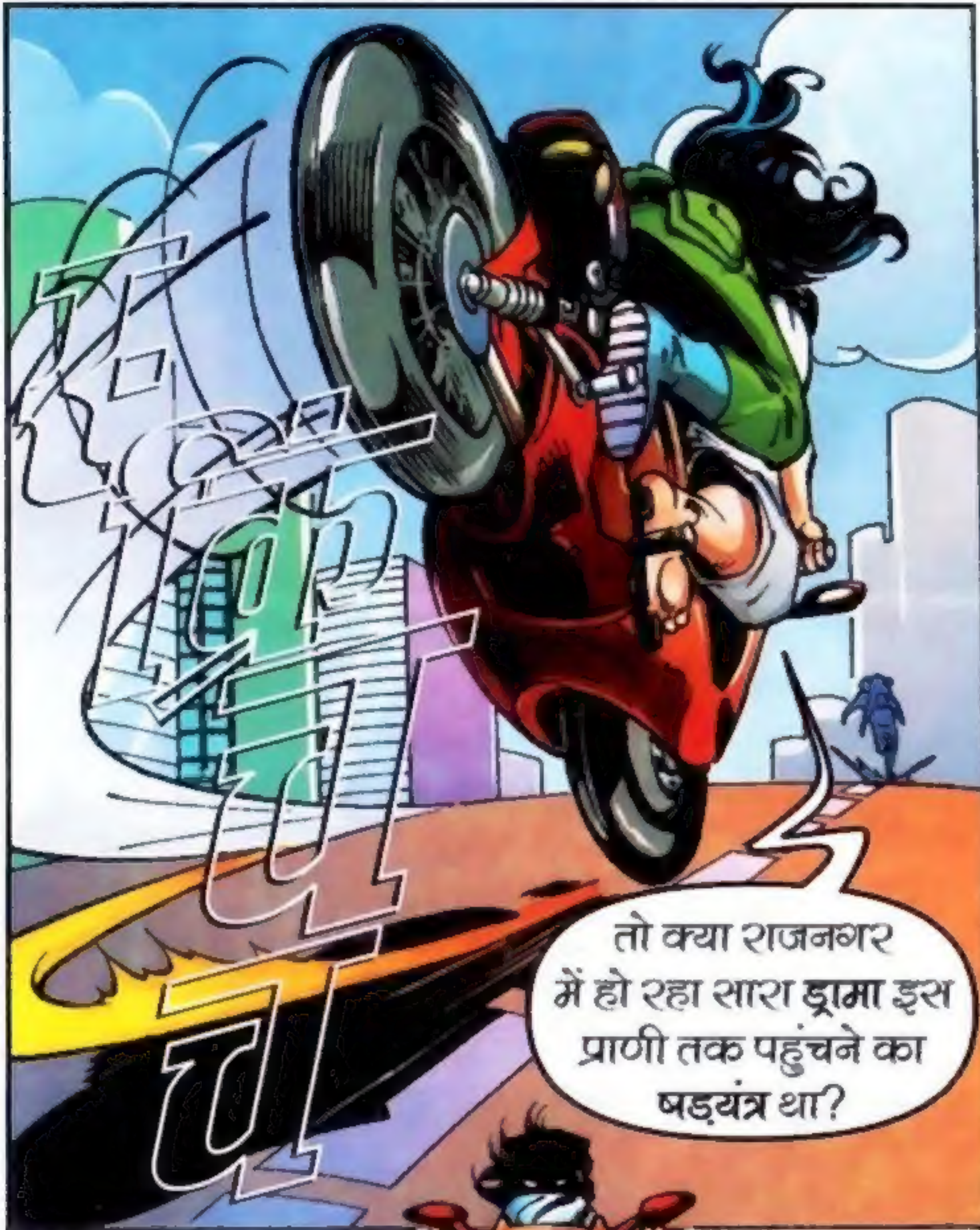




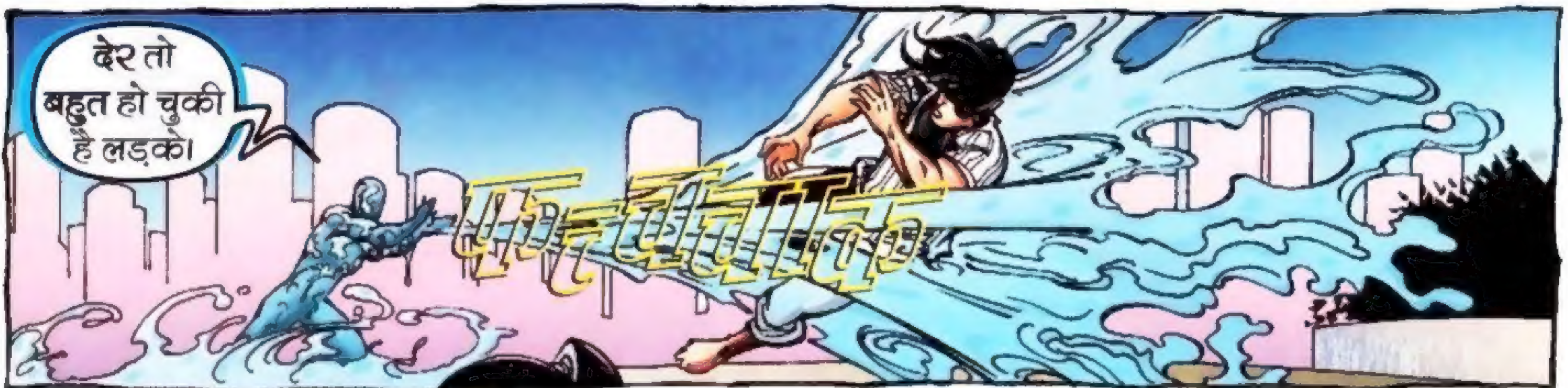




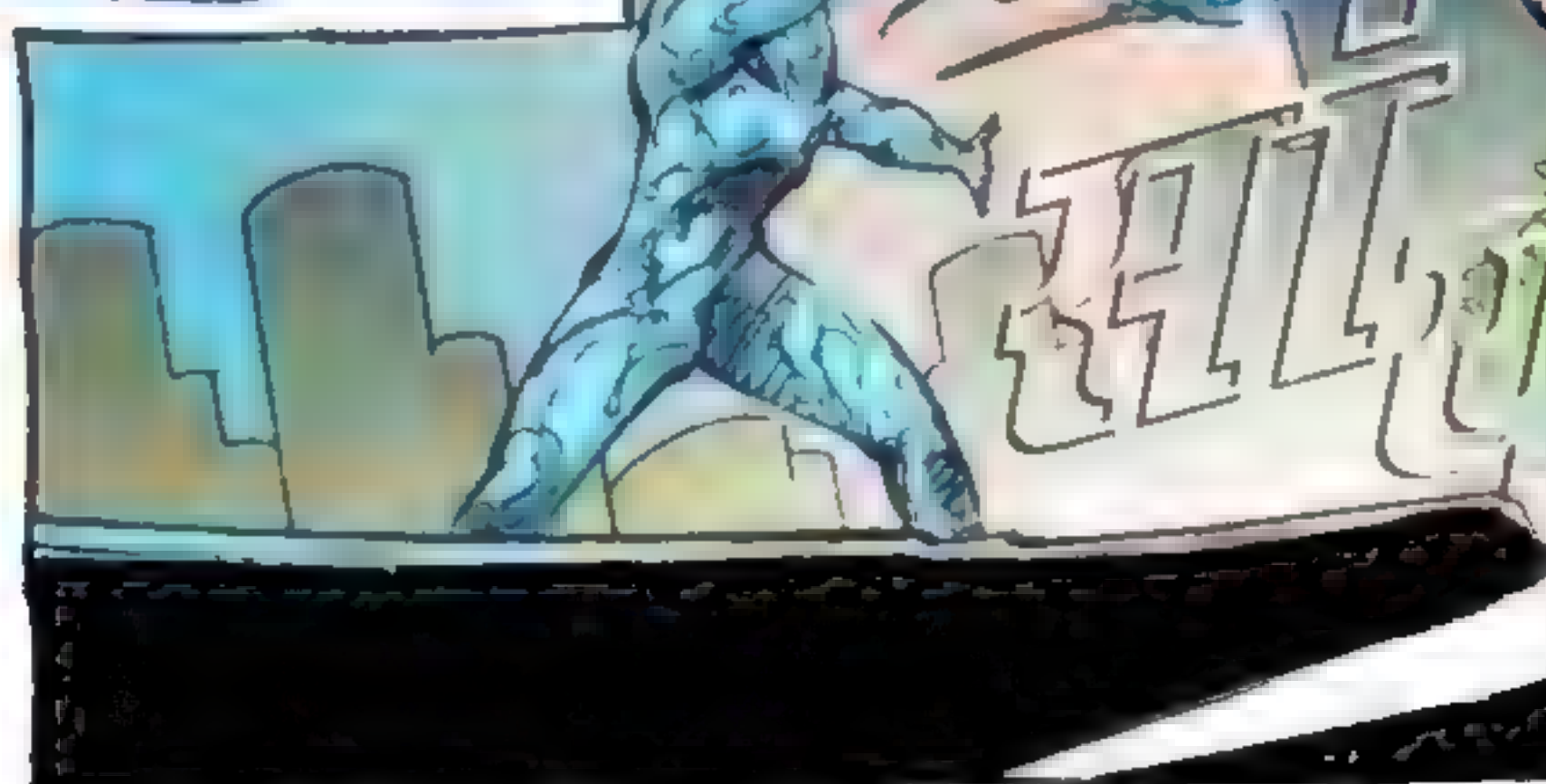
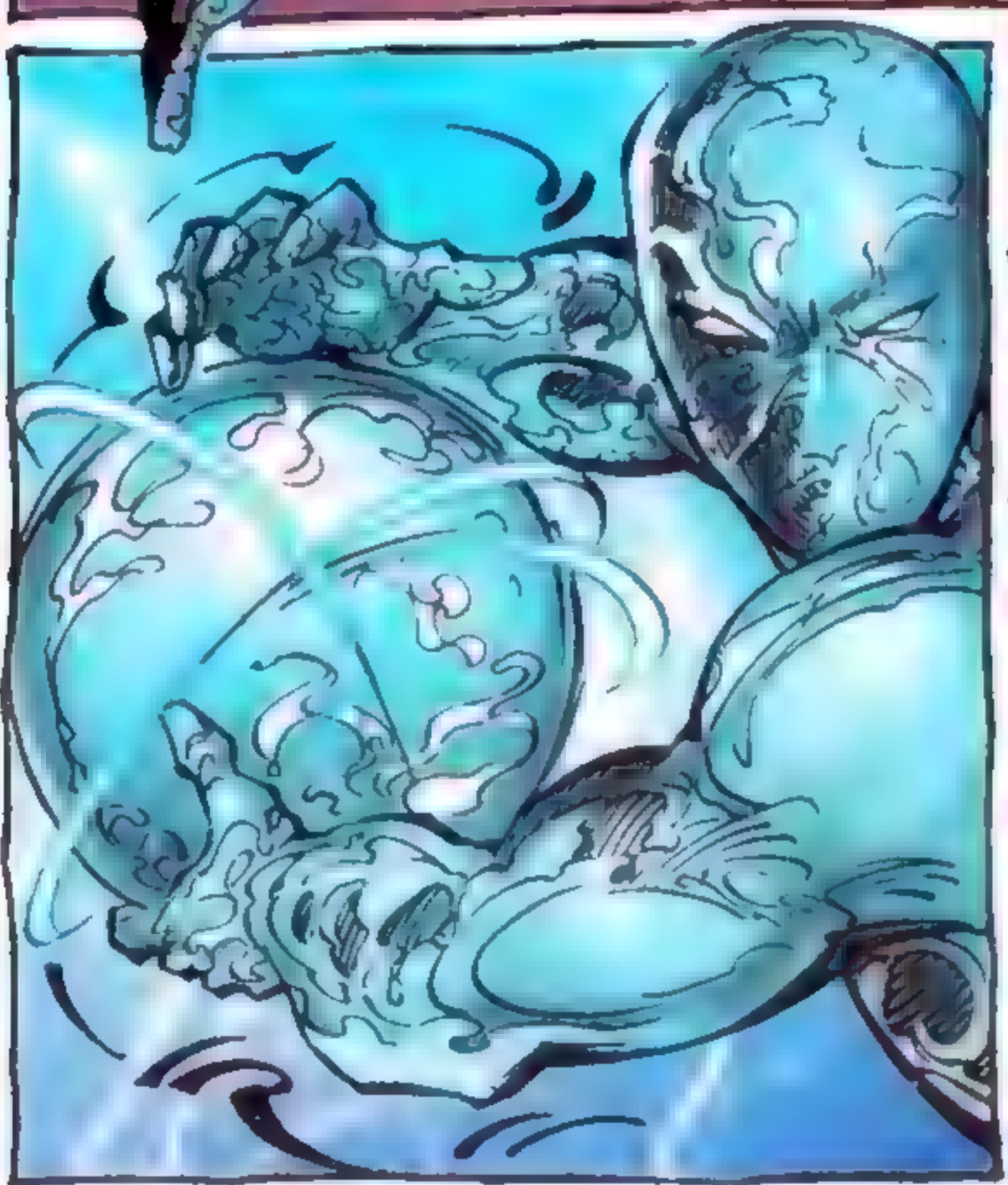
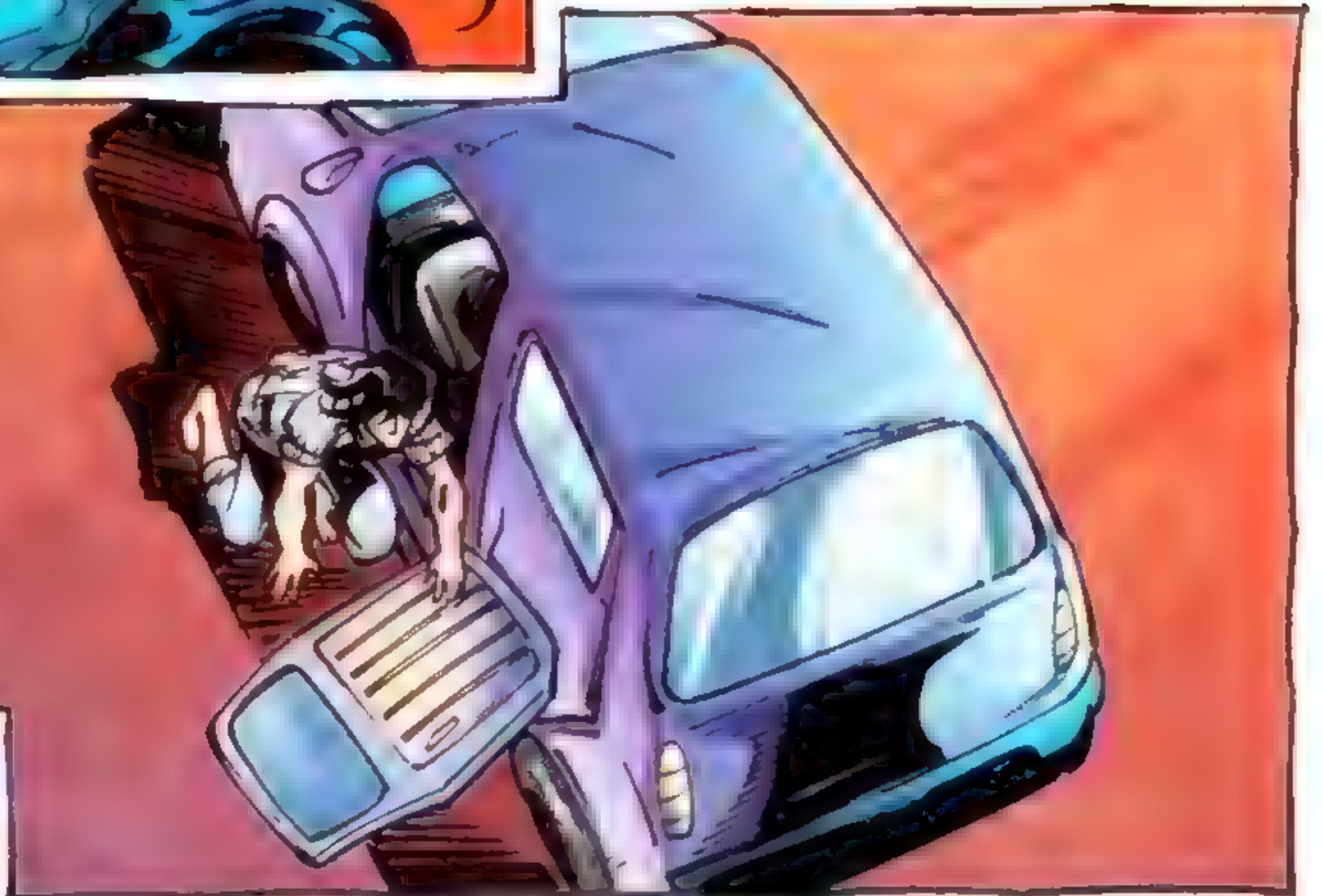








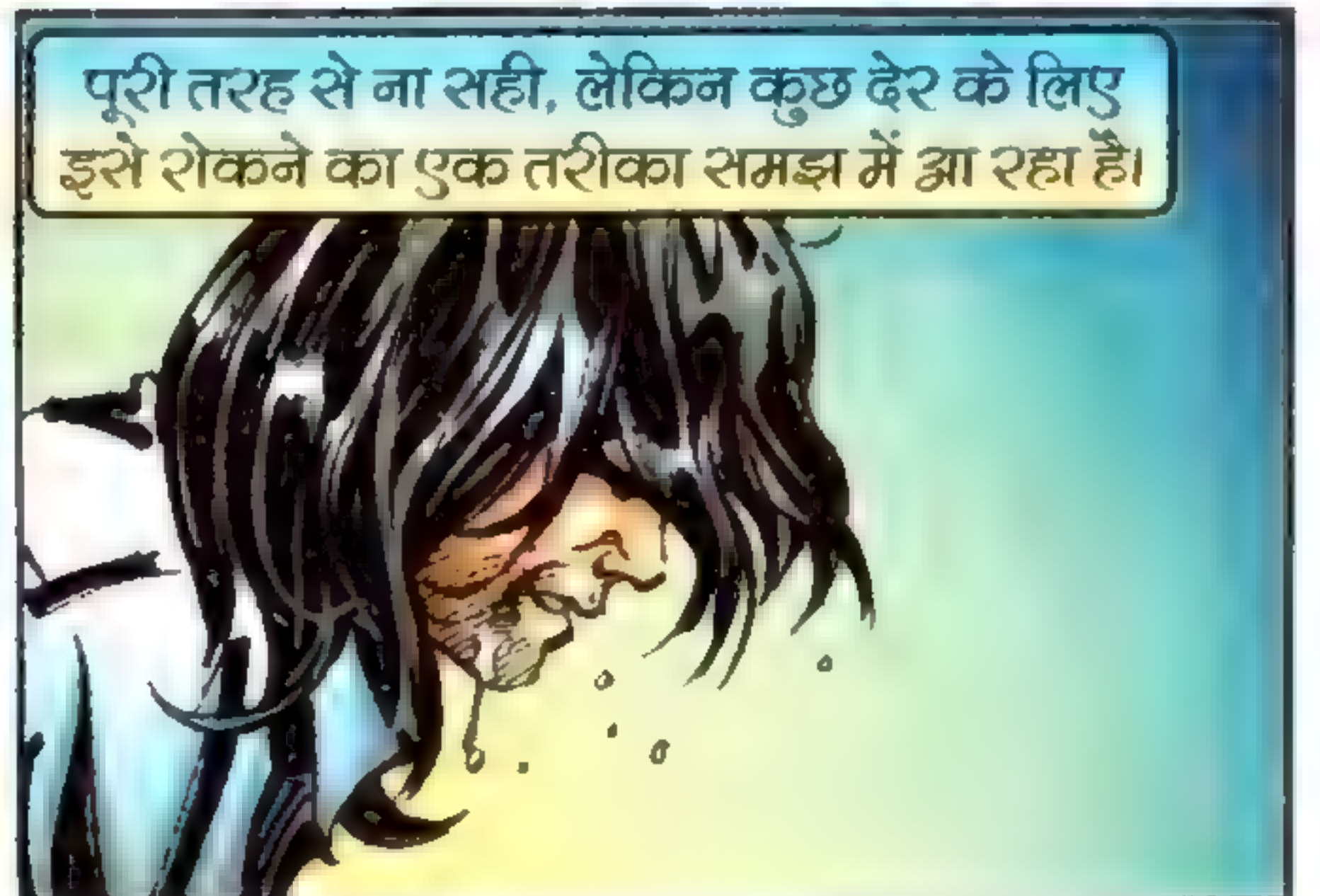
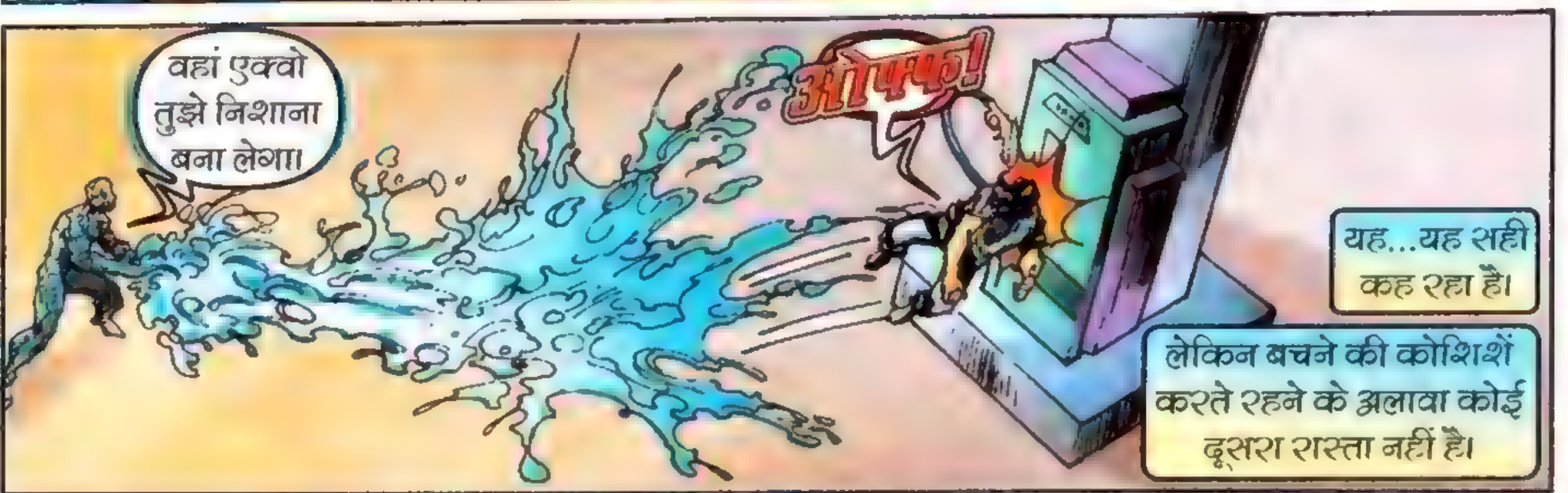
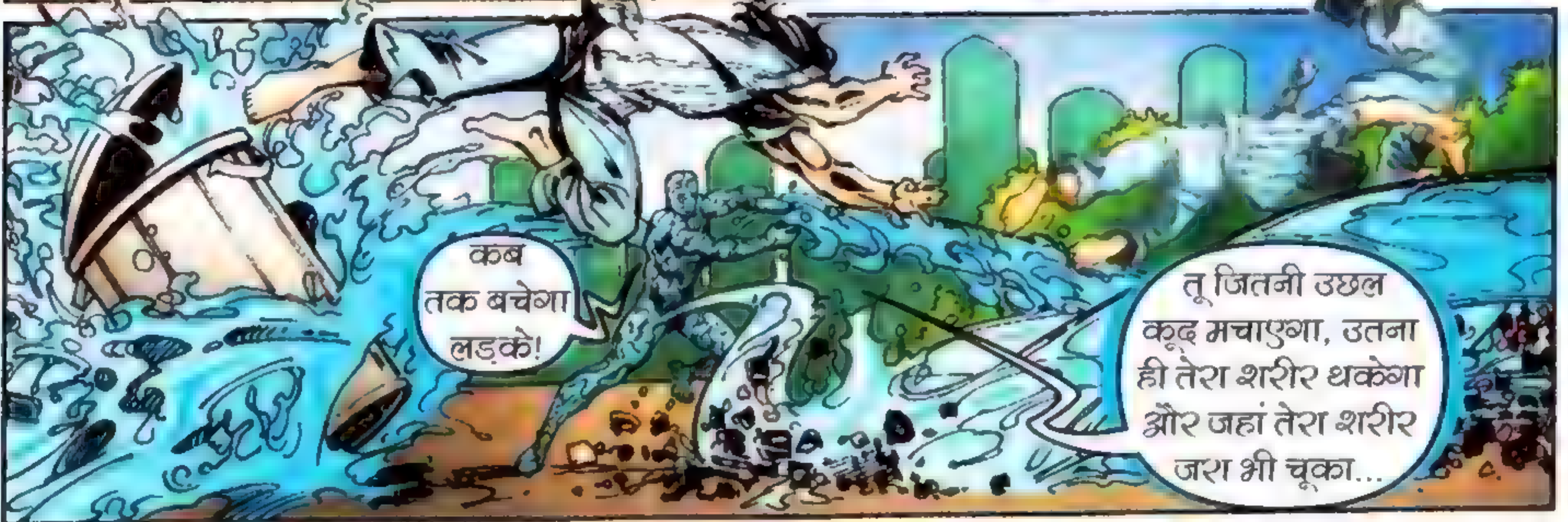








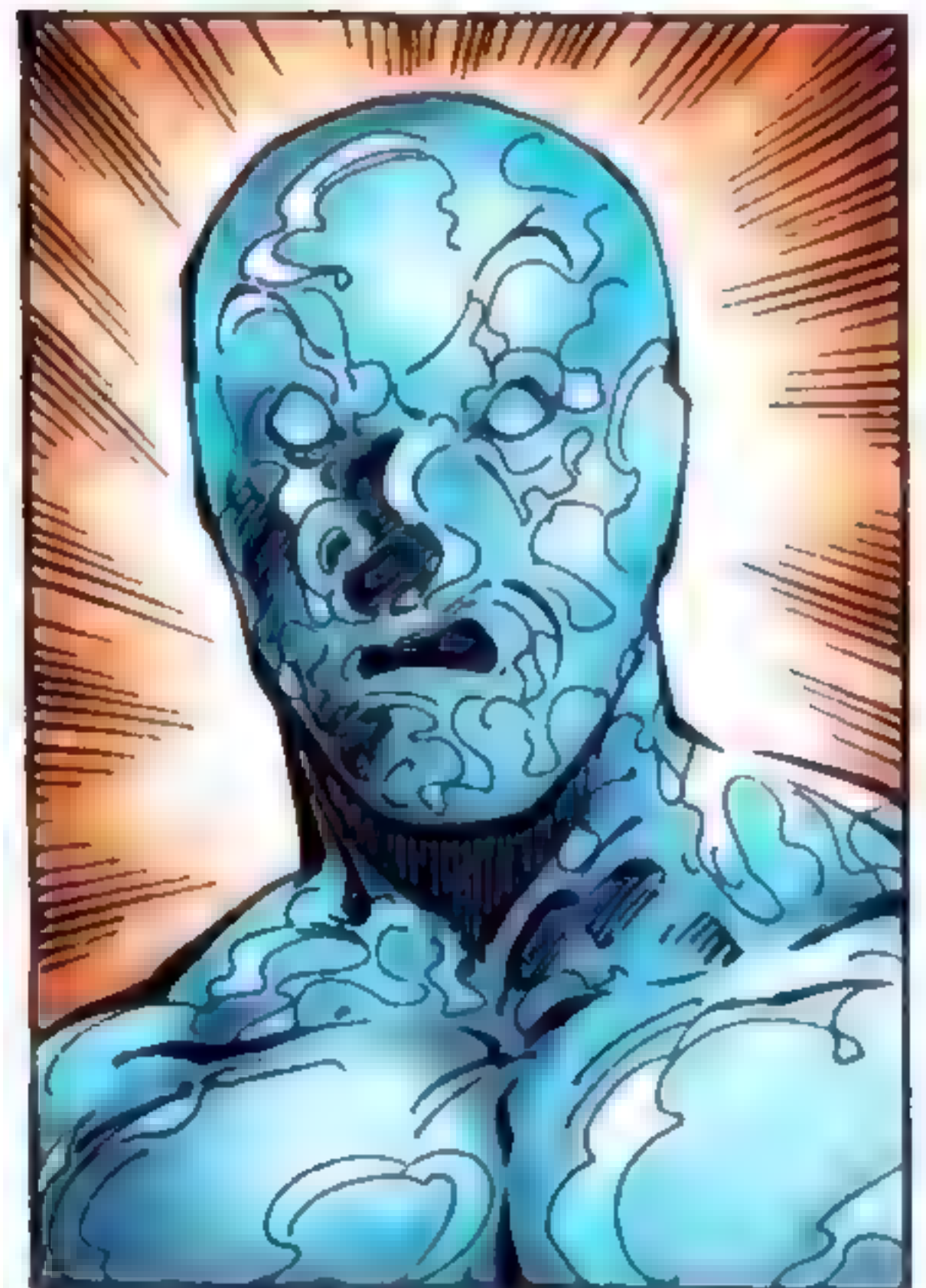


















## GOLD RESERVE, INDUSTRIAL AREA. RAJNAGAR.

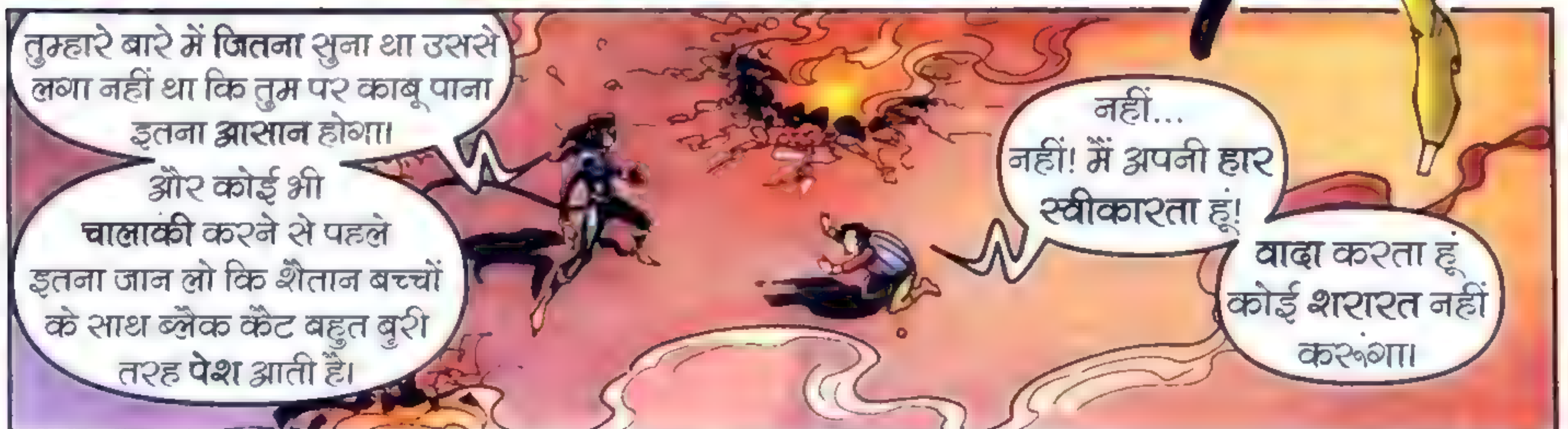
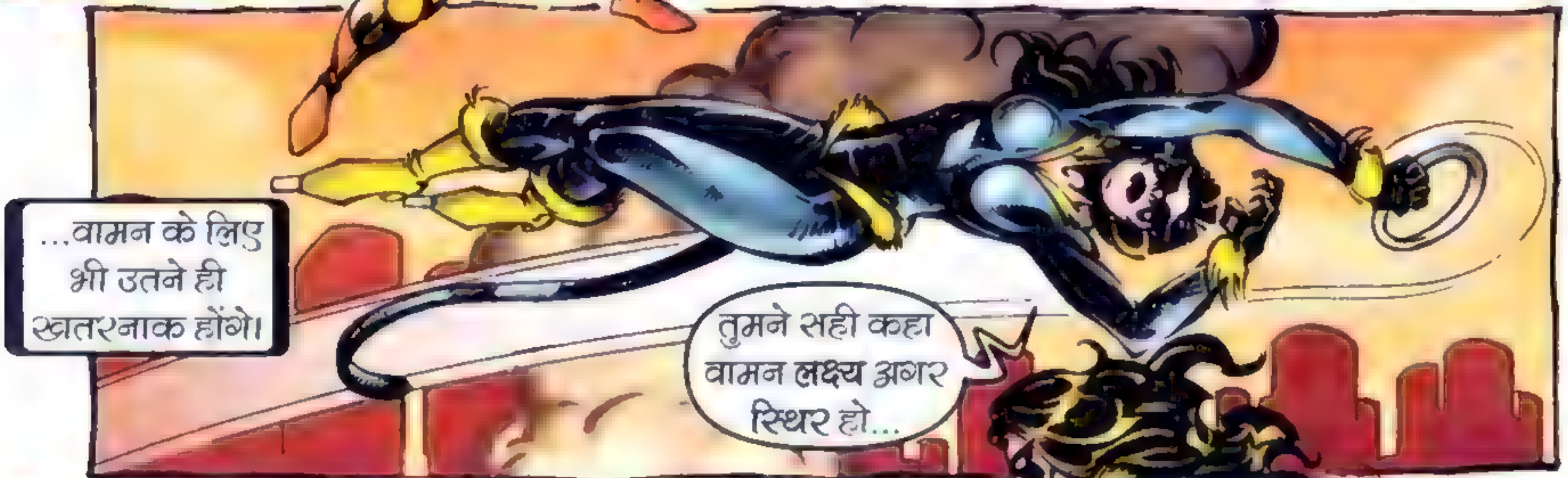


कंकाल तंत्र और क्राइम कोर्ट के बारे में जानने के लिए पढ़ें ध्रुव के पूर्व प्रकाशित विशेषांक मैंने मारा ध्रुव को और हत्यारा कौन।













वैसे तुमने मेरे बारे में सुना है तो यह भी सुना होगा कि...

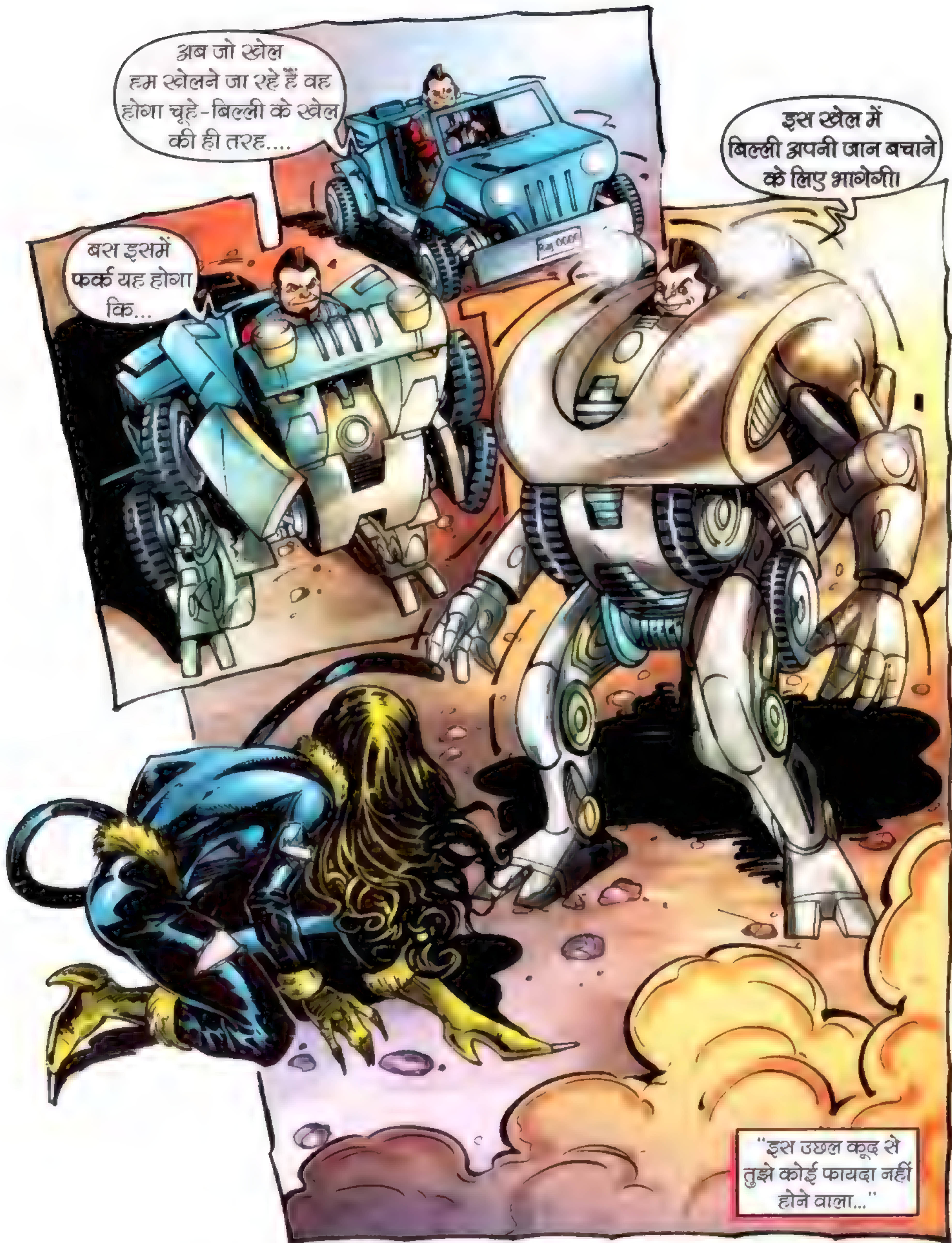




अब जो खेल  
हम खेलने जा रहे हैं वह  
होगा चूहे-बिल्ली के खेल  
की ही तरह....

बस इसमें  
फर्क यह होगा  
कि...

इस खेल में  
बिल्ली अपनी जान बचाने  
के लिए भागेगी।



"इस उछल कूद से  
तुझे कोई फायदा नहीं  
होने वाला..."



...जिस क्षण मेरा  
मैग्नेटिक ब्लास्ट तुझ  
से छू गया तेरी उछल कूद  
हमेशा के लिए बंद हो  
जाएगी कमाण्डो।

वह क्षण कम  
से कम आज तो नहीं  
आएगा चुम्बा...

**INDUSTRIAL AREA. RAJNAGAR.**

वैसे तुम मुझे कॉमेड  
कह कर बुलाओगे तो ज्यादा  
अपनापन लगेगा!

ओह नहीं! मेरा  
मैग्नेटिक ब्लास्ट  
कंट्रोलर!

ओह! मुझे लगा  
था तुम्हारी शक्तियां  
वैज्ञानिक होंगी।

लेकिन तुम  
तो कंट्रोल नष्ट  
होने के बाद भी  
वार करने को  
तैयार हो।

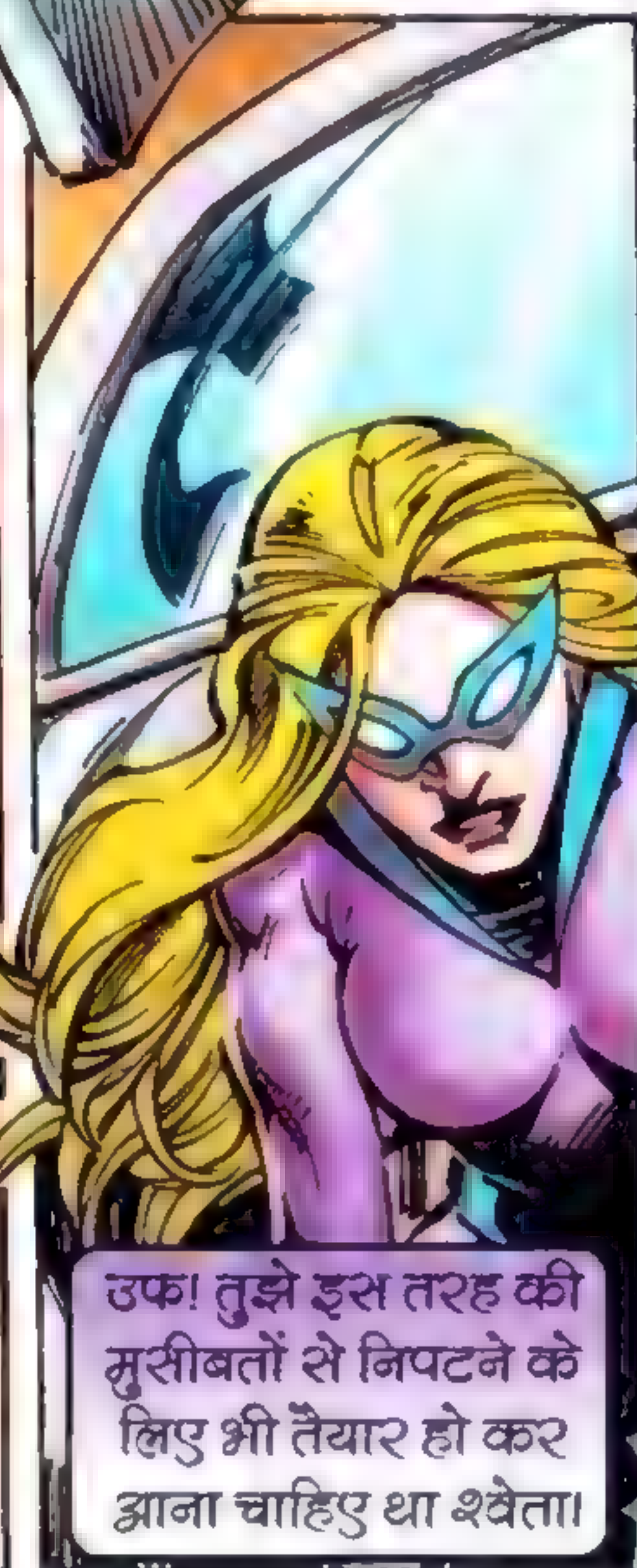
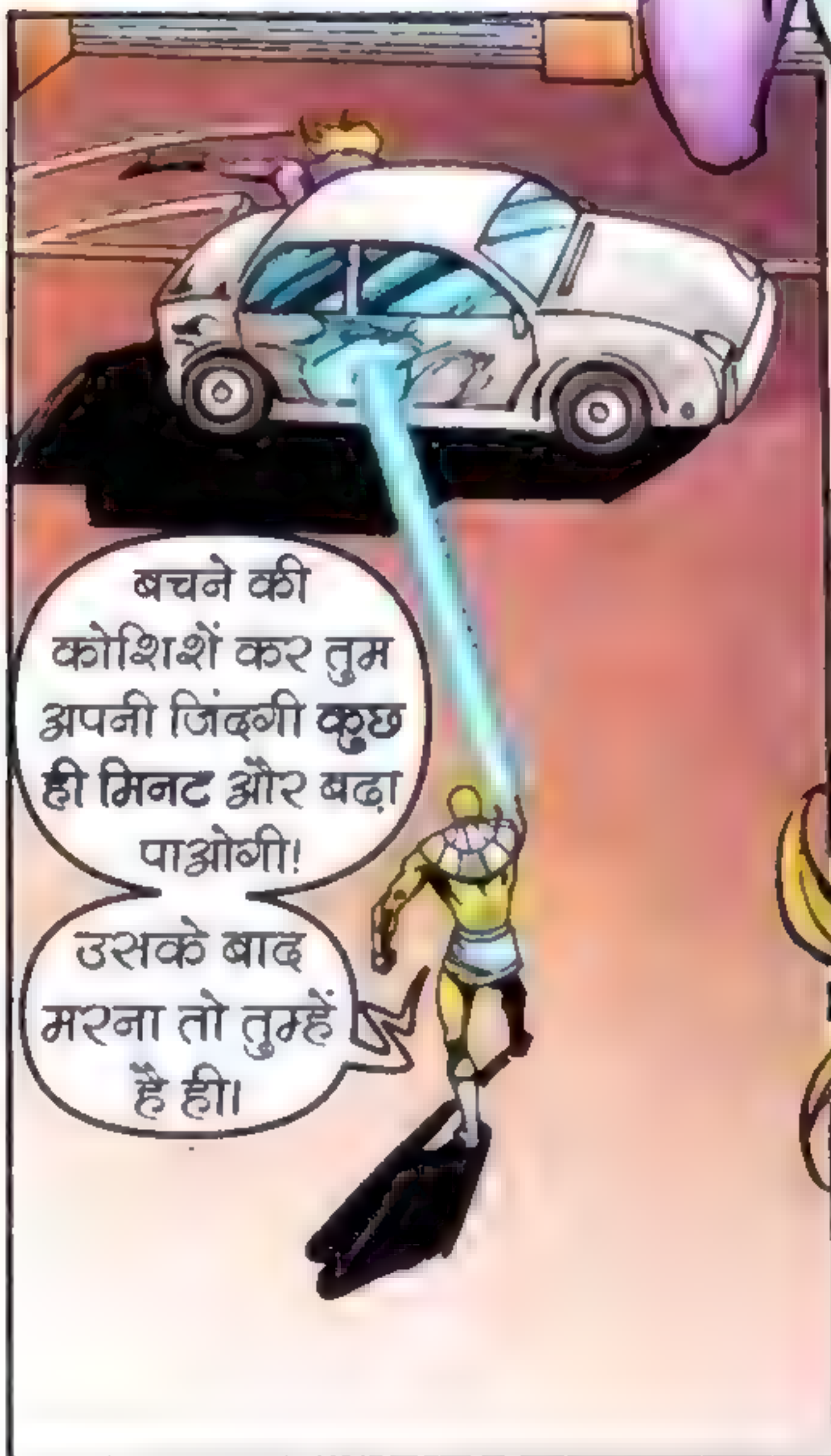
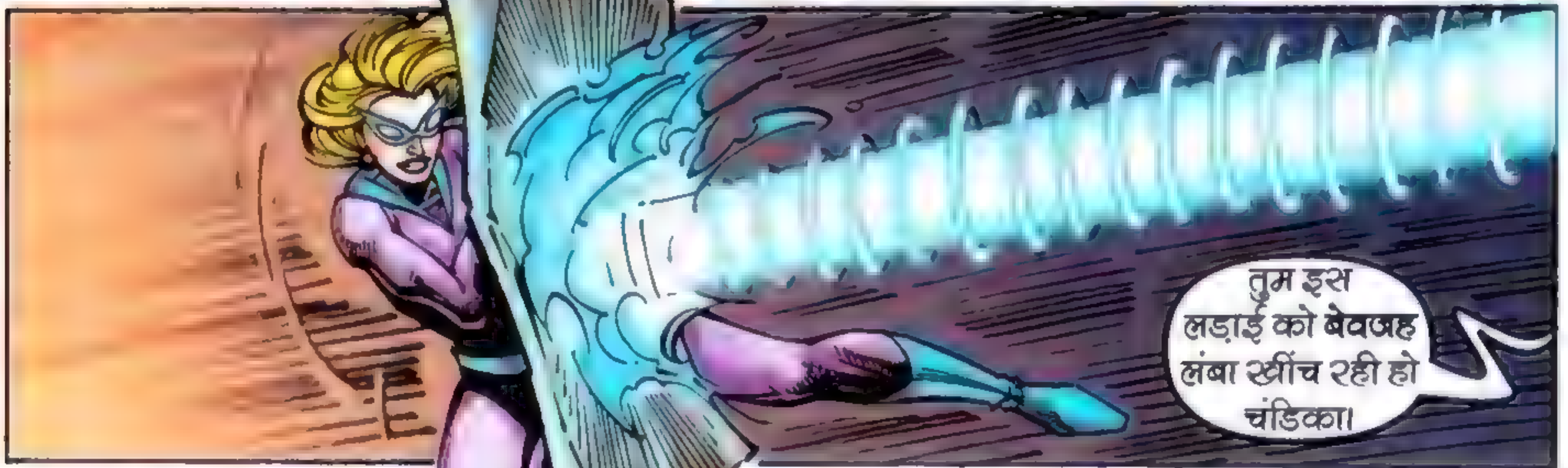
पेट में मारी  
गई किक का  
असर दिमाग पर  
भी होता है आज  
पता चला!

कंट्रोल  
नष्ट होने का  
अर्थ यह नहीं कि  
चुम्बा असहाय  
हो गया!

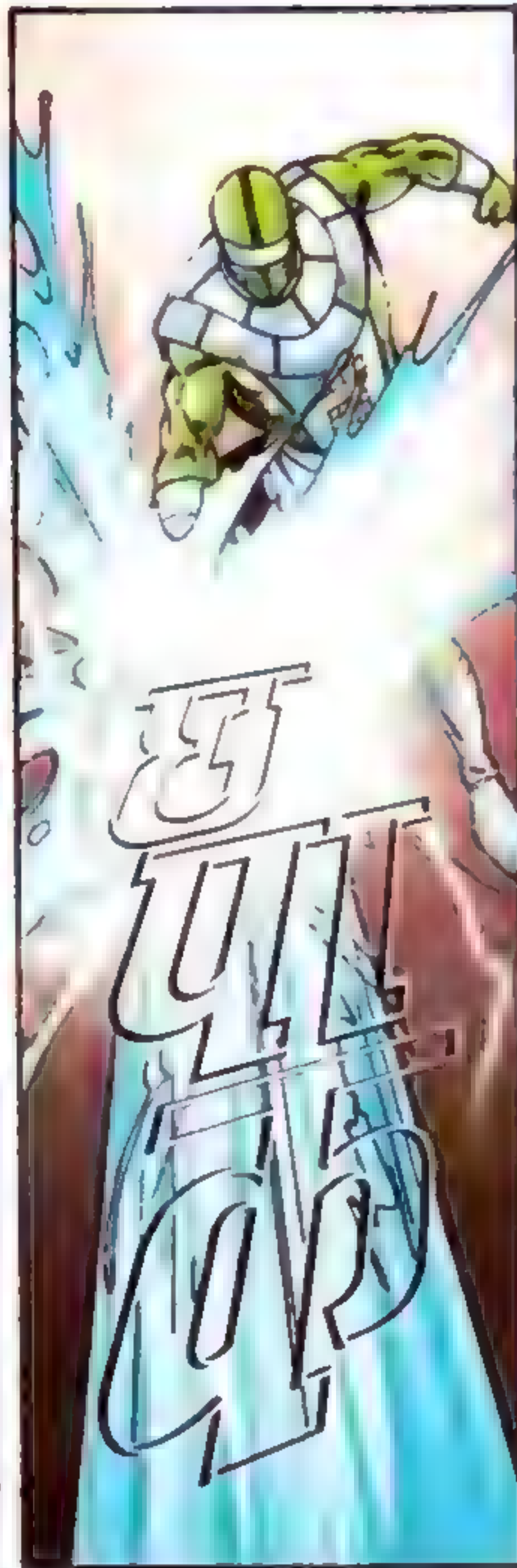
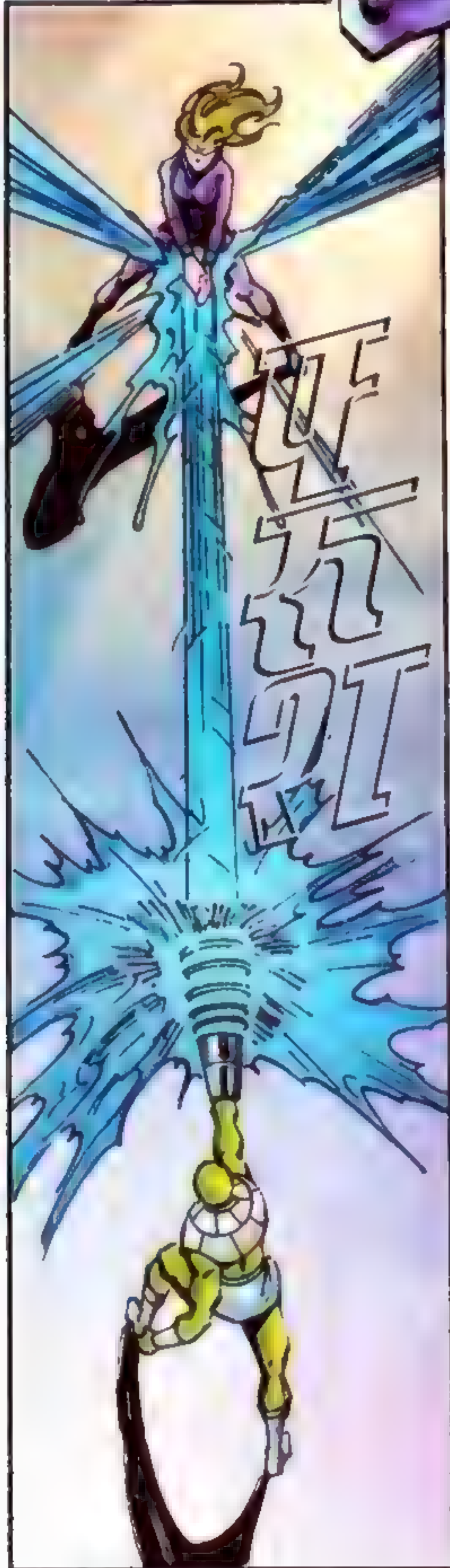
चुम्बा  
सम्राट की  
शक्तियां...

...असीमित  
हैं।









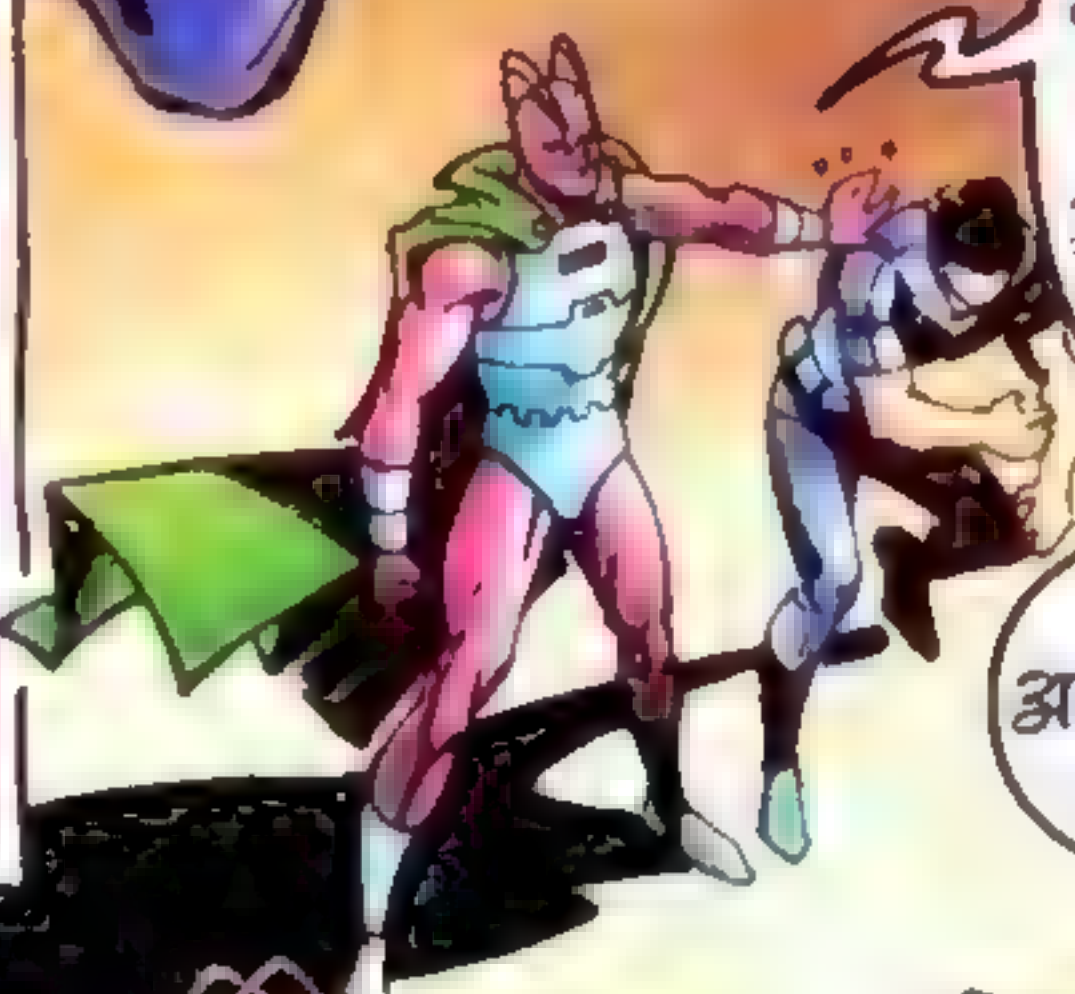




...क्यों न कुछ  
समय के लिए तुम  
अपनी प्यारी सोनिक  
केनन के मीठे सपनों  
में खो जाओ!



एक मुसीबत कम हुई। अब चलकर  
अपने साधियों की मदद की जाए।



तुम्हारी मौत  
का मुझे भी उतना  
ही दुःख होगा कमांडो  
जितना कि औरों को,  
आखिर तुमसा दुश्मन  
मुझे अब कहाँ मिल  
पाएगा।

अफसोस हमारी  
आखिरी मुलाकात बेहद  
कम समय की रही।



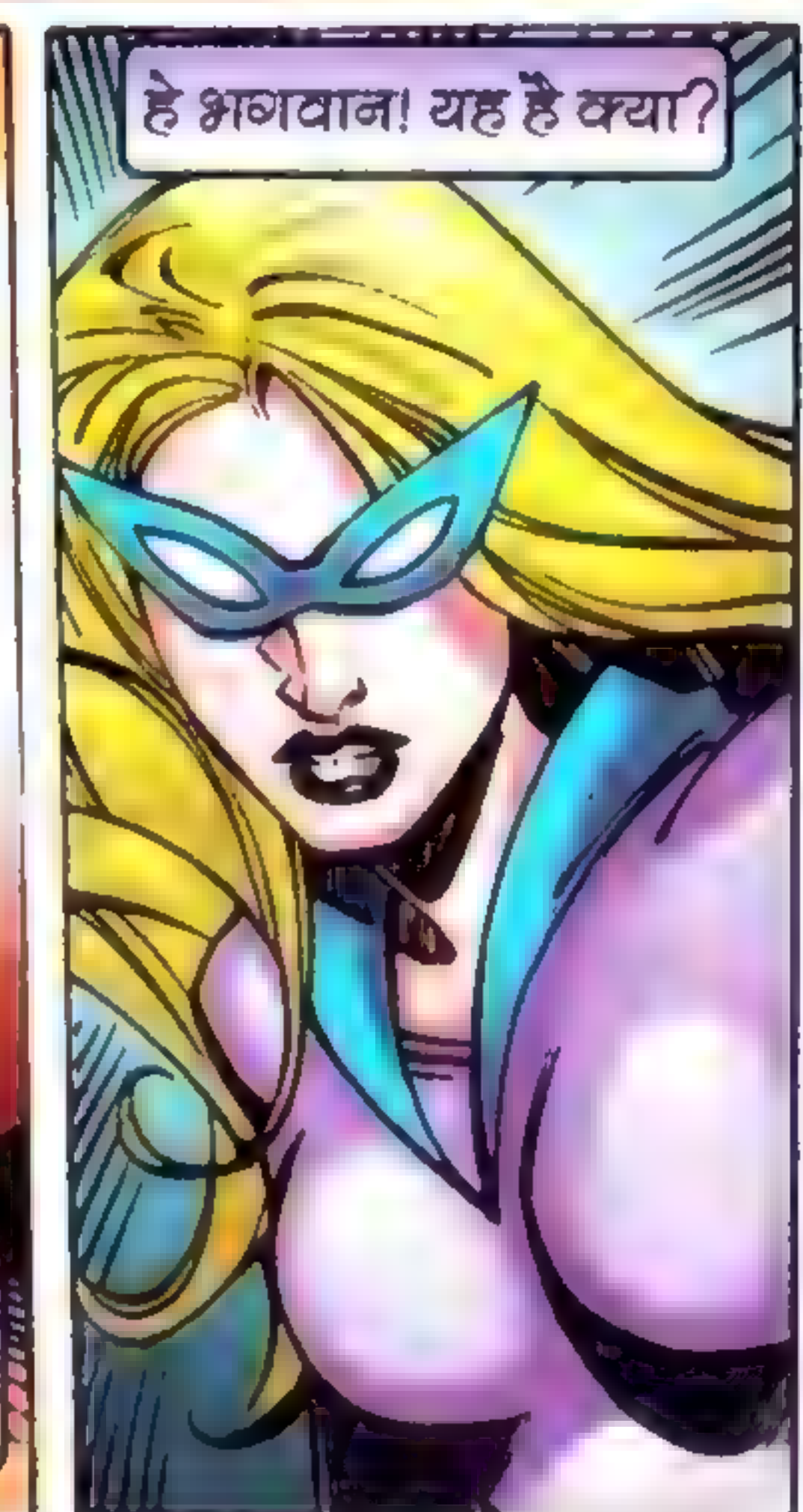
भगवान  
तुम्हारी आत्मा  
को शांति...

...ती **डूँड्यायाया**













**आहहह!** आह!  
मेरा... मेरा शरीर तप रहा है! पीड़ा... भयंकर पीड़ा हो रही है मुझे!

इस तरह की पीड़ा का अनुभव तुम संभवतः पहली बार कर रहे हो, है न एक्को?

इस पीड़ा से तुम्हें जल्द ही मुक्ति नहीं मिलने वाली है।

लेकिन परेशान मत हो! यह तुम भी जानते हो की यह आग तुम्हें खत्म नहीं कर सकती, बशर्ते कि यह आग तुम्हारे शरीर को भाप बना कर उड़ा ना दे!



ख़ास कर तब तक, जब तक कि तुम पेट्रोल के इस तालाब में गोते लगाते रहोगे! कई गेलन पेट्रोल में लगी इस आग को तुम बुझा पाओगे मुझे इस पर भी संदेह है!

वैसे भी पेट्रोल की आग पानी से नहीं बुझाई जा सकती और...

...और जब तक तुम यह आग बुझा पाओ तब तक तुम्हारा पक्का बंदोबस्त करने का कोई ना कोई तरीका हम खोज ही लेंगे।

**आहहह!**

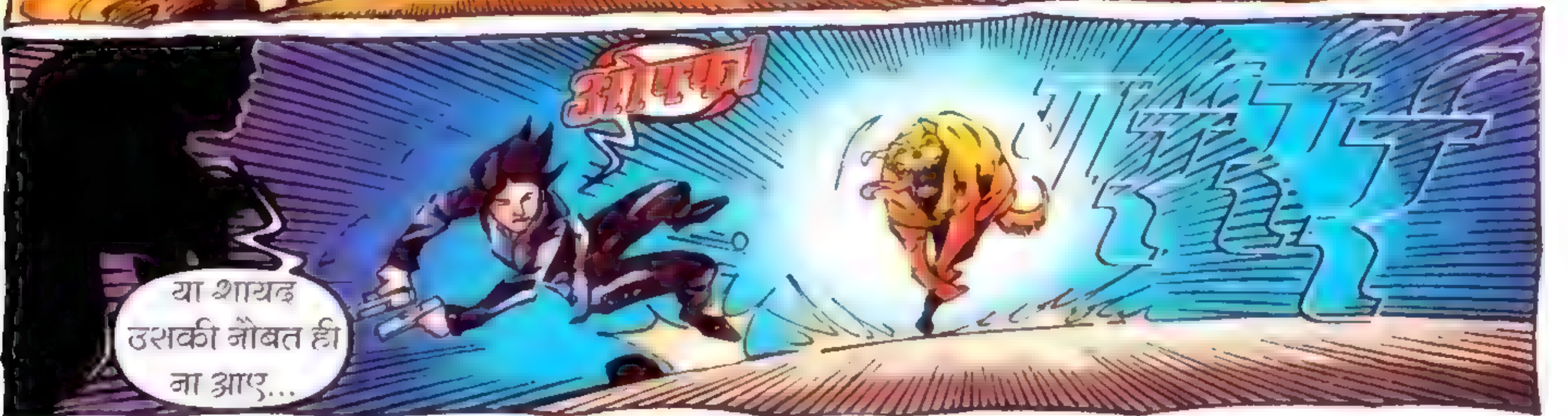
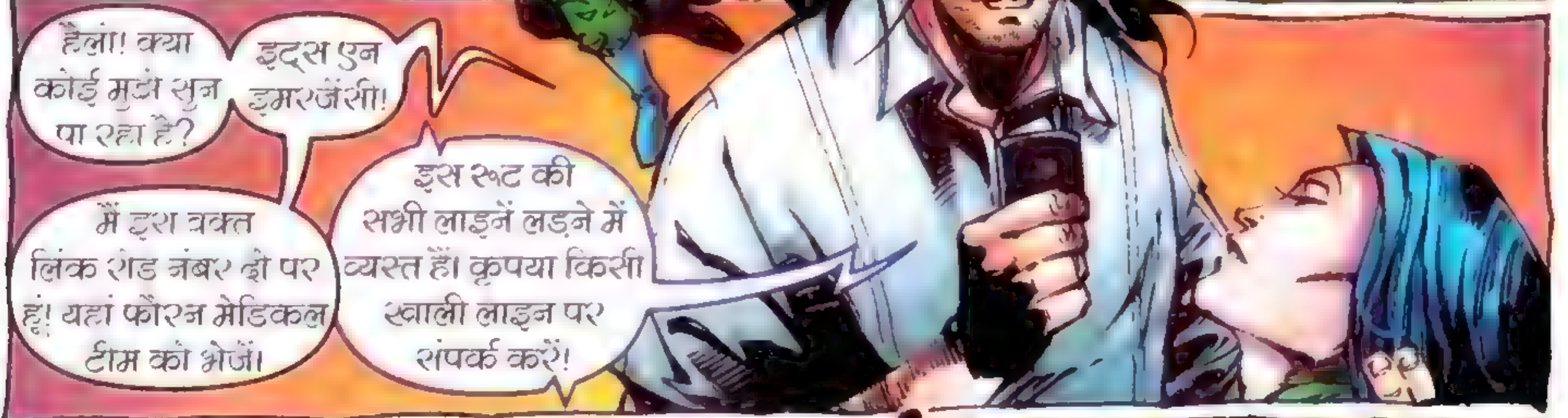


**आहहह!**

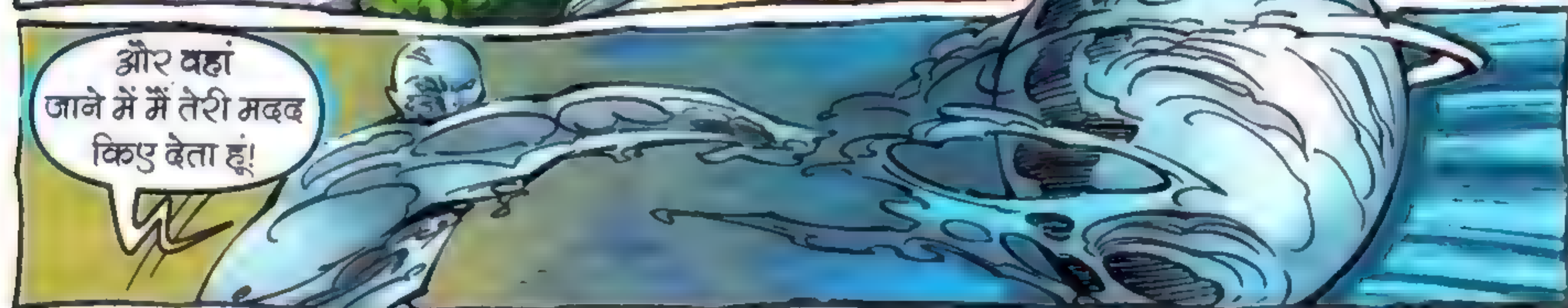
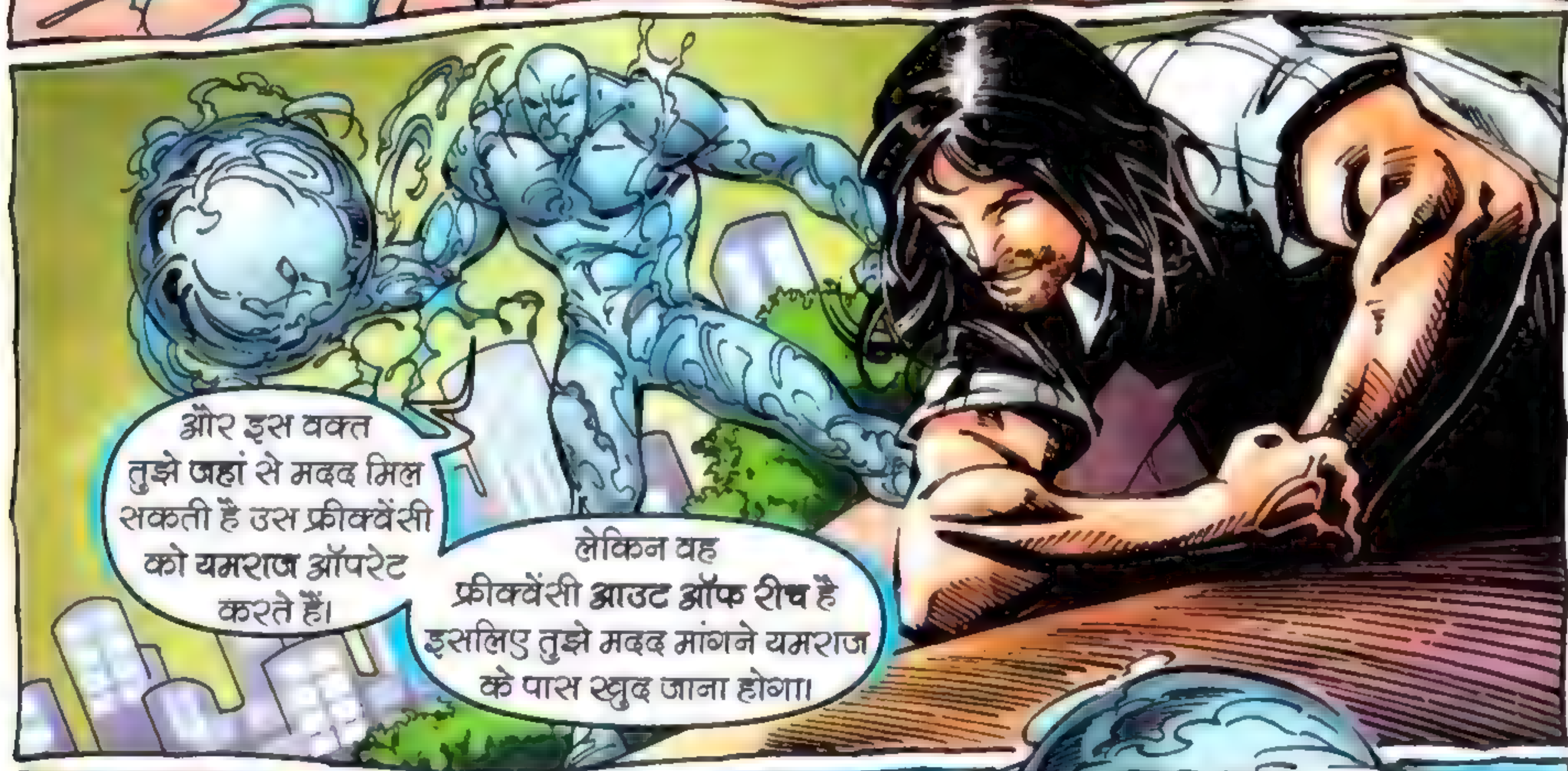
पर ऐसा हो सकता है इसमें मुझे संदेह है!

तुम्हारे शरीर में पहुंच चुका पेट्रोल और तुम्हारे शरीर पर बनी हुई पेट्रोल की परत तुम्हें इस आग से छुटकारा पाने नहीं देगी।

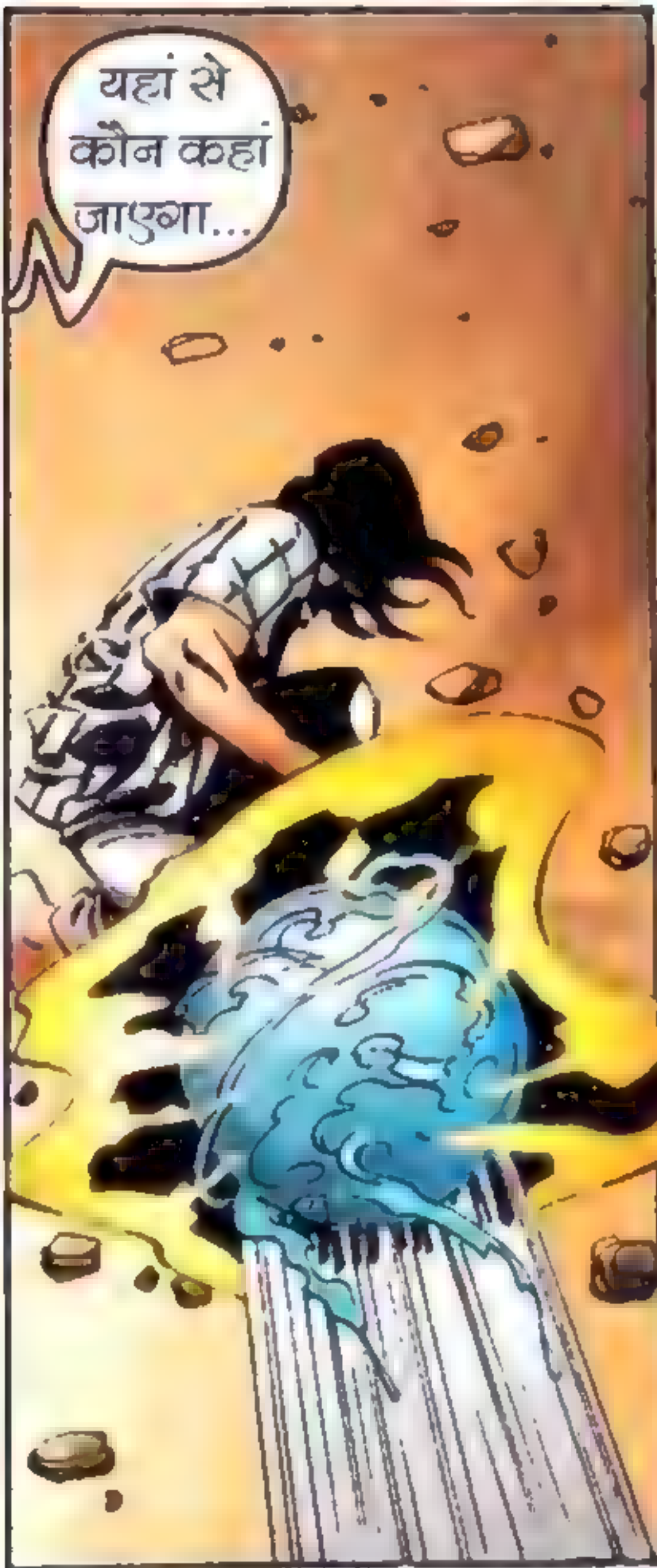
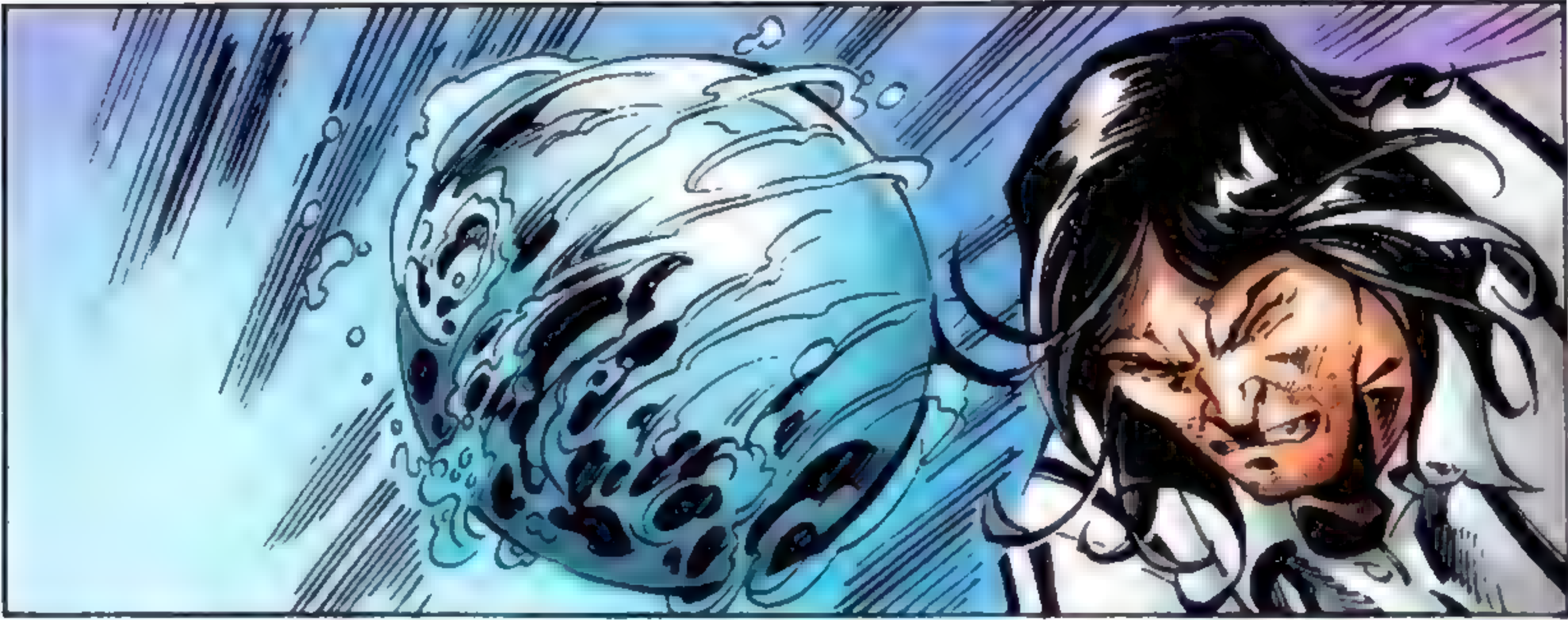






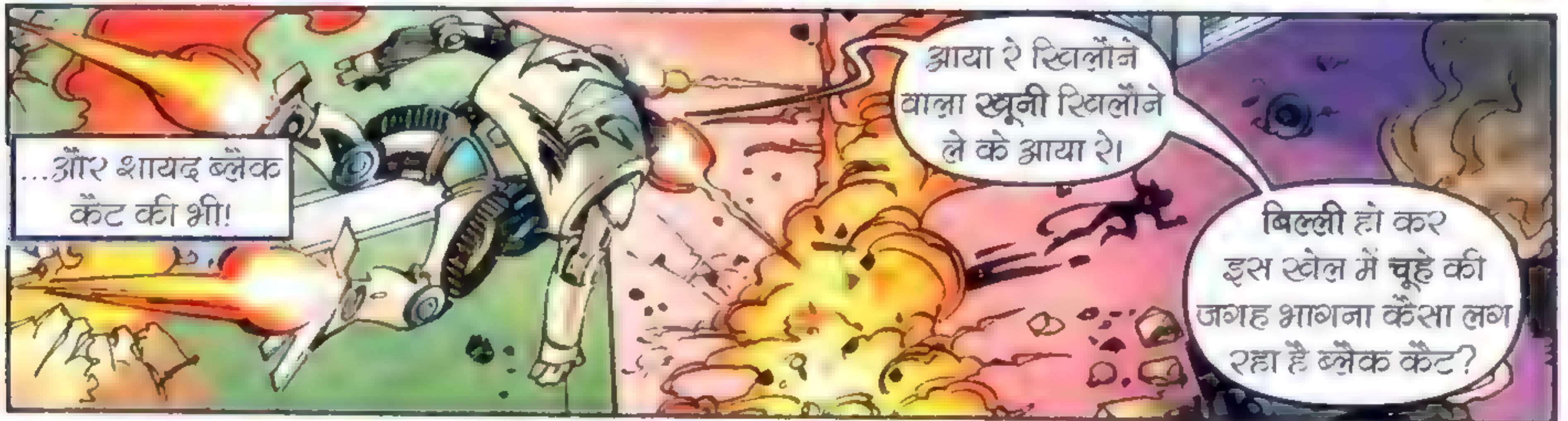








# ताड़





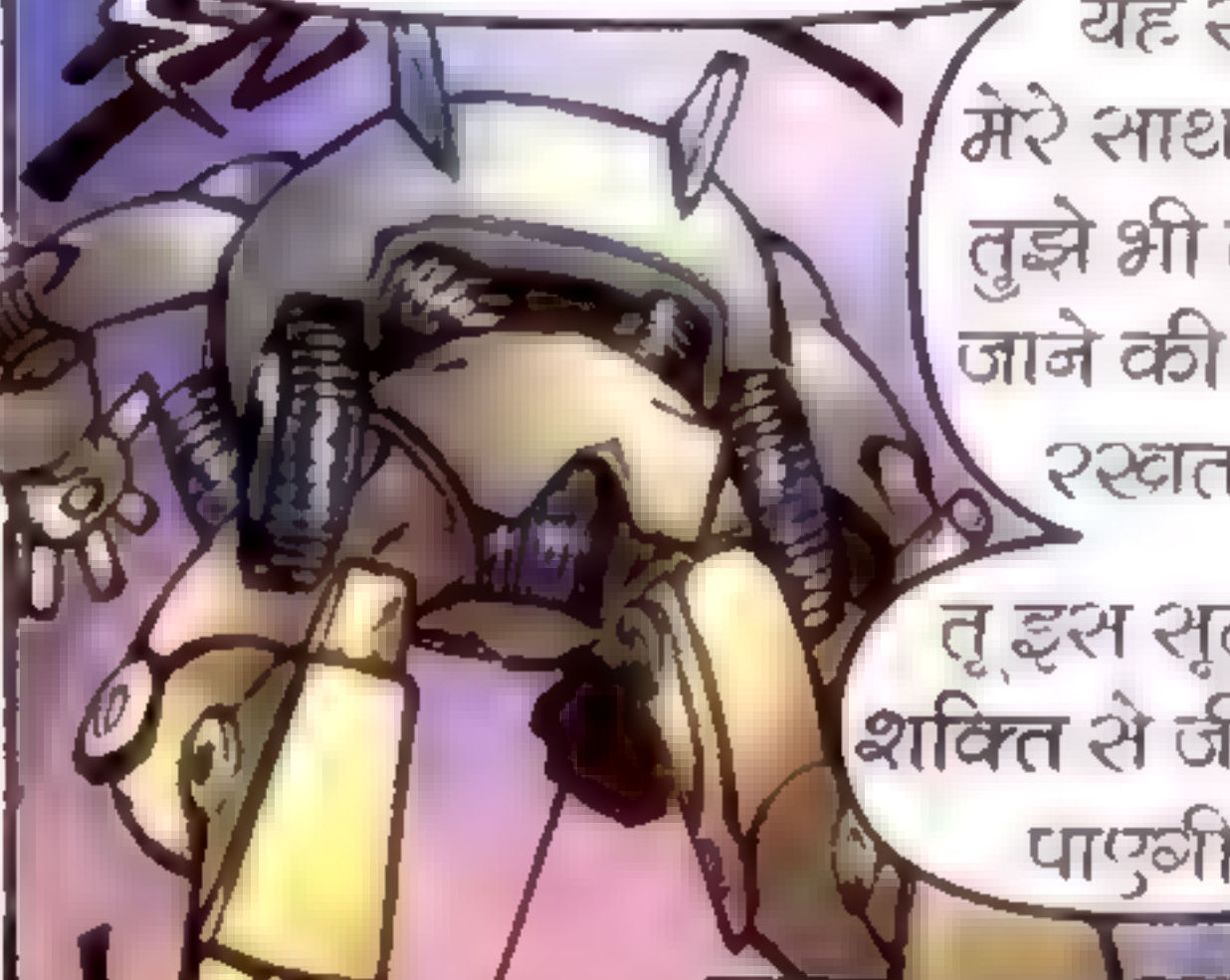
...इससे निपटने का एक तरीका मुझे समझ आ रहा है. बस किस्मत साथ दे जाए!



तेरा दिमाग खराब हो गया है लड़की, तू मुझे इस रस्सी से कैद करने की सोच रही है?



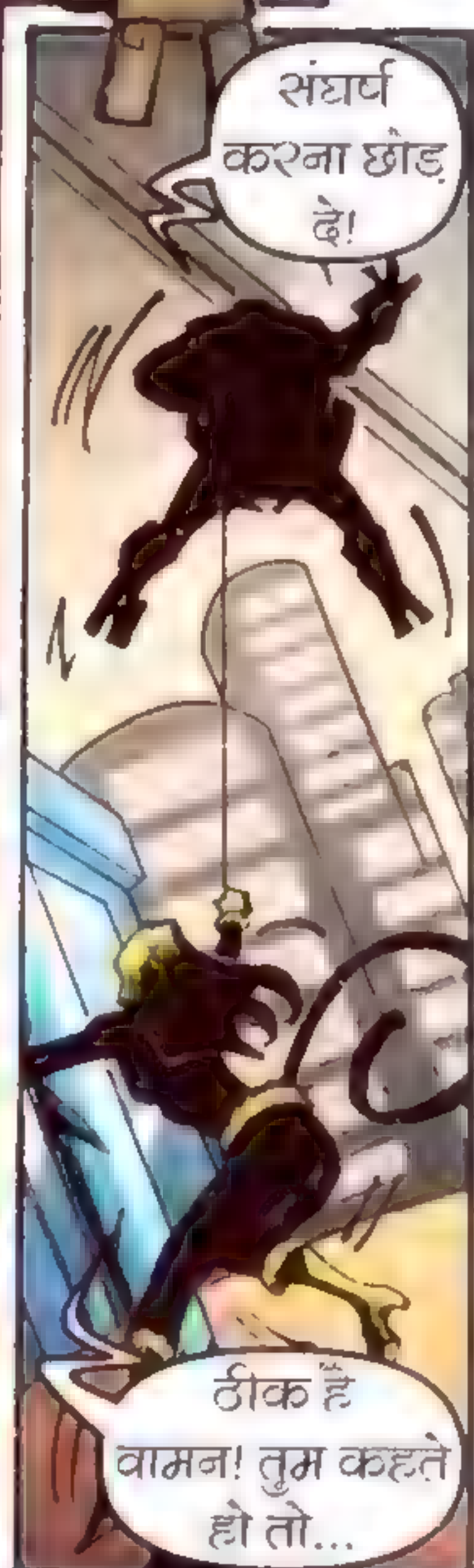
क्यों अपनी कमनीय काया को कष्ट देने पर उतार रहे हैं लड़की?



यह सूट मेरे साथ-साथ तुझे भी उड़ा ले जाने की क्षमता रखता है।

तू इस सूट की शक्ति से जीत नहीं पाएगी..

संघर्ष करना छोड़ दे!

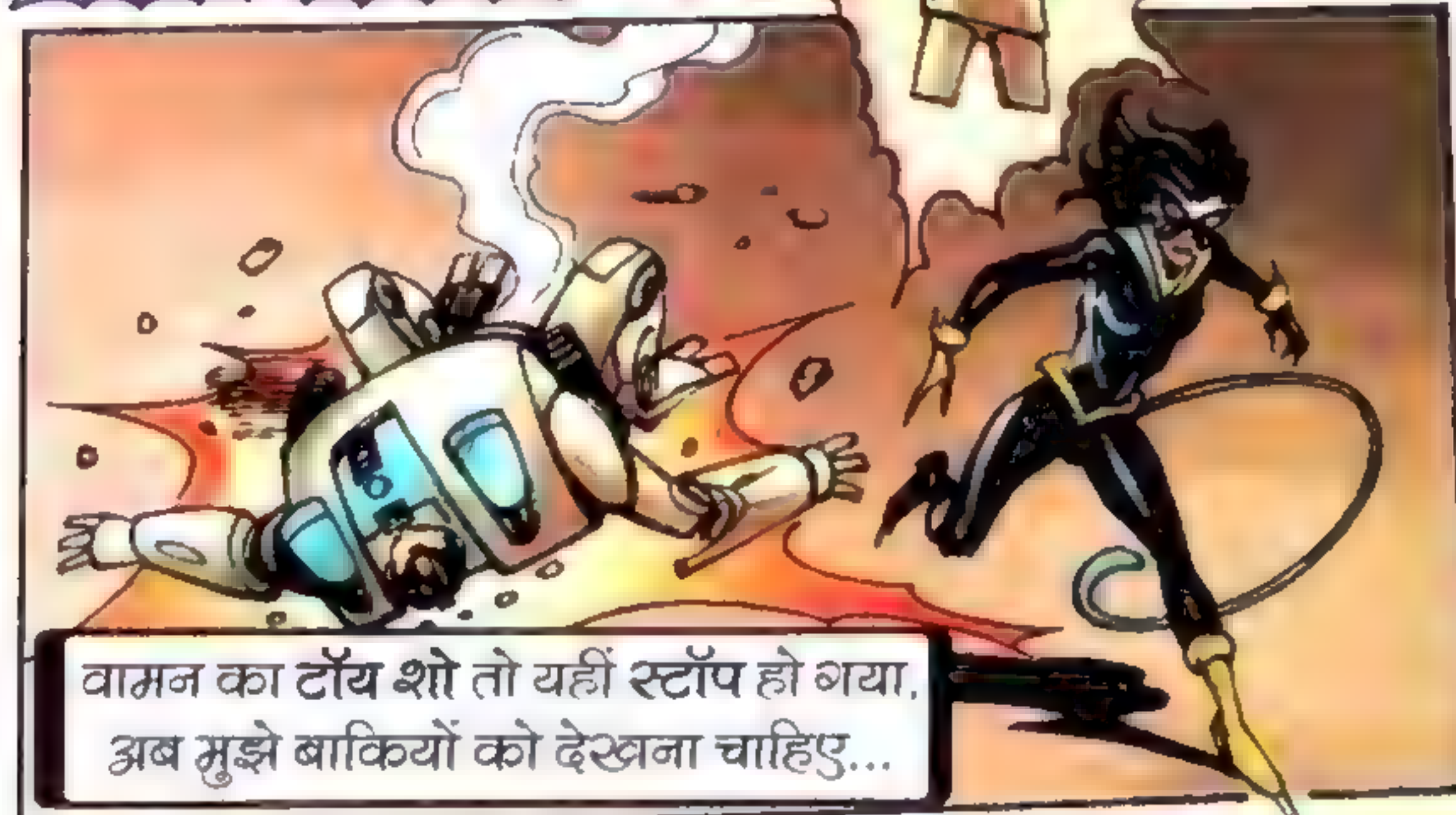


ठीक है वामन! तुम कहते हो तो...

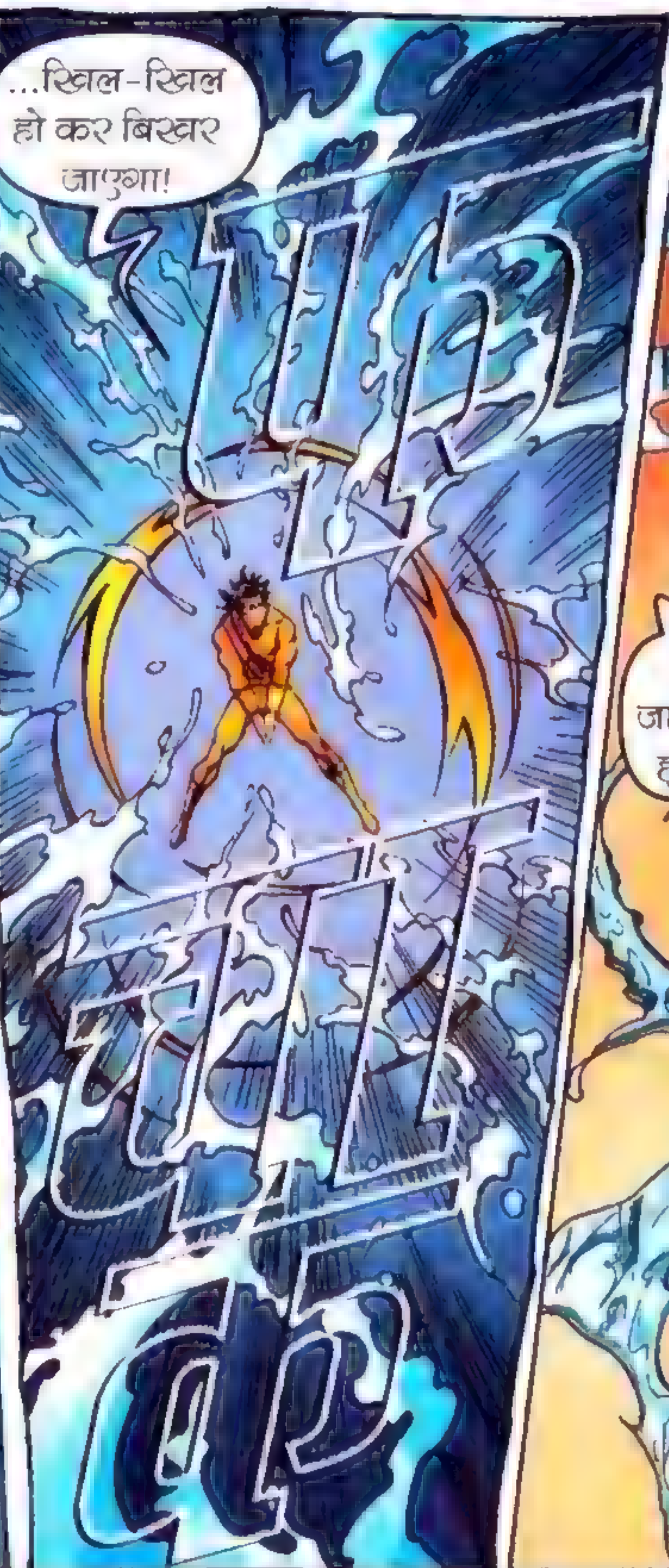


...छोड़ देती हूँ!

























**INDUSTRIAL AREA.**

क्या बना दिया है डॉक्टर वायरस ने इसे?



पता नहीं इस अजीब-ओ-गरीब मुसीबत पर गोलियां काम करेंगी या नहीं!

लेकिन कोशिश करके देखने में कोई हर्ज नहीं है!



कॉमेट!  
मिशा! चंडिका!  
दूर हट जाओ उस कुत्ते से!



ओह नहीं! गोलियों ने उसका कुछ बिगाड़ा तो नहीं लेकिन उसका ध्यान मेरी ओर जरूर आकर्षित कर दिया है!



मुझे नहीं लगता यह गन इसके जबड़ों में ज्यादा देर तक सही सलामत रह पाएगी, और उसके बाद नंबर लगेगा मेरी हड्डियों का!

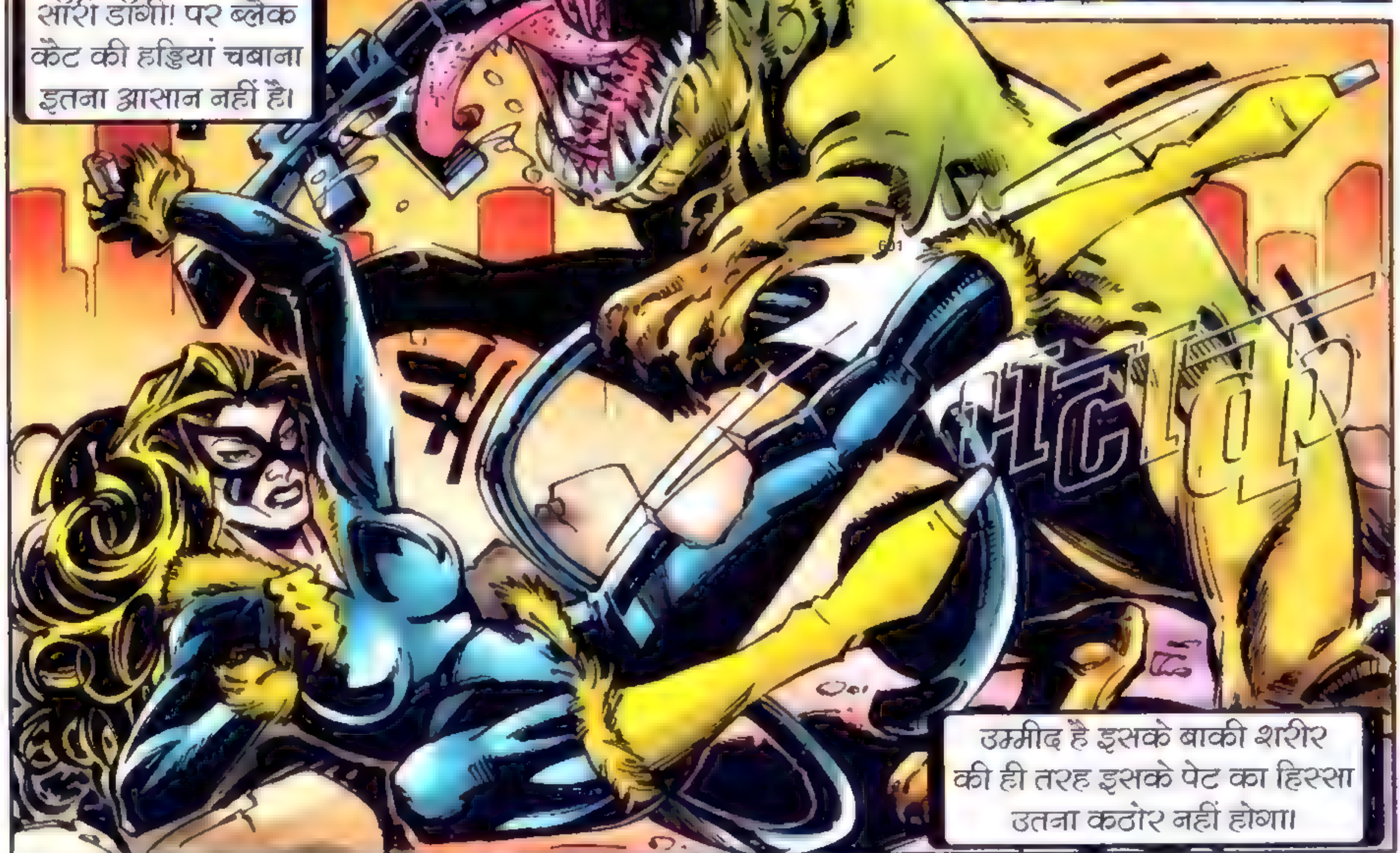
बिल्ली की मौत का श्रेय एक कुत्ता ले जाएगा! लानत है!



ब्लैक कैट! इसे बाहर से खत्म कर पाना शायद मुमकिन ना हो! लेकिन भीतर से यह अभेद्य नहीं होगा!



सॉरी डॉगी! पर ब्लैक कैट की हड्डियां चबाना इतना आसान नहीं है!



उम्मीद है इसके बाकी शरीर की ही तरह इसके पेट का हिरसा उतना कठोर नहीं होगा!









चलो! इस मुसीबत से भी पीछा छूटा और चारों सुपर खलनायक भी हमारी गिरफ्त में हैं।

राजनगर में हालात काफी हद तक काबू में हो गए हैं।

हां! काफी हद तक, लेकिन पूरी तरह नहीं!

ध्रुव के अनुसार मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन से जुड़ा खतरा अभी भी बरकरार है!

मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन! अब भला यह क्या नई मुसीबत है?



क्या नारका जेल में एलियंस भी कैद थे जिन्होंने अपने साथियों को राजनगर पर हमला करने के लिए बुला लिया है? और "ध्रुव के अनुसार" से क्या मतलब? ध्रुव तो...

शायद जिंदा है! हां! अभी कुछ देर पहले ही हम एक कैदी से मिले हैं जो अपने ध्रुव होने का दावा कर रहा है।

उसने अपने दावे को सिद्ध करने के लिए जो बातें कहीं फिलहाल उन्हें सच मानने के सिवा हमारे पास कोई और रास्ता नहीं है!



ध्रुव? कैदी के रूप में?

क्या मजाक है।

काश यह मजाक होता।

लेकिन अभी पक्के तौर पर कुछ भी कहना मुश्किल है! हो सकता है वह किसी षडयंत्र का हिस्सा हो।



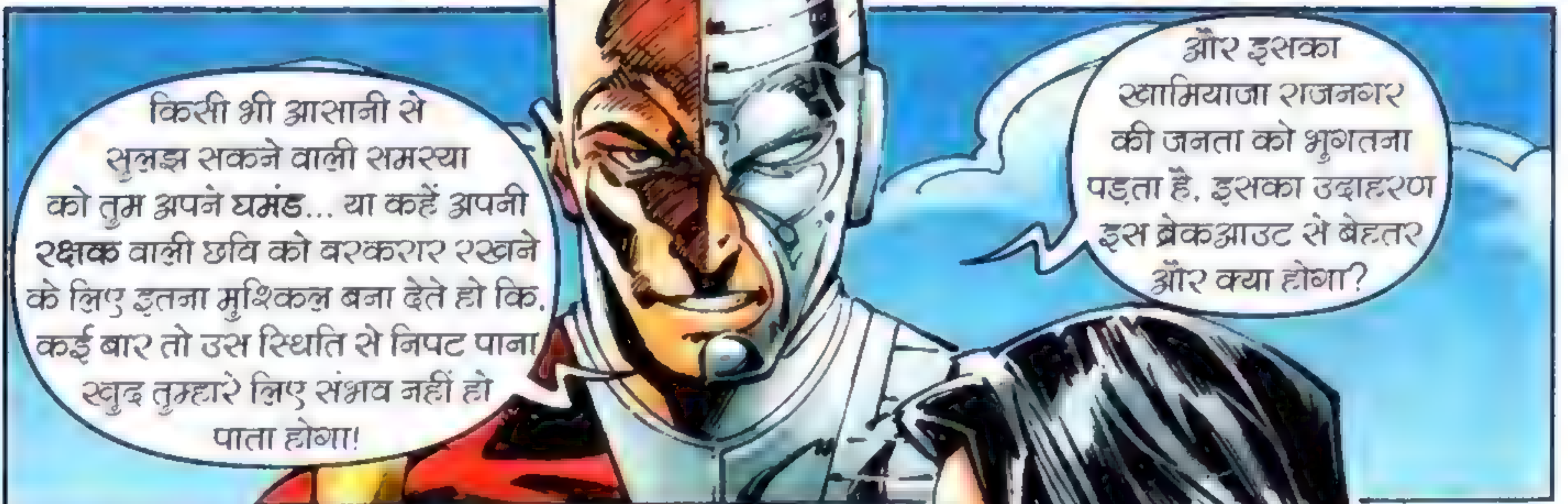
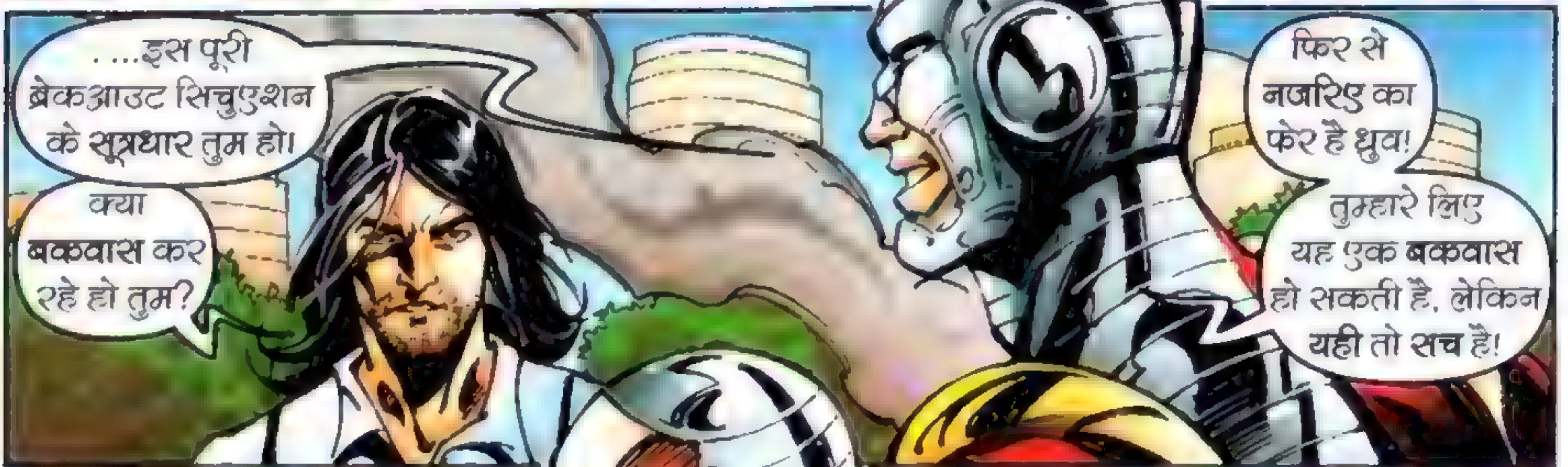
लेकिन यह तो तय है कि हम अभी निश्चिन्त होकर नहीं बैठ सकते! हमारे सामने और भी मुसीबतें आ सकती हैं।

सामने ही नहीं, मुसीबत पीछे से भी आ सकती है! जरा अपने पीछे भी देख लो!

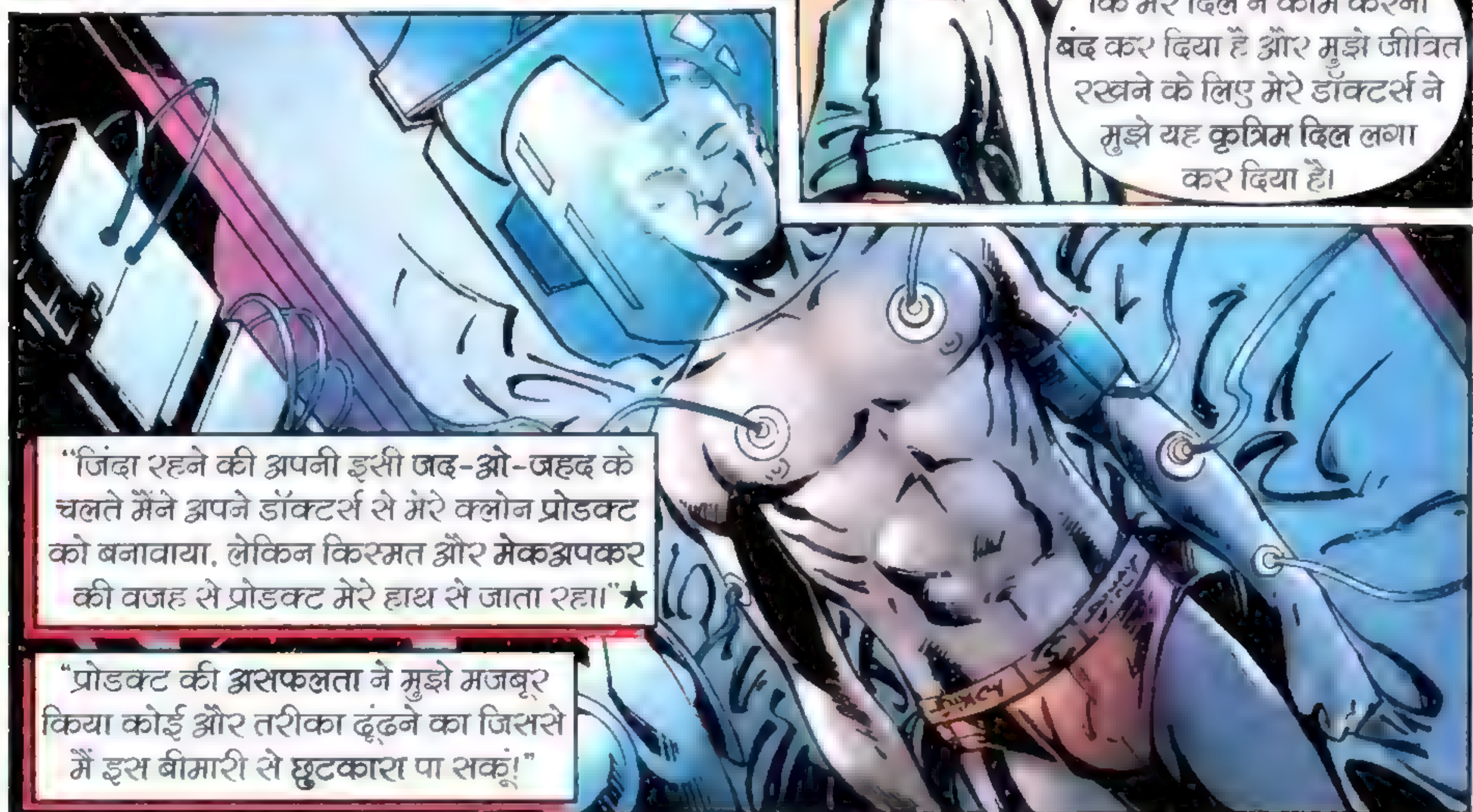
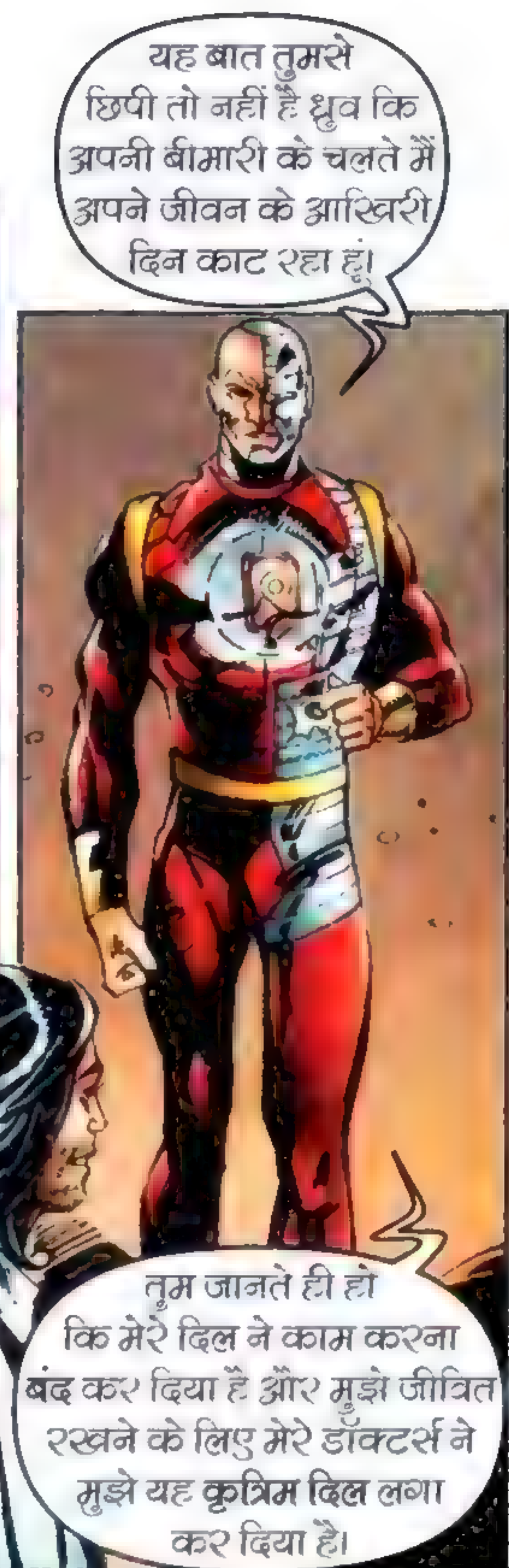














"मेरे वैज्ञानिकों और डॉक्टरों की टीम ने मिल कर मेरे कृत्रिम दिल की रिप्लेसमेंट को ढूंढ निकाला, उस आर्टिफिशियल फाइबर चेम्बर हार्ट का एक उन्नत डिजाईन!"

"जिसके सहारे मैं अपनी इस बीमारी से निजात पा सकता था!"



"मेरे डॉक्टरों ने मेरी आधी समस्या तो दूर कर दी थी लेकिन समस्या तो फिर भी मौजूद थी ही।"



"उस डिजाइन की खासी थी उसका लिमिटेड पावर सोर्स।"

"हर चार-पांच महीनों के बीच एक डर के साथ जीना मेरी फितरत में नहीं है।"

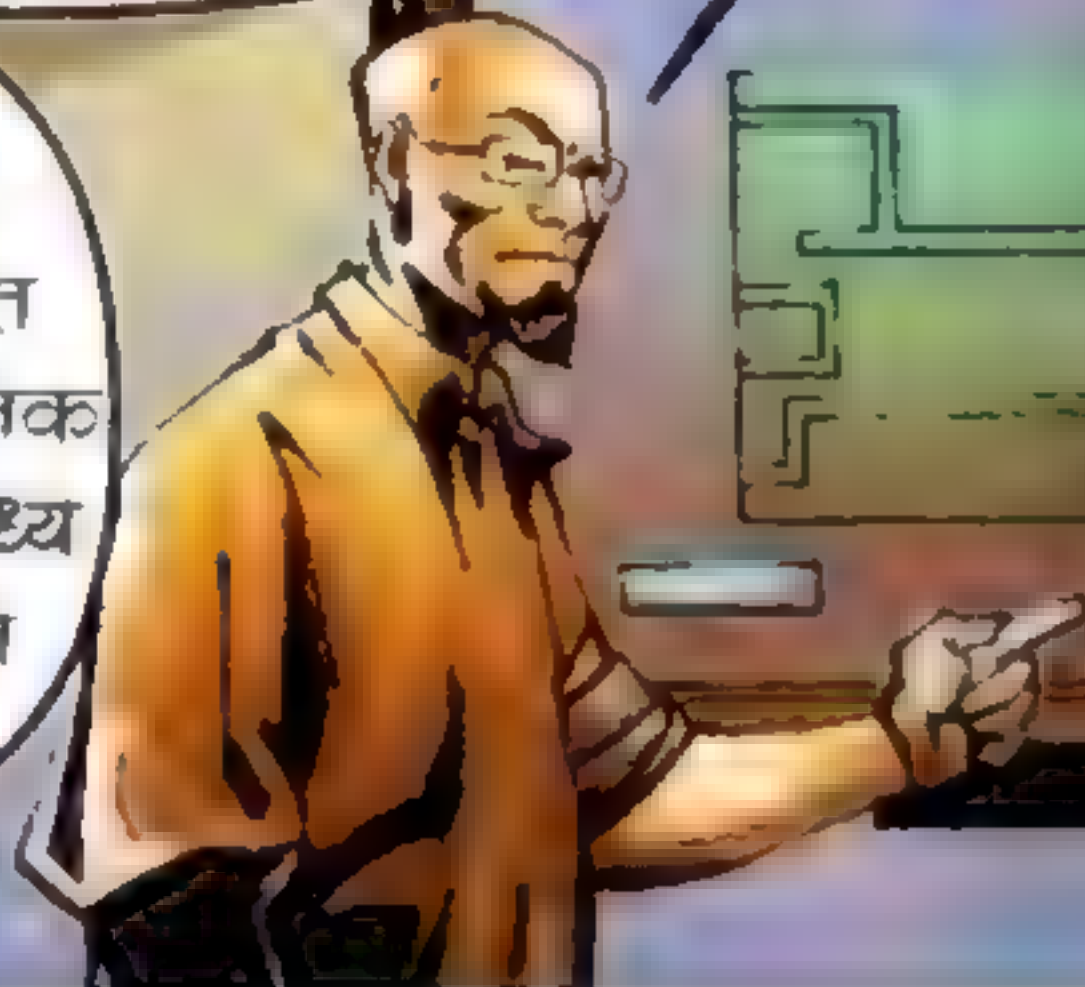


"लेकिन मौत अगर आंख मिचौली खेलने का मन बना ही चुकी हो तो कोई कुछ नहीं कर सकता।"

"लेकिन अभी मेरी किरमत में मरना नहीं लिखा था!"

हमारा एनर्जी डिटेक्टर एक पावरफुल एनर्जी सोर्स के सिग्नल्स कैच कर रहा है।

इसके विश्लेषण के मुताबिक यह स्रोत अगले हजार सालों तक राजनगर को निर्बाध्य रूप से उर्जा प्रदान कर सकता है।



अगर हमें यह एनर्जी मिल जाए तो आपके कृत्रिम दिल के एनर्जी सोर्स की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।





"हम बिना समय बंवाए उस स्थान पर पहुंचे लेकिन वहां जैसा हमने सोचा था वैसा कुछ भी नहीं मिला!"

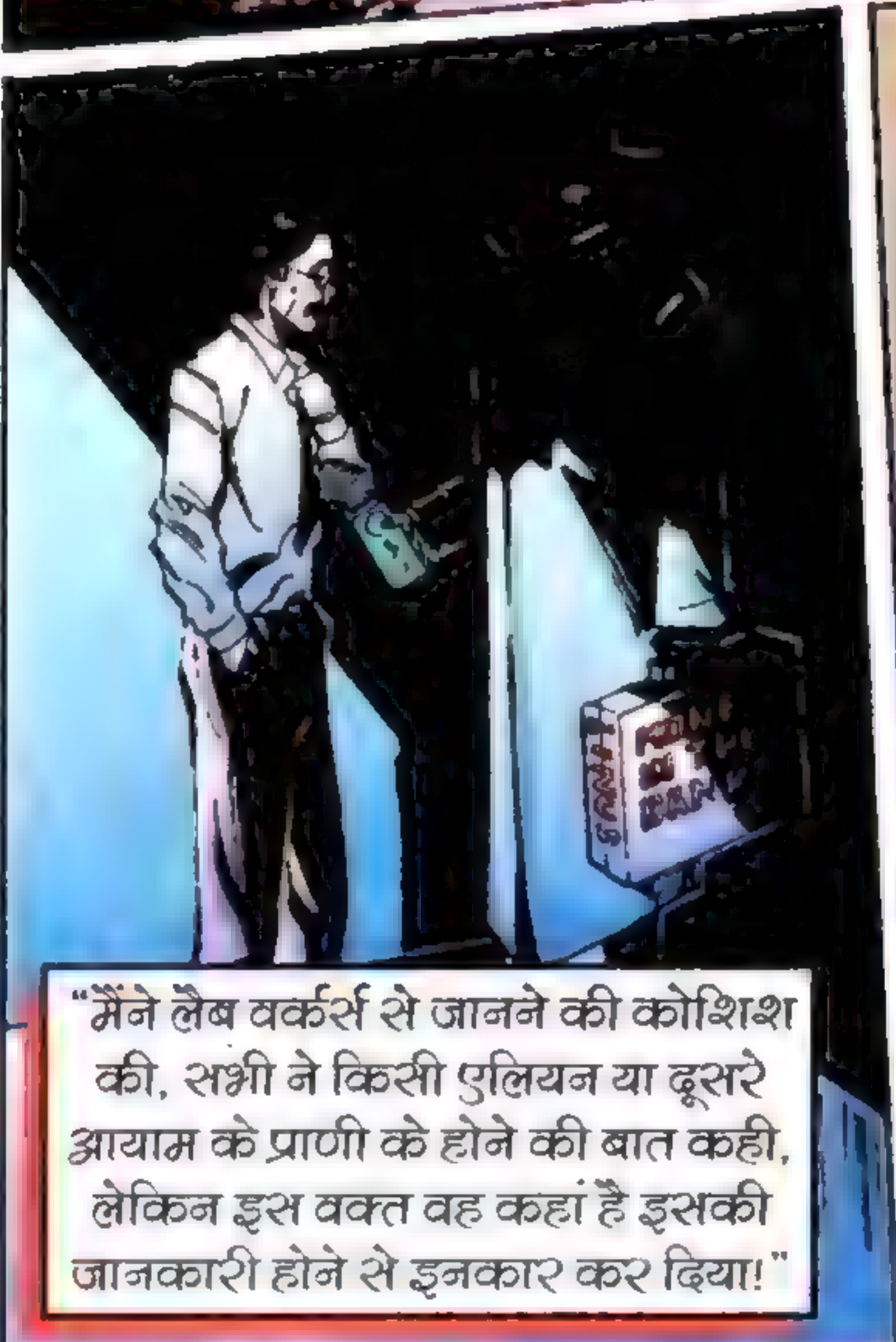
"लेकिन उस स्थान पर मौजूद एनर्जी सिग्नेचर्स इस बात की पुष्टि कर रहे थे कि वहां कुछ था जरूर!"



"आस-पास के स्थानों की छानबीन और पूछताछ करने पर आखिर पता चल ही गया कि तुम्हारे कहने पर वहां से सब कुछ समेट कर राजनगर साइंस एंड रिसर्च लैब ले जाया जा चुका है।"

"लेकिन मरने का डर कभी भी इंसान को चैन से बैठने नहीं देता!"

"मंजिल के इतने करीब आ कर भी खाली हाथों लौटने का एहसास होने लगा!"



"मैंने लैब वर्कर्स से जानने की कोशिश की, सभी ने किसी एलियन या दूसरे आयाम के प्राणी के होने की बात कही, लेकिन इस वक्त वह कहाँ है इसकी जानकारी होने से इनकार कर दिया!"



"उनकी बातों की पुष्टि करने के लिए मैंने लैब पर दो तीन हमले भी करवाए जिन्हें तुमने ही नाकाम किया था!"

"लेकिन हमले तो किए ही थे नाकाम होने के लिए! तय हो गया था कि वह प्राणी उस रिसर्च लैब में नहीं था!"

"अब अगर मुझे उस प्राणी के बारे में कोई बता सकता था तो वह तुम थे!"

"लेकिन तुमसे वह जानकारी हासिल करना असंभव था।"



"लेकिन किरमत खुद मुझे मौका देना चाहती थी!"

"तुम्हारी कैंडेट के कोमा में जाने की वजह से तुम मुझे पागलों की तरह पूरे राजनगर में दूँद रहे थे! उसी समय मैंने वह प्लान बनाया!"

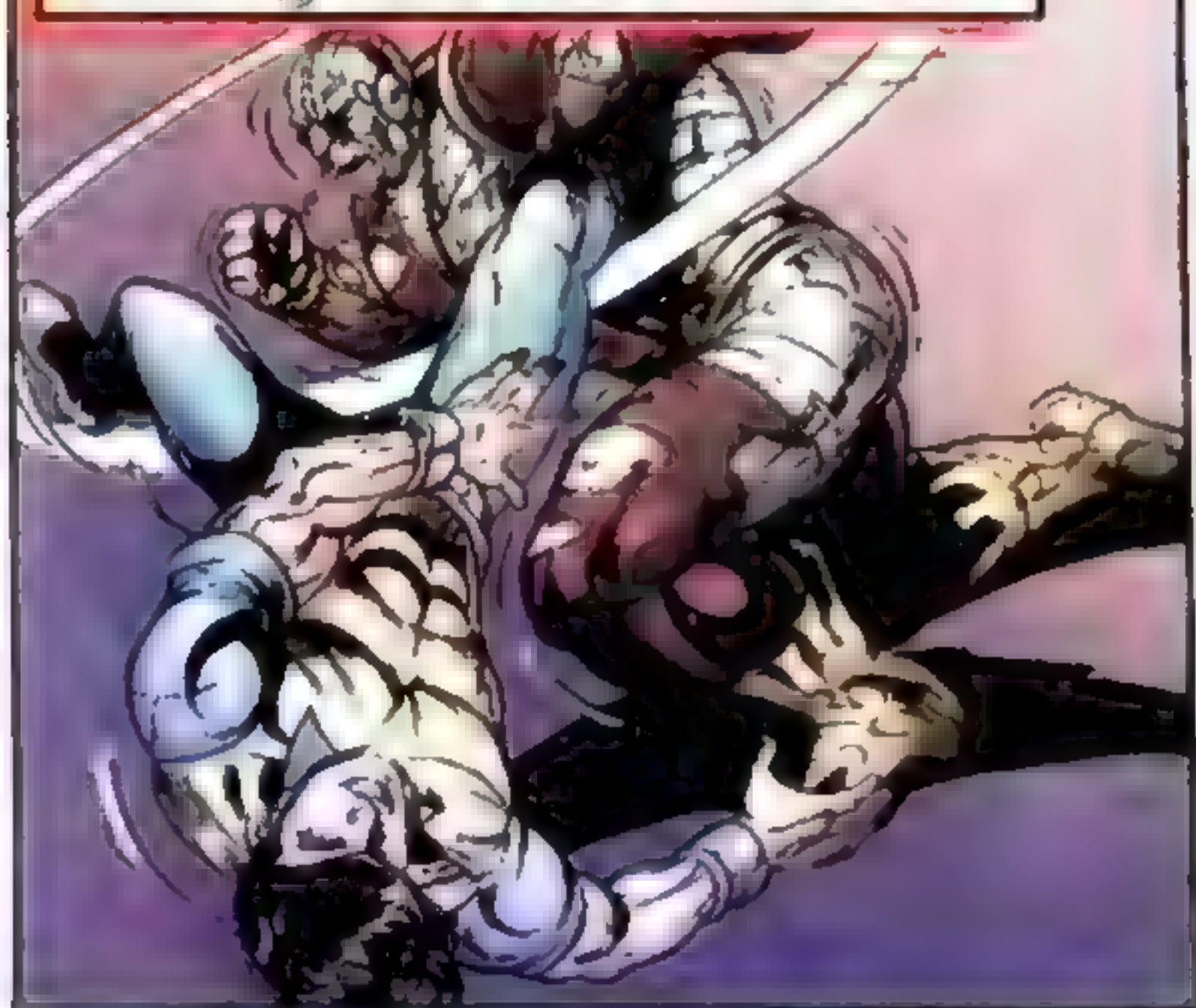
"मेरे एक विश्वास पात्र की आंखों में लेजर आई फिट करवा कर उसे रोबो के रूप में मैंने तुम्हारे सामने पेश कर दिया।"

"लेकिन अपराधियों में तुम्हारे नाम का डर दुनिया में पाए जाने वाले किसी भी डर से कहीं ऊपर होता है।"



"उसके इस डर को उसके दिल-ओ-दिमाग से निकालने के लिए और तुम्हारी मार खा कर वह सच्चाई न उगल दे इसलिए मैं उसे पॉवरफुल ड्रग का कैप्सूल दे चुका था जो उसका शरीर और उसकी ताकत दोनों कई गुना बढ़ा देता!"

"इससे कुछ खास फायदा नहीं होना था लेकिन मुझे अपनी योजना को अंजाम तक पहुंचाने का समय मिल जाता!"



"योजना का अगला चरण था मेरी और तुम्हारी झूठी मौत!"

"अल्बर्ट ने एक कम प्रभाव वाले रॉकेट से तुम पर हमला किया जो कि तुम्हारे लिए जानलेवा साबित नहीं होता!"



"लेकिन वह वह कोई आम रॉकेट नहीं था।"



"रॉकेट में एक स्वास टूब की गैस भरी हुई थी जो एक निश्चित समय के लिए अपनी चपेट में आने वाले के दिल की धड़कनों को लगभग शून्य कर देती है!"

"इंसान मरता तो नहीं है लेकिन कोई भी मेडिकल चैकअप उसके जीवित होने की पुष्टि नहीं कर सकता!"

"इस सारे ड्रामे में जो किरदार मेरा डाला हुआ नहीं था वह थी नताशा!"

"नताशा के होते मैं जो चाहता था उसे कर पाना आसान नहीं था! मुझे नताशा को मनाना पड़ता!"

"लेकिन उसकी जरूरत नहीं पड़ी!"

"तुम्हारे पहले से ही घायल शरीर और नकली रोबो पर उस गैस ने तत्काल प्रभाव डाला!"

"लेकिन नताशा उस गैस के प्रभाव में ना आए इसके लिए मैंने उसे बचाने के लिए एंटीडोट का इंजेक्शन लगवा दिया था!"

"सारे चैकअप्स और टेस्ट्स के बाद तुम्हें और मुझे मृत घोषित कर दिया गया!"

"उसके बाद सिर्फ एक ही काम बाकी था! तुम्हारी बाँडी को एक नकली डेड बाँडी से बदलना! वह काम भी बिना व्यवधान के कर लिया गया!"

"दुनिया की नजरों में तुम बाकई में मारे जा चुके थे!"





“और साथ ही मैं भी!”

“अपने कुछ विश्वासपात्रों और साइंटिस्ट्स की टीम ले कर मैं पूरी तरह अंडरग्राउंड हो गया!”

“प्लान के पहले सफल चरण के बाद दूसरे चरण में मेरे हाथ लगी सिर्फ असफलता!”

“मेरे साइंटिस्ट्स को यकीन था कि वे तुम्हारे दिमाग से हमारी जरूरत की जानकारी निकालने में कामयाब हो जाएंगे।”



“बेहिसाब टॉचर, माइंड कण्ट्रोल थेरेपी और ड्रग ट्रीटमेंट भी तुम्हारी इच्छा-शक्ति के आगे नाकारा साबित हुए!”

“इस बीच तुमने वहां से भागने की कई कोशिशें भी कीं, लेकिन नाकाम रहे।”



“प्लान में कुछ बदलाव किए गए!”

“हमने तुम्हारा क्लोन बना कर उसे तुम्हारी जगह राजनगर भेजने का फैसला किया!”

“मेरा नाम लेकर अपनी झूठी मौत की एक और झूठी कहानी बना कर मेरे द्वारा बनाए गए ध्रुव को राजनगर में तुम्हारी जगह स्थापित होने में कोई दिक्कत नहीं आती!”

“लेकिन यह तब संभव हो पाता जबकि तुम्हारा क्लोन हर मायने में तुम्हारे बराबर होता!”

“लेकिन तुम्हारा क्लोन सिर्फ दिखने में तुम्हारे सामान था, उसकी बुद्धि किसी नवजात शिशु की ही तरह थी।”



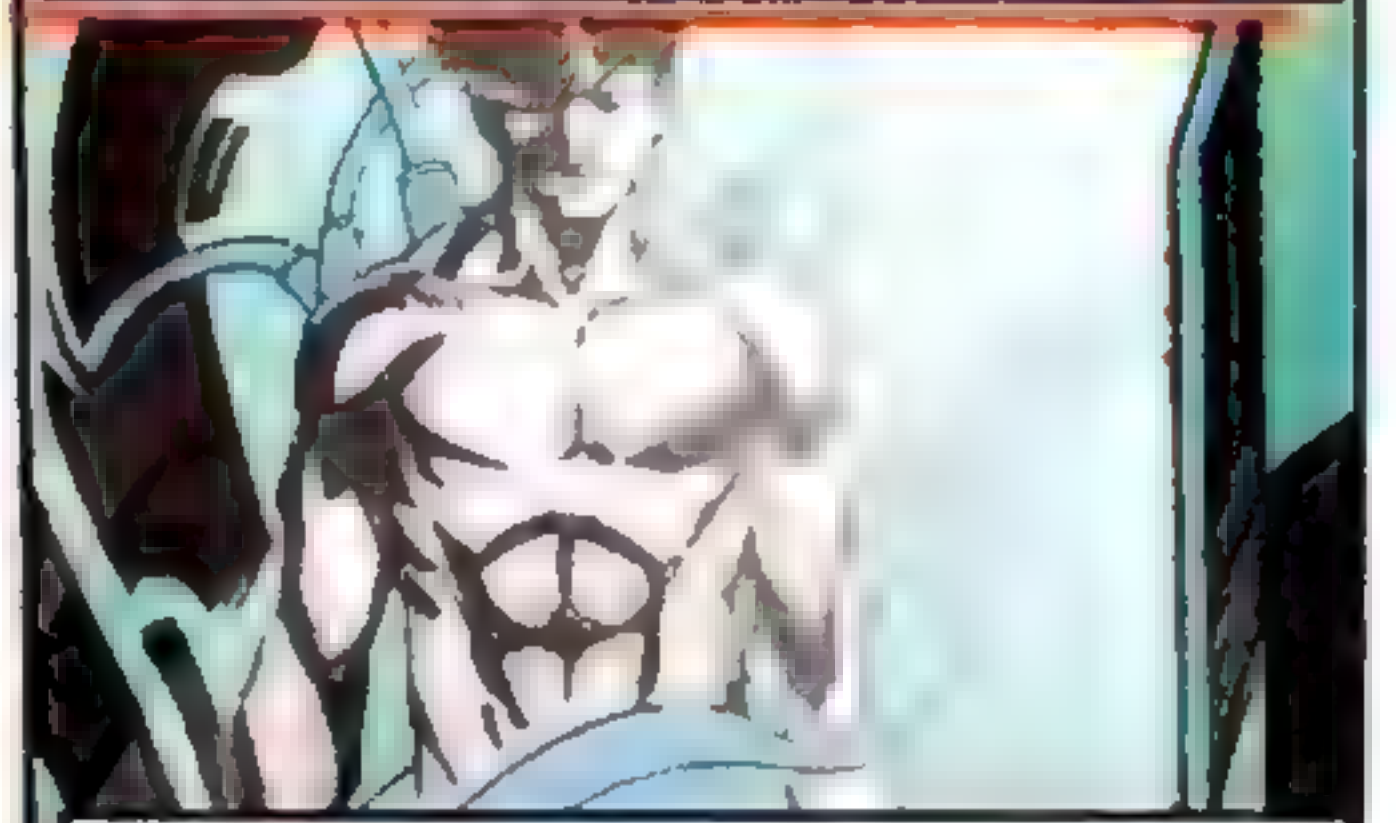
"क्लोनिंग मशीन तुम्हारा क्लोन तो बना रही थी लेकिन तुम्हारे जैसा तेज दिमाग, सूझ-बूझ, फुर्ती यह सारी खूबियां उनमें नदारद थीं! वजह थी तुम्हारी मेमोरी जो उन क्लोन्स में नहीं थी!"

"तब कई असफल कोशिशों के बाद आखिरकार हम तुम्हारे ऐसे क्लोन को बनाने में सफल हुए जिसके दिमाग में तुम्हारी कुछ मेमोरी भी मौजूद थी।"



"उन्हें ट्रेन करने में सालों लग जाते, लेकिन इतना समय मेरे पास नहीं था!"

"हर सोची हुई चाल उलटी दिशा में जा रही थी!"



"इस क्लोन को हमारे मुताबिक ट्रेन करना शायद हमारे लिए आसान होता, लेकिन उसे काबू करना उतना आसन साबित नहीं हुआ जितना सोचा था।"



उस पर तुम्हारी तात्कालीन मेमोरी हावी थी!"

"उसने भी तुम्हारी ही तरह विरोध करना शुरू कर दिया।"

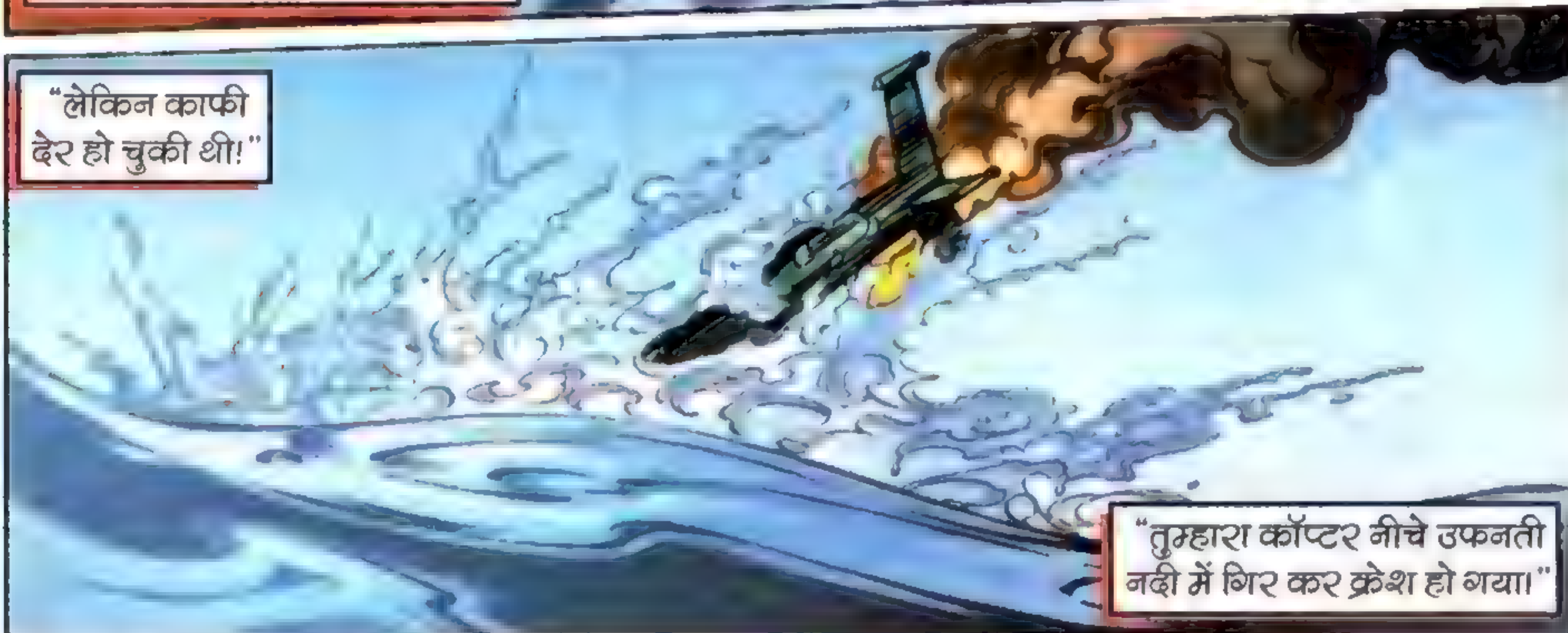
"तब उसे काबू करने के लिए भी तुम्हें दिए जा रहे ट्रीटमेंट का सहारा लिया गया।"



"लेकिन इससे पहले कि हमें इच्छित सफलता प्राप्त होती तुम हमारी कैद से आजाद हो गए।"

"और मेरी एक मात्र क्लोनिंग मशीन को नष्ट कर मेरा ही हेलिकॉप्टर ले कर अपने क्लोन के साथ मेरे गुप्त अड्डे से भाग गए।"







"मेयर के परिवार को अपने कब्जे में लेकर कमांडो फोर्स को बैन कर उसकी जगह पर नई लॉ एन्फोर्समेंट और पीस कीपिंग एजेंसी कमांडर फोर्स फॉर्म करने के लिए मैं उसे पहले ही मजबूर कर चुका था!"



"उसके नेतृत्व की कमान सौंपी गई नताशा को! कमांडर आर्मी को पुलिस के ही सामान अधिकार प्राप्त थे!"

"लेकिन सारा काम बिना किसी रुकावट या व्यवधान के पूरा हो जाए ऐसा संभव ही नहीं है।"

"राजनगर का दूसरा रक्षक फर्ज की मशीन इंस्पेक्टर स्टील कमांडर फोर्स को पुलिस के समान अधिकार देने के खिलाफ था! आगे चल कर वह मेरे लिए मुसिबत बन सकता था।"

"लेकिन जब शहर का मेयर मुझी में हो तो किसी इमानदार पुलिस ऑफिसर को रास्ते से हटाना कोई मुश्किल काम नहीं होता।"

"तब मेयर से मुझे मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन के बारे में पता चला लेकिन वह जगह मेयर की पहुंच से भी परे थी।"



"कमांडर आर्मी में मौजूद मेरे आदमियों के द्वारा मैंने उस जगह का पता लगाने की कोशिश की जहां मुझे मेरे मतलब की चीज मतलब यह प्राणी मिल सकता था! लेकिन वे नाकाम रहे।"

"इससे पहले की मैं कुछ और कर पाता एक समस्या और खड़ी हो गई। मेरे चुनिन्दा विश्वासपात्रों में से एक बागी निकला उसने मेरे प्रतिद्वंदी को मेरे जिंदा होने खबर कर दी।"

"उसने अपने पूरे गैंग के साथ मुझ पर हमला कर दिया, मेरी आधी आर्मी उस हमले में मारी गई।"

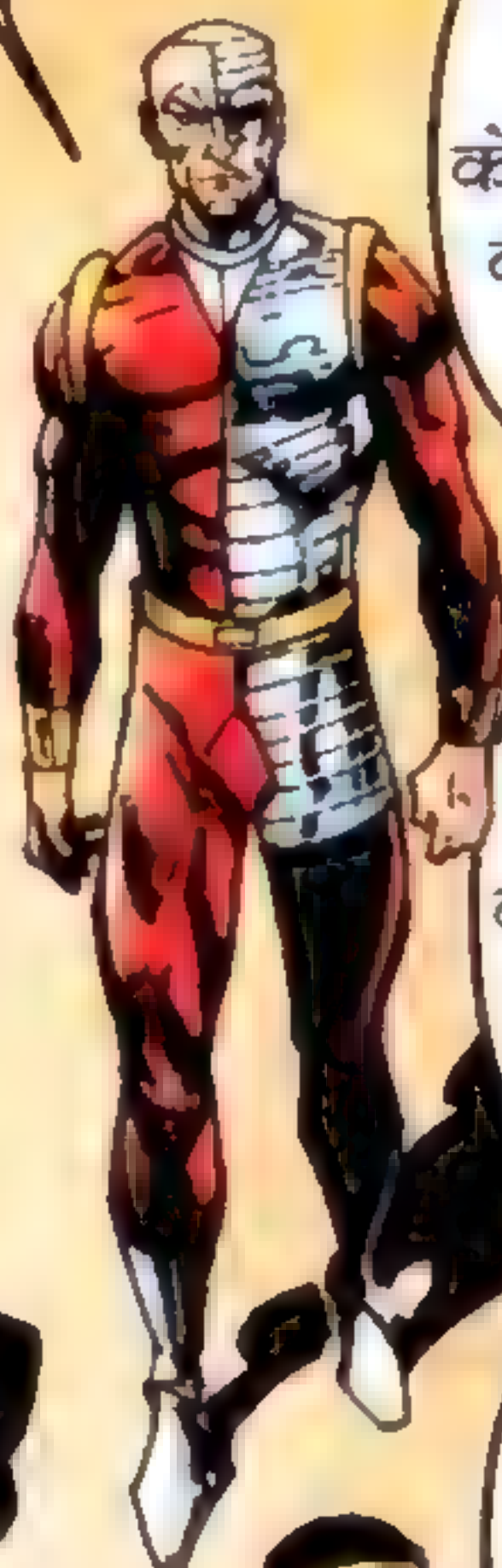
"अपने मकसद में कामयाब होने से पहले मैं कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता था। बाकि बची आर्मी को अपने प्रतिद्वंदी और उसके गैंग के साथ मैंने खुद ब्लास्ट में उड़ा दिया।"



"लेकिन ऐसा करने से मैं बिलकुल अकेला पड़ गया।"



तब मैंने मास्टर एम का रूप धरकर हाथ मिलाया सुप्रिमो से! उसका विश्वास जीतने के लिए मैंने उसके एक न्यूक्लियर प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए कम दाम पर युरेनियम मुहैया करवाने के लिए एमस्टर्डेम में अपने जानकारी से सौदा करवाया।



उसी के साथ मिलकर मैंने नारका जेल के कैदियों को फरार करवाकर नारका जेल को नष्ट करवाया।

नारका जेल के नष्ट होने के बाद नारका जेल का एकमात्र विकल्प मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन ही हो सकता था।

और जैसा मैंने सोचा था वैसा ही हुआ! आखिरकार मैं अपनी मंजिल के करीब पहुंच ही गया!

मंजिल के करीब पहुंचने का यह मतलब नहीं...



...कि मंजिल हासिल हो ही जाए, मिस्टर रॉबर्ट शीन उर्फ ग्रैण्ड मास्टर रोबो! यू आर अंडर अरेस्ट!

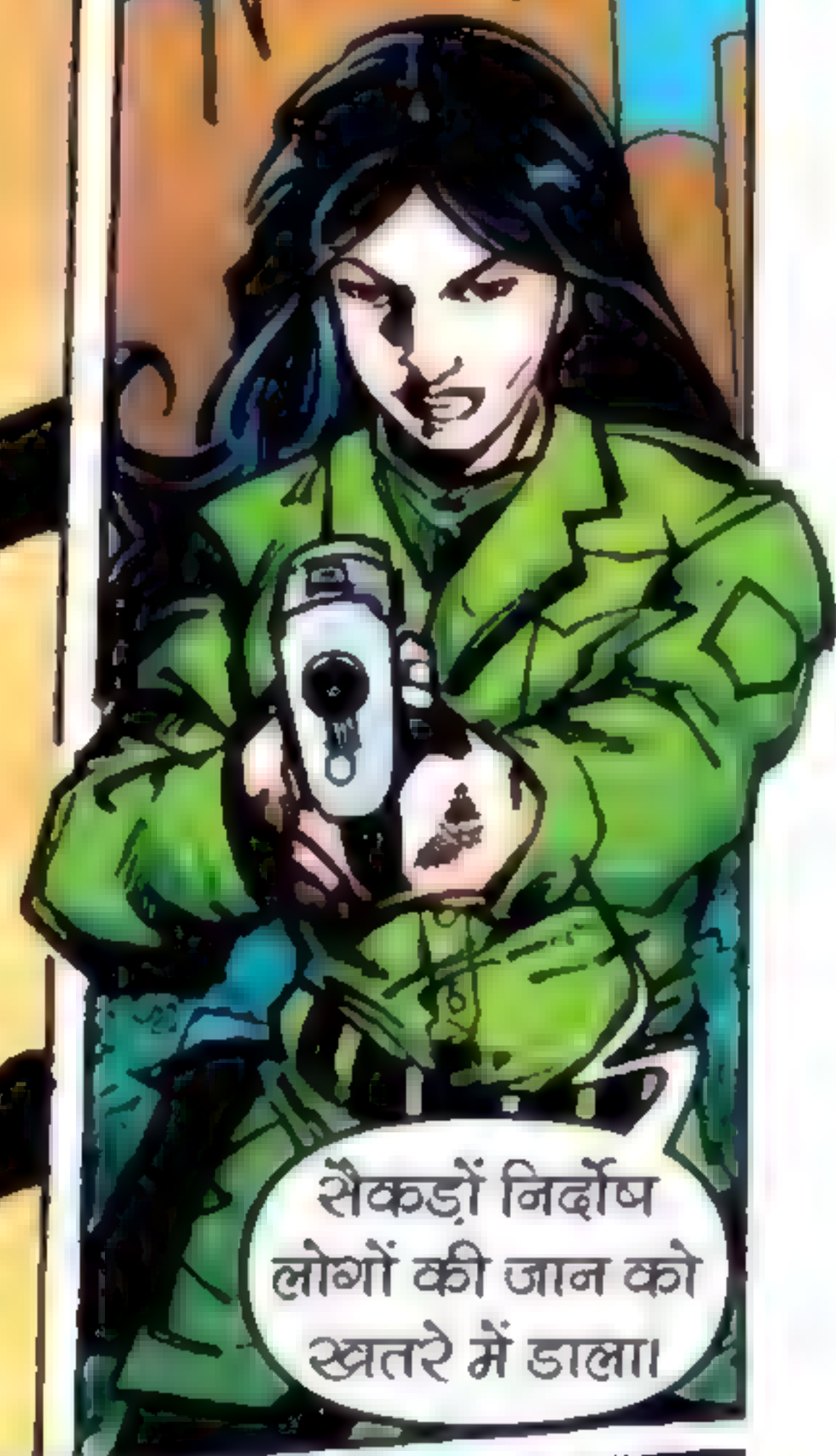
नताशा!

तुम मुझ पर गन ताने खड़ी हो नताशा! अपने ही पिता पर?



मेरे डैड एक दुर्घटना में मारे जा चुके हैं।

मेरे सामने इस वक्त वह वांटेड क्रिमिनल ग्रैण्ड मास्टर रोबो खड़ा है। जिसने अपना मकसद हल करने के लिए अपनी बेटी को सीढ़ी के तौर पर इस्तेमाल किया!



सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डाला।

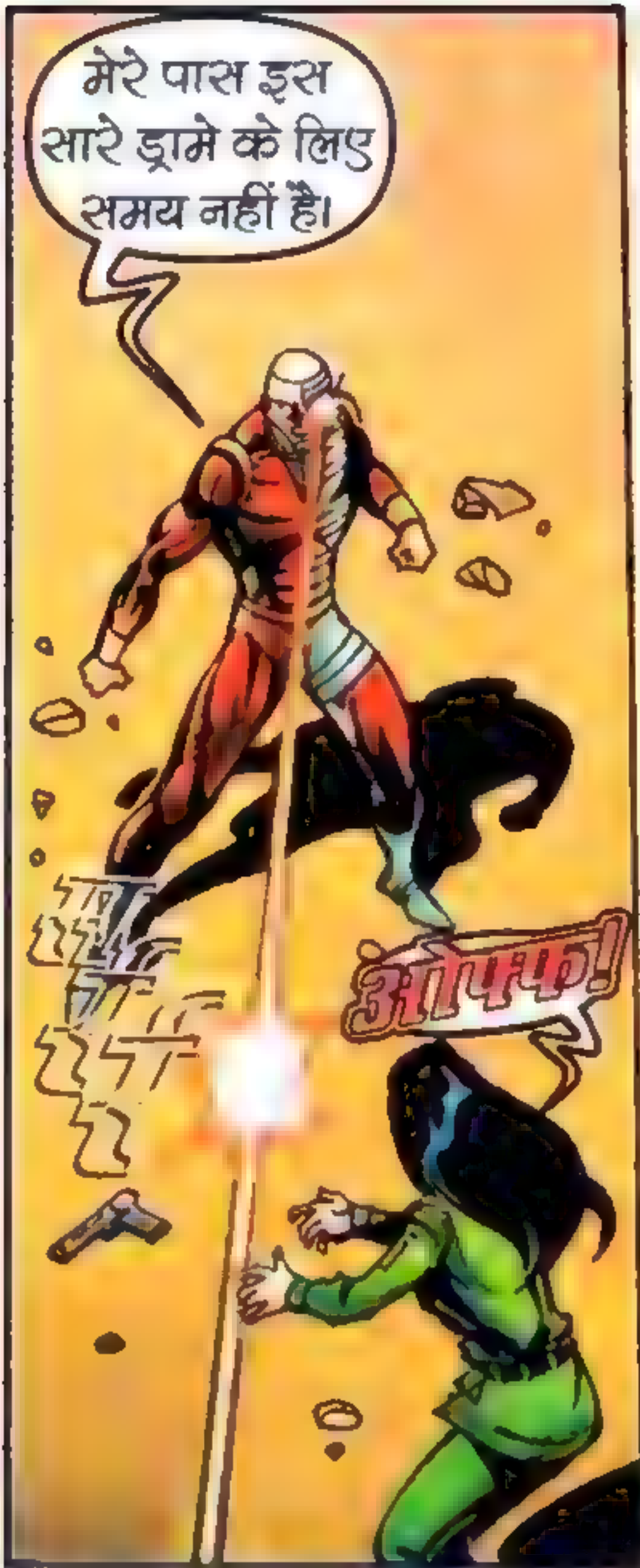
जानती हो नताशा मैं कभी तुम्हें रोबो एम्पायर के उत्तराधिकारी के रूप में क्यों नहीं देख सका?

तुम्हारी इसी कमजोरी की वजह से! तुम भावनाओं में बहुत जल्दी बह जाती हो।

पर खैर!...







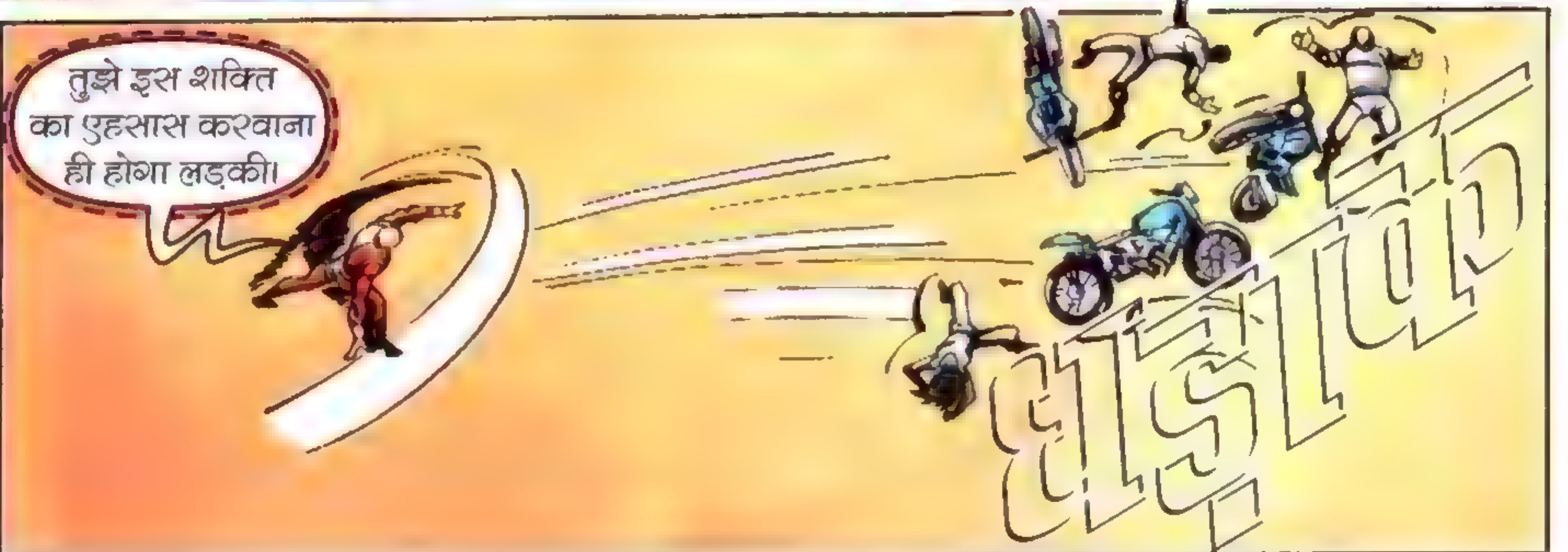
















अद्भुत!  
अद्भुत है यह  
शक्ति! मैं इस  
शक्ति से कुछ भी  
कर सकता हूँ!  
कुछ भी!

इस शक्ति ने तो जैसे  
मेरी सारी समस्याओं को समा-  
धान एक साथ ही कर दिया।



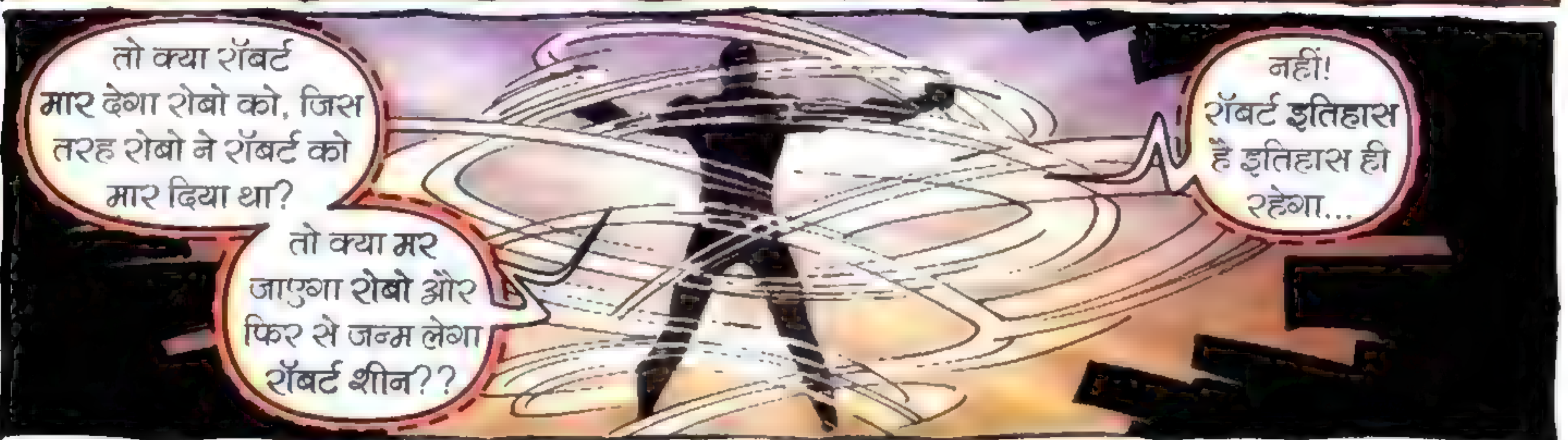
मैं चाहूँ तो अपना अधूरा शरीर  
पूरी तरह पा सकता हूँ!

अपने मशीनी  
अंगों को त्याग कर ब्रैण्ड  
मास्टर रोबो से पुनः रॉबर्ट  
शीन बन जाऊँ!

लेकिन रॉबर्ट शीन  
को तो मैं बहुत पीछे छोड़  
आया हूँ! रॉबर्ट शीन का कोई  
अस्तित्व नहीं है! अस्तित्व में  
जो है वह रोबो है!

रोबो के ही नाम  
का रुतबा है! ख़ौफ है!  
और रॉबर्ट उस नाम को, उस  
रुतबे को हमेशा के लिए  
ख़त्म कर देगा!

अंडरवर्ल्ड का  
बेताज बादशाह रोबो  
है। रॉबर्ट नहीं।



तो क्या रॉबर्ट  
मार देगा रोबो को, जिस  
तरह रोबो ने रॉबर्ट को  
मार दिया था?

तो क्या मर  
जाएगा रोबो और  
फिर से जन्म लेगा  
रॉबर्ट शीन??

नहीं!  
रॉबर्ट इतिहास  
है इतिहास ही  
रहेगा...



वर्तमान रोबो है  
और भविष्य भी रोबो  
ही रहेगा!!!

यह...यह आखिर हो  
क्या रहा है? रोबो के पास  
इतनी भीषण शक्तियां  
कहां से आ गईं?

रोबो के पास ऐसी कोई  
शक्ति नहीं थी धनंजय, शायद यह  
सब उस प्राणी की शक्ति सोखने  
का नतीजा है! पयूजन!!

अगर यह शक्तियां  
इसके पास रहीं तो यह  
पूरी मानवजाति के लिए  
खतरा बन जाएगा!

हमें इसे  
रोकना होगा  
किसी भी  
तरह!

लेकिन इतनी  
भीषण शक्तियों से  
युक्त रोबो से बिना किसी  
शक्ति के टकराना  
मूर्खता होगी...

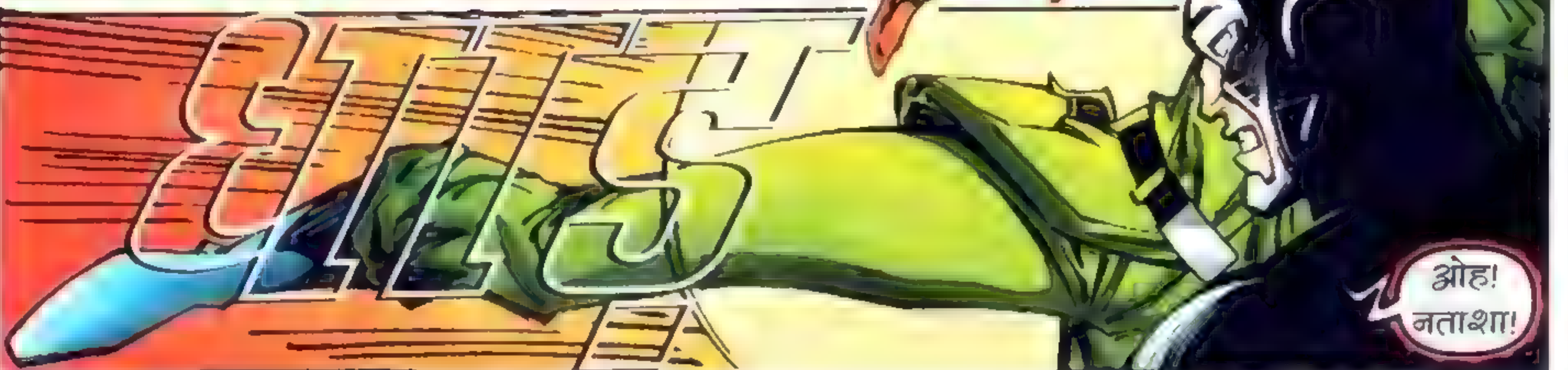
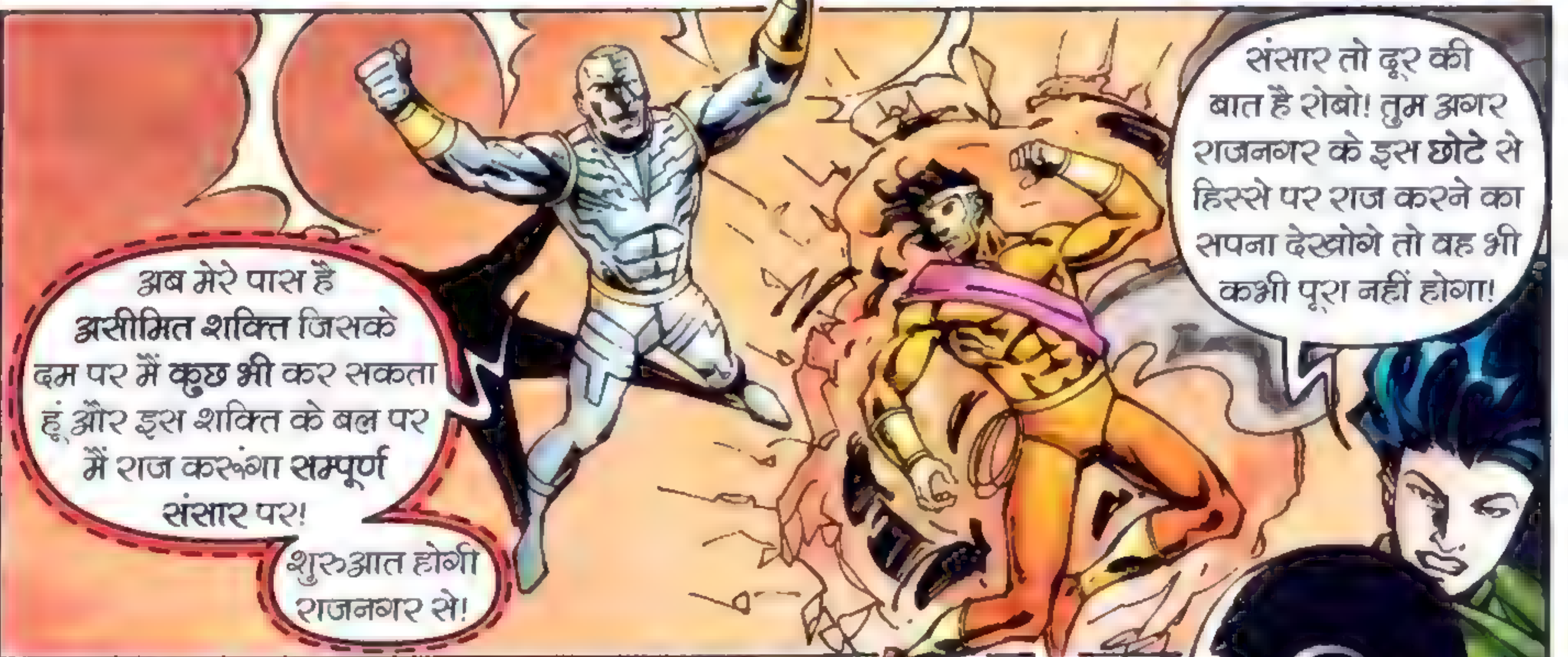
सही  
कहा!

...रोबो से वही मुकाबला कर  
सकता है जिसके पास उसी के  
सामान शक्तियां हों!

तेरे यह ऊर्जा  
प्रहार मुझे मामूली खरोंचों  
से ज्यादा कुछ भी नुकसान नहीं  
पहुंचा सकते, और वे खरोंचे  
भी कुछ ही क्षणों में भर  
जाएंगी!

जैसे मैंने अभी-अभी  
उस प्राणी की ऊर्जा ग्रहण  
की है उसी तरह मैं तेरी भी  
ऊर्जा सोख सकता हूं  
और साथ ही...







मुझे तुमसे यही उम्मीद थी नताशा! इस जंग में अपने पिता को छोड़ दुश्मन का ही साथ दोगी तुम! तुम्हें मुझमें हमेशा एक पिता कम और एक अपराधी ज्यादा नजर आया! एक पिता का अपनी बेटी के प्रति प्यार तुमने हमेशा अनदेखा किया!

लेकिन अब जो मैं करूंगा तुम उसे चाह कर भी अनदेखा नहीं कर पाओगी!



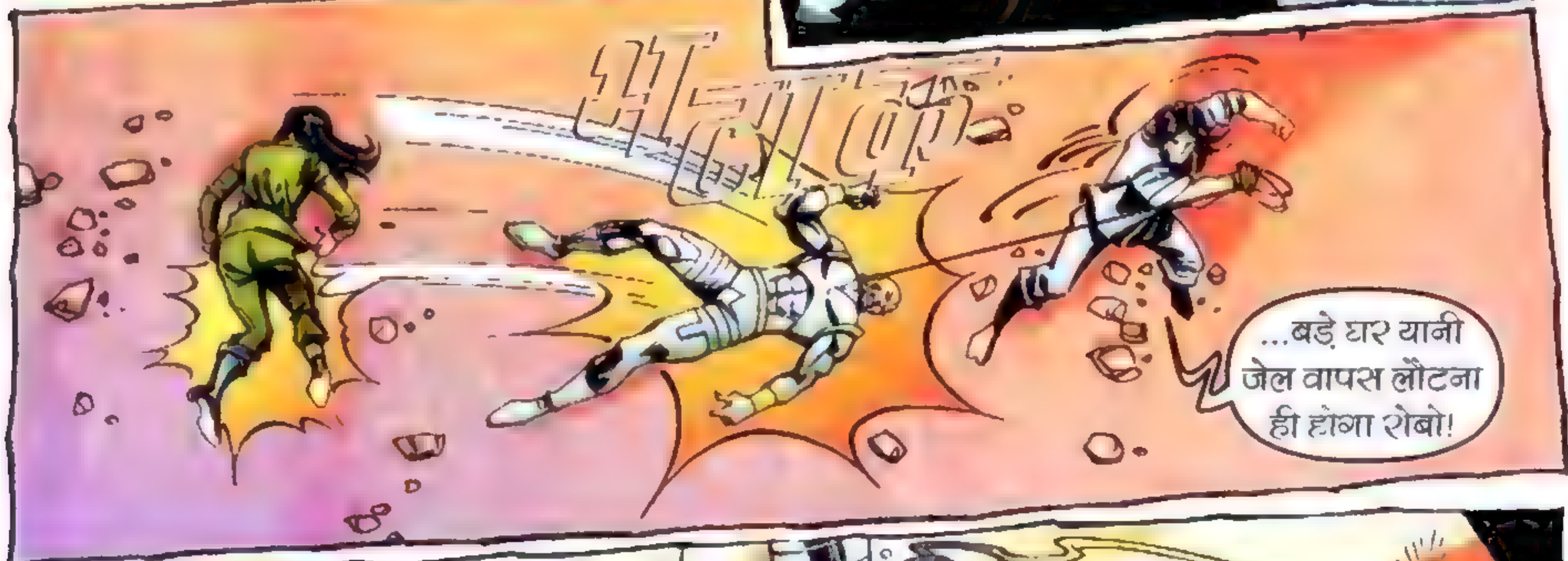
यह दुनिया तुम्हारे लिए नहीं है नताशा यह दुनिया एक फरेब है! झूठ है! एक दिखावा है! और तुम्हें इस बात को मानना होगा...

तुम्हारी सही जगह रोबो आर्मी है नताशा!



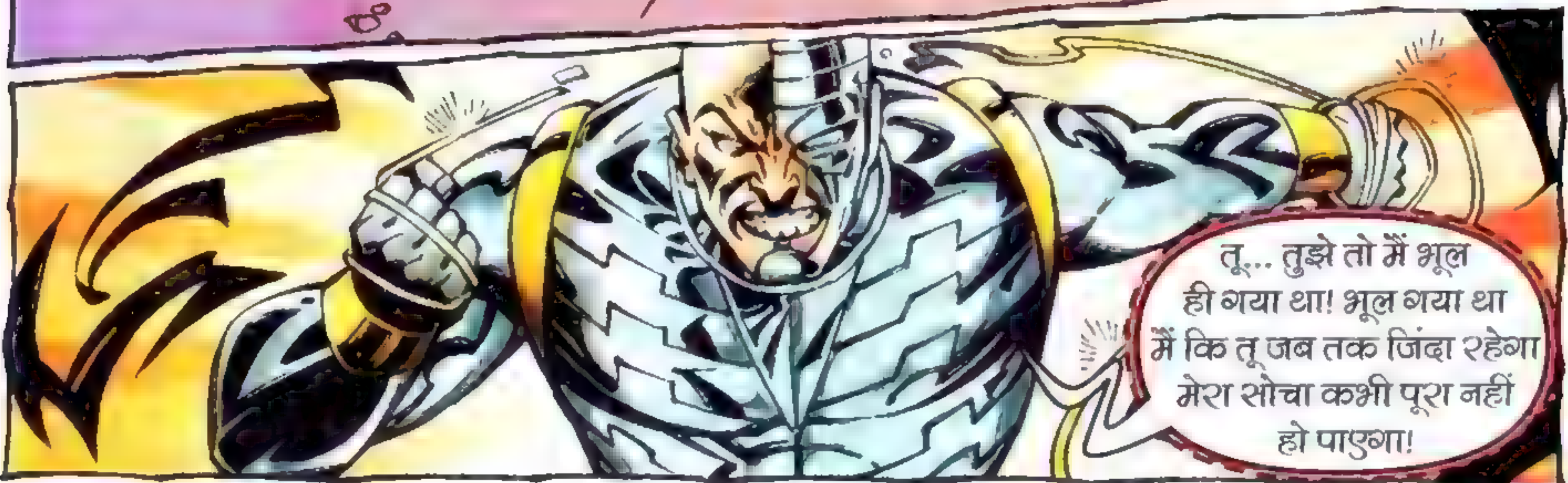
वही तुम्हारा घर है और तुम्हें अपने घर वापस आना ही होगा!

और तुम्हें भी अपने असली घर...

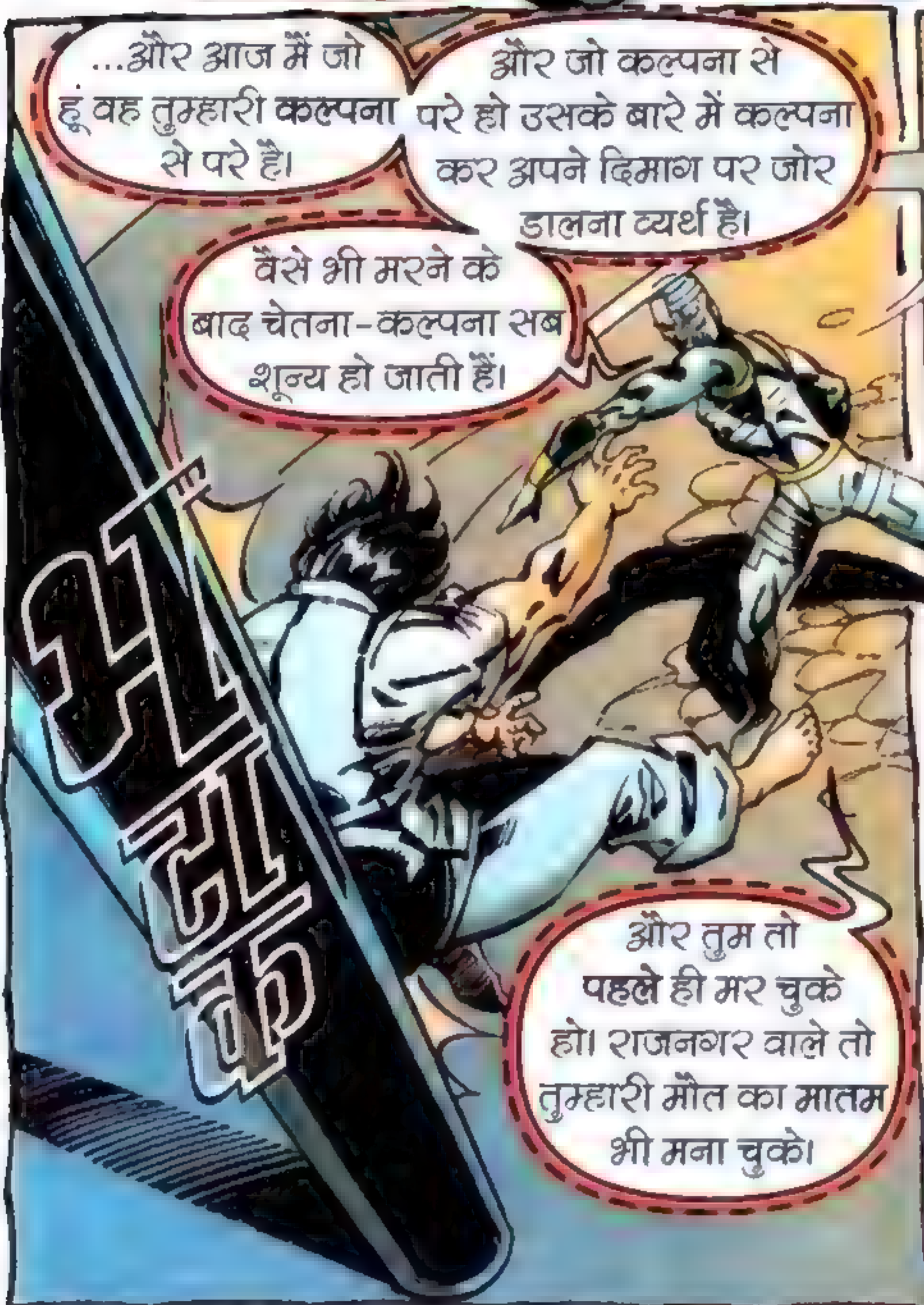
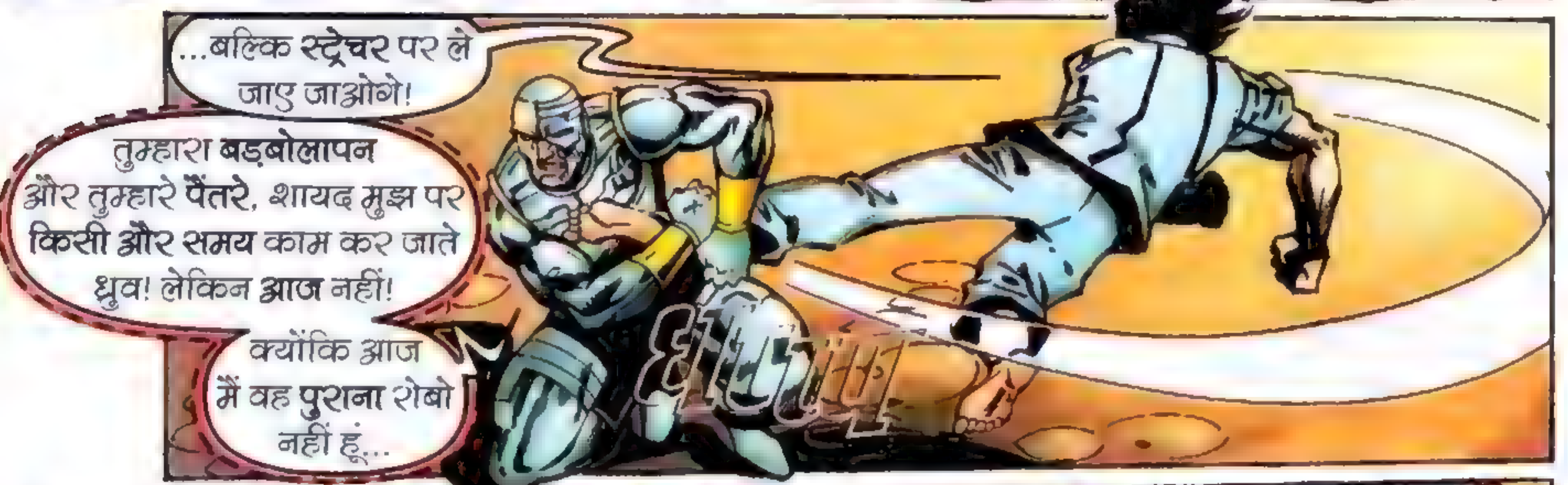


...बड़े घर यानी जेल वापस लौटना ही होगा रोबो!

तू... तुझे तो मैं भूल ही गया था! भूल गया था मैं कि तू जब तक जिंदा रहेगा मेरा सोचा कभी पूरा नहीं हो पाएगा!











तुम्हारी झूठी  
मौत को सच्चाई  
में बदल कर!



लेकिन राजनगर की जनता को  
तुम्हारे इतने बड़े बलिदान के बारे में पता  
कैसे चलेगा? वे तो तुम्हें पहचान भी नहीं  
पाएंगे? सोचेंगे की एक कैदी को अपने  
अपराधों की सजा मिल गई।

महान सुपर कमांडो  
धुव एक आम कैदी की  
मौत मारा गया?

नहीं! तुम्हें  
लोगों द्वारा पहचाने  
जाने लायक बनाना  
होगा...



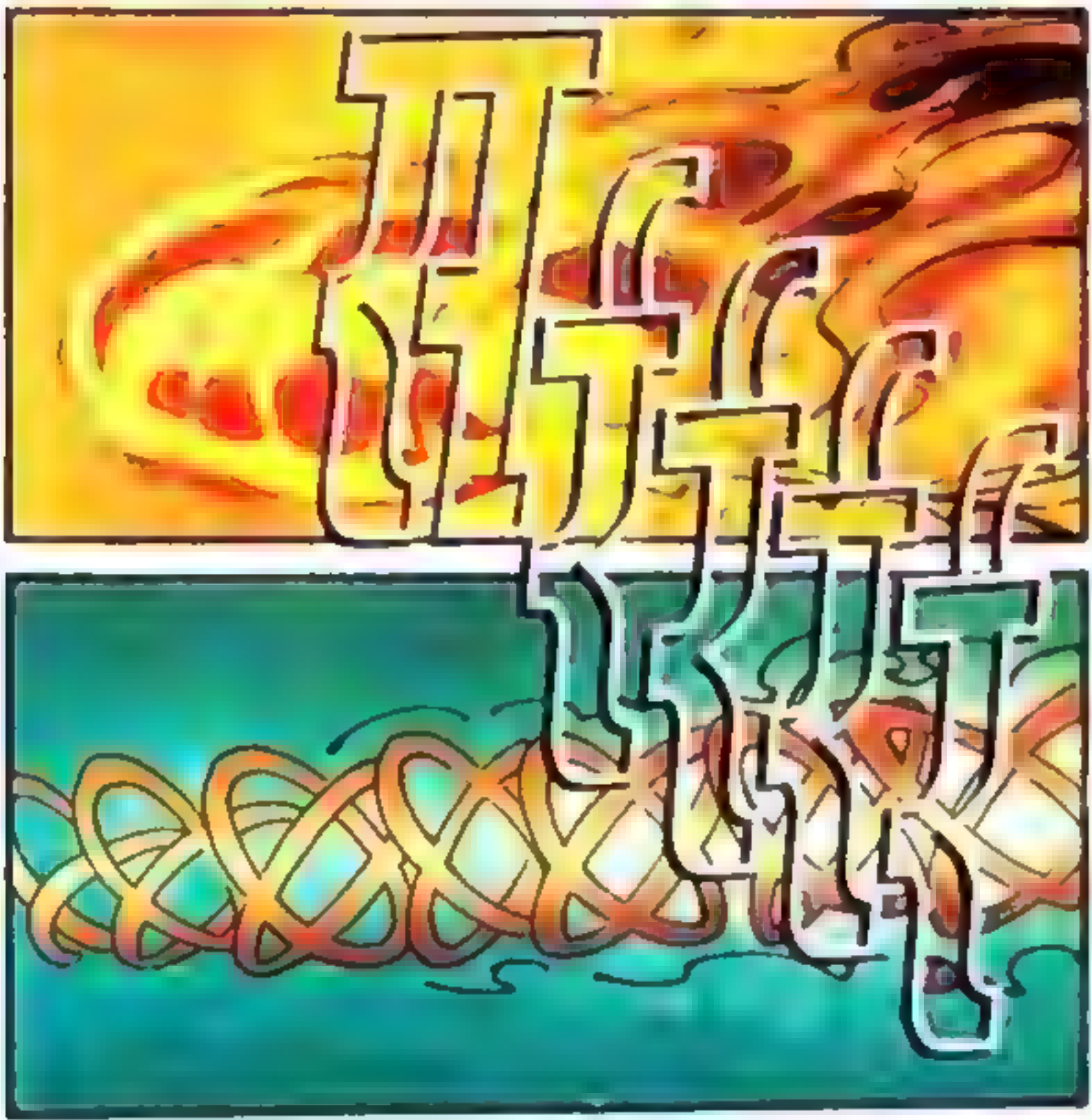
देखें, मुझे  
मिली शक्तियां इस  
चीज को संभव कर  
पाती हैं या नहीं?



वाह! कमाल  
की शक्ति है यह!  
मेरे सोचने मात्र से  
मैं कुछ भी कर  
सकता हूं!

कुछ भी!





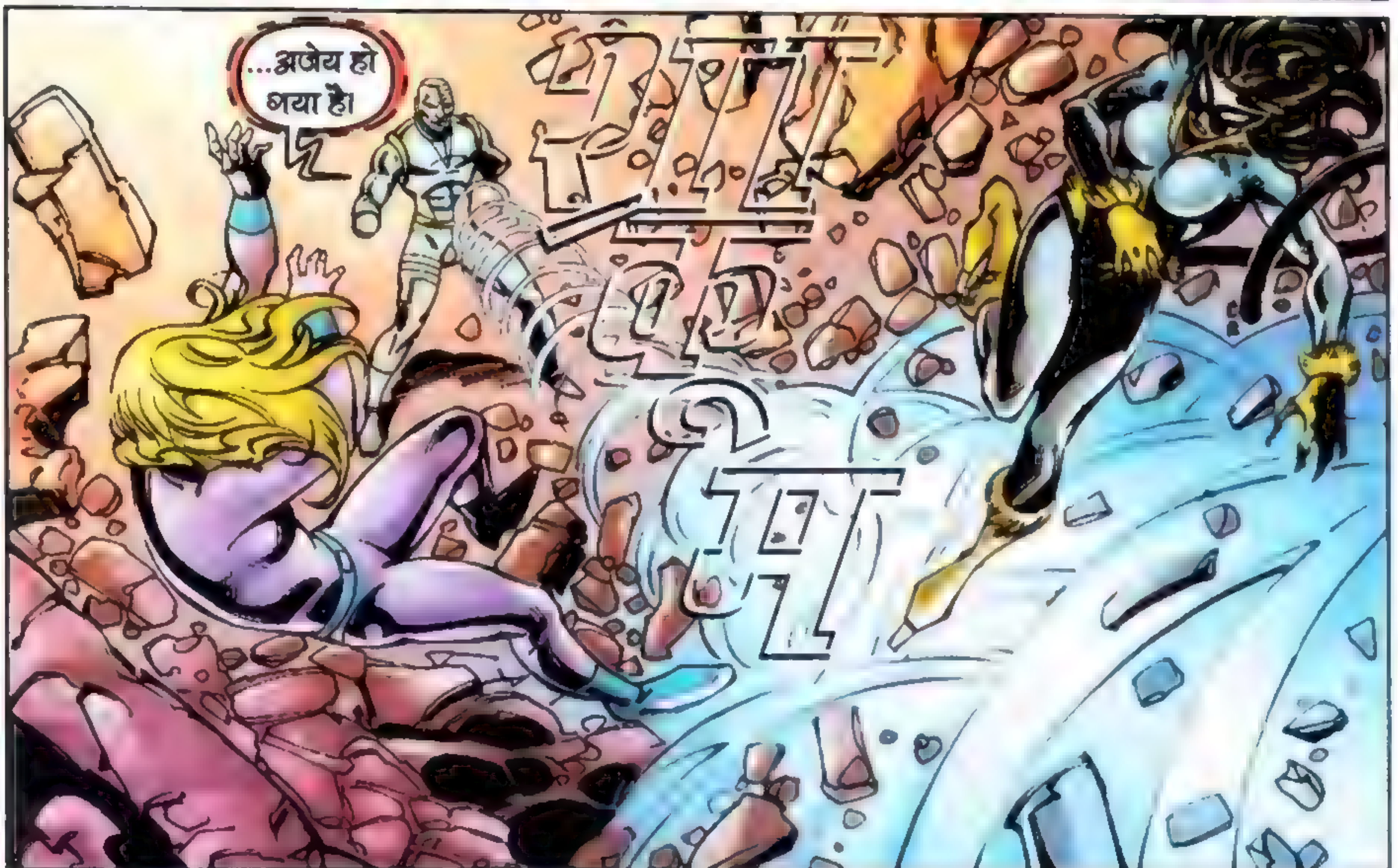












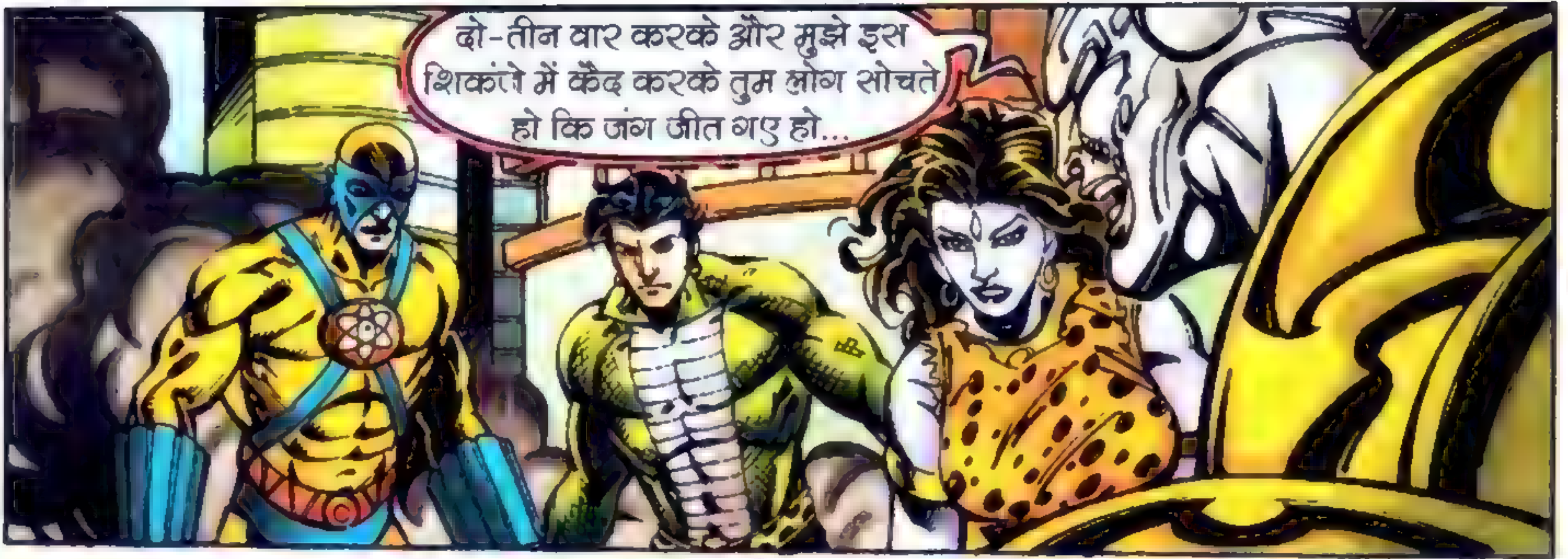




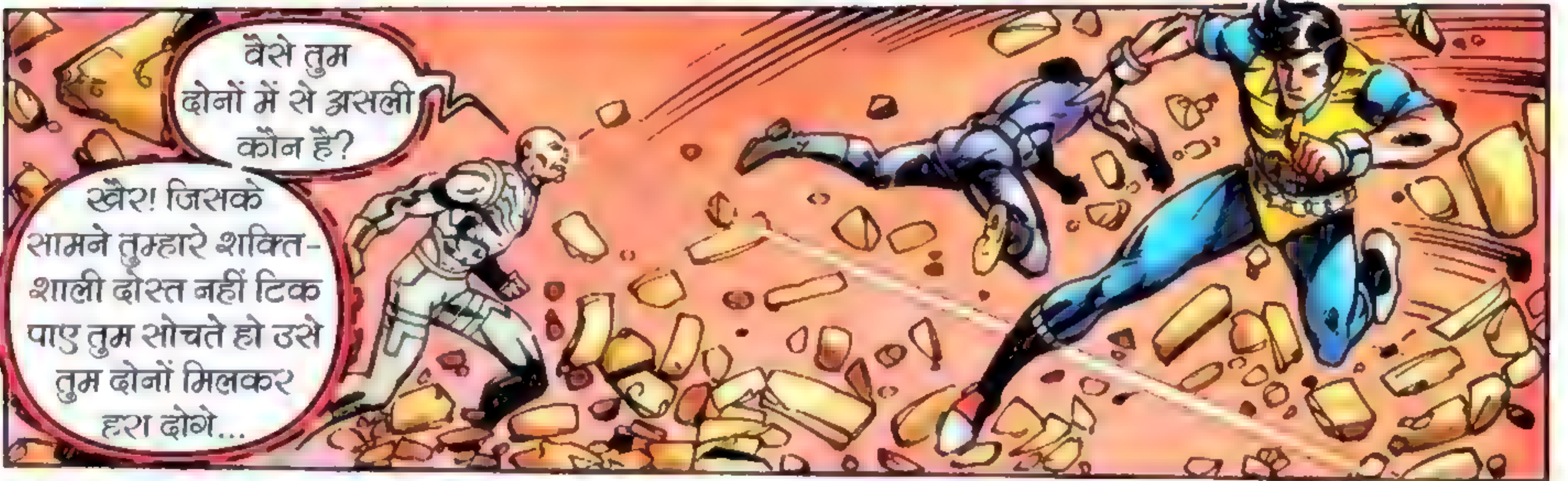










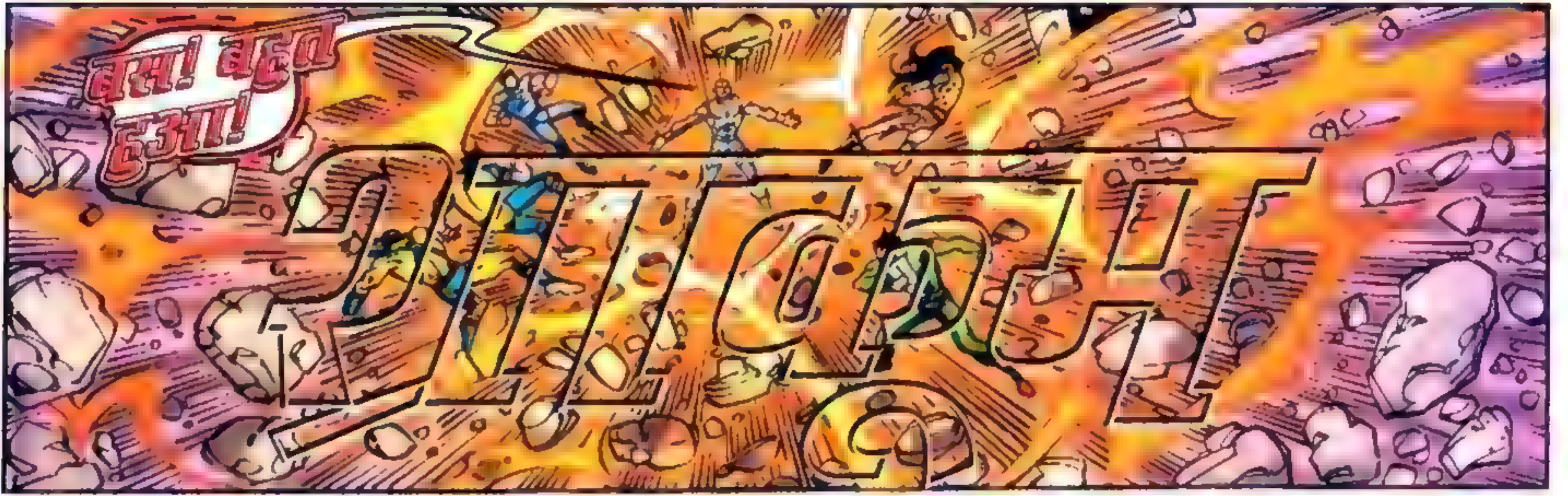




इस पर निरंतर  
वार करते रहो...  
हमारे सम्मिलित प्रयास  
से शायद हम इसे काबू  
में कर सकें।















स्टील!  
हमें तुम्हारी  
मदद की  
जरूरत है!

इस समय में  
इमरजेंसी बैकअप  
मोड पर हूँ ध्रुव!  
इस स्थिति में मैं  
कोई भी हेवी एक्टिविटी  
नहीं कर सकता।

हमें तुमसे कोई  
हेवी काम नहीं कर-  
वाना है स्टील!

किसी  
सिस्टम से  
कनेक्ट होने  
में तुम्हें  
कितना समय  
लग सकता  
है?



सिस्टम अगर एनक्रिप्टेड  
है तो समय लग सकता है!

नॉन एनक्रिप्टेड  
सिस्टम से मैं कुछ ही  
सेकेंड्स में कनेक्ट  
कर सकता हूँ!

बेरी गुड! तो  
ठीक है!

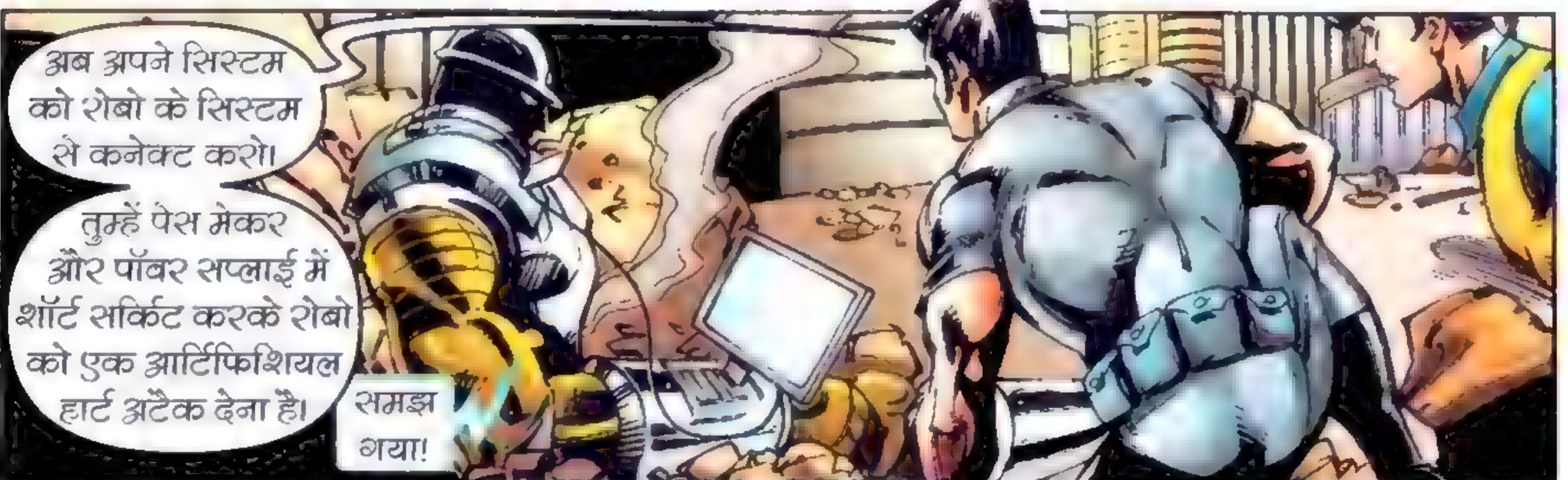
अपने सिस्टम्स  
को ऑनलाइन मोड  
पर सेट करो।



“ओ.के.! तुम्हें सबसे पहले रोबो की  
बॉडी स्कैन करके देखना है की  
रोबो की बॉडी में दिल की जगह अभी  
भी पेसमेकर लगा हुआ है या नहीं।”

“हां! मैं रोबो की बॉडी में पेस मेकर लगा  
हुआ देख पा रहा हूँ! उस पेस मेकर का  
कनेक्शन एक अन्य डिवाइस से भी है।”

“वह एनर्जी एब्जोर्बर होगा!  
शायद उसी में रोबो ने पावर  
को कन्टेन कर रखा है।”

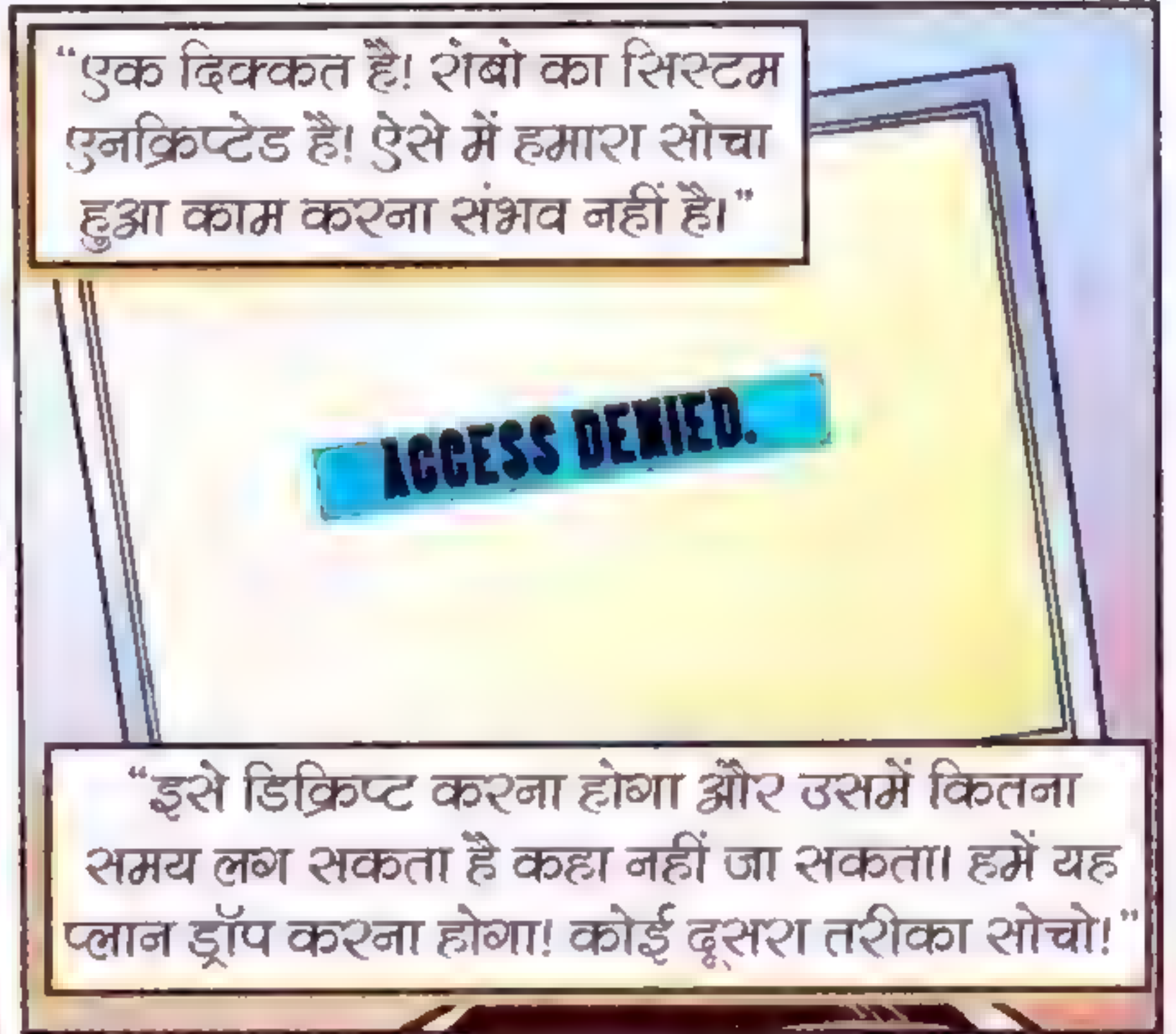
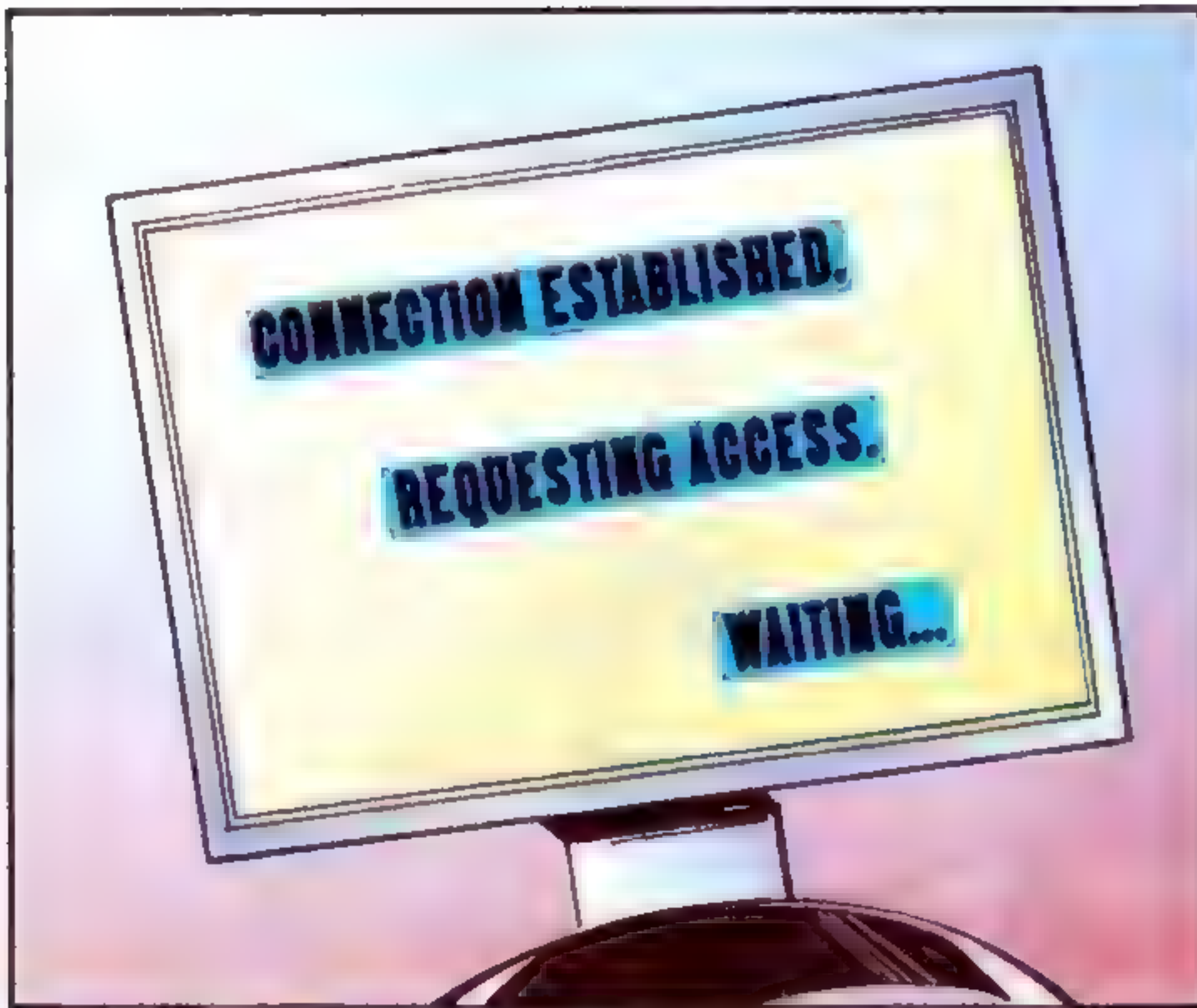


अब अपने सिस्टम  
को रोबो के सिस्टम  
से कनेक्ट करो।

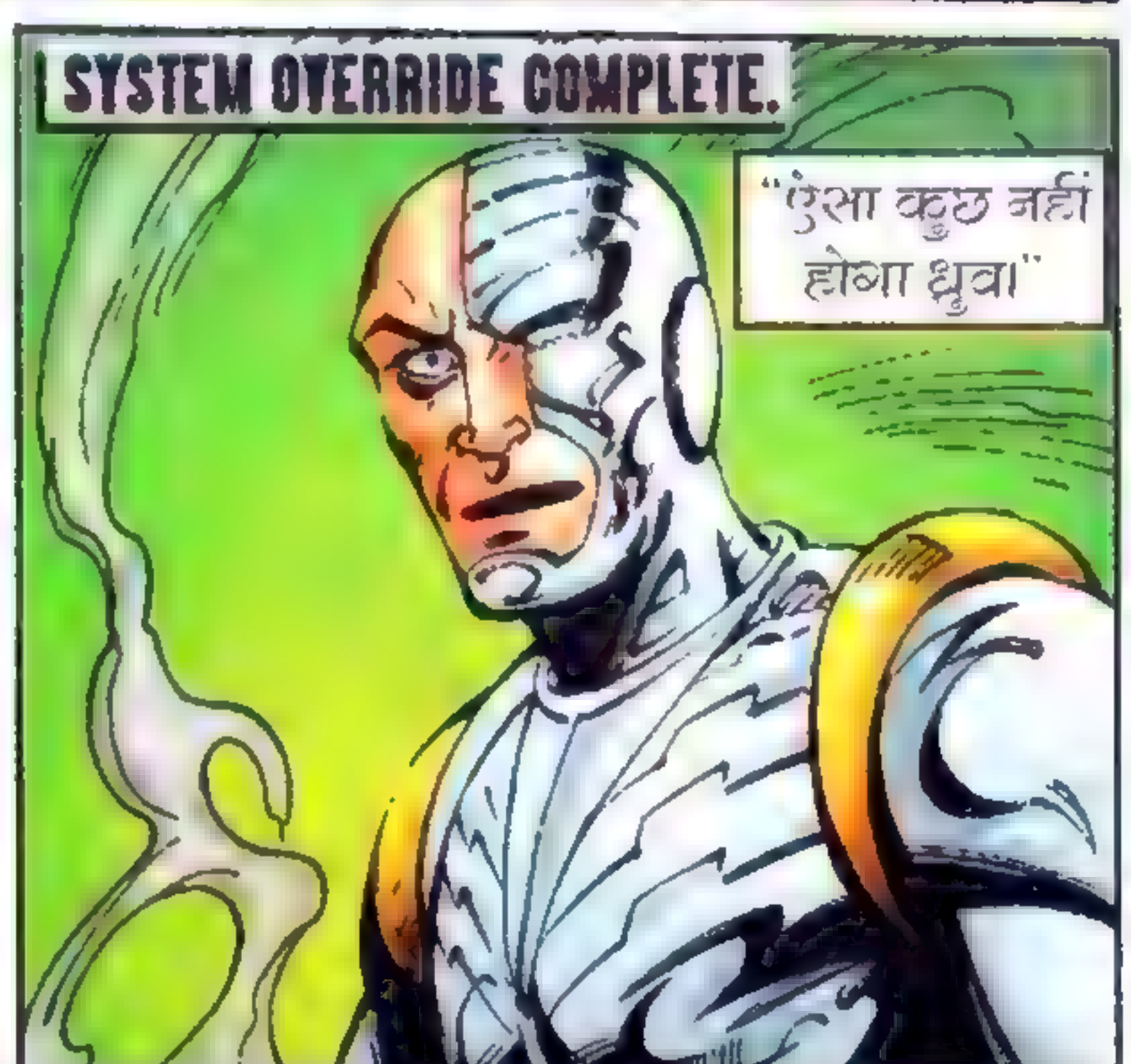
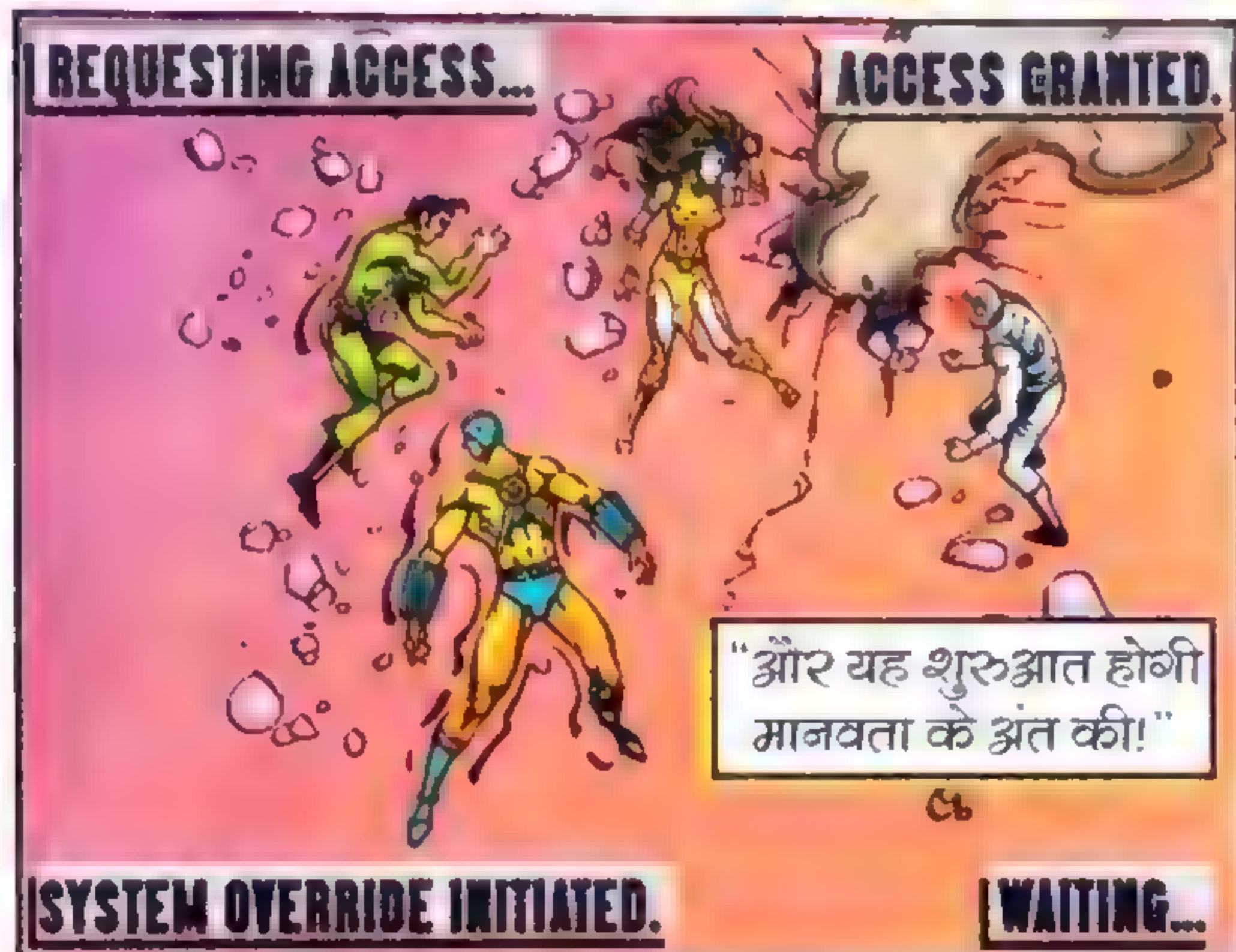
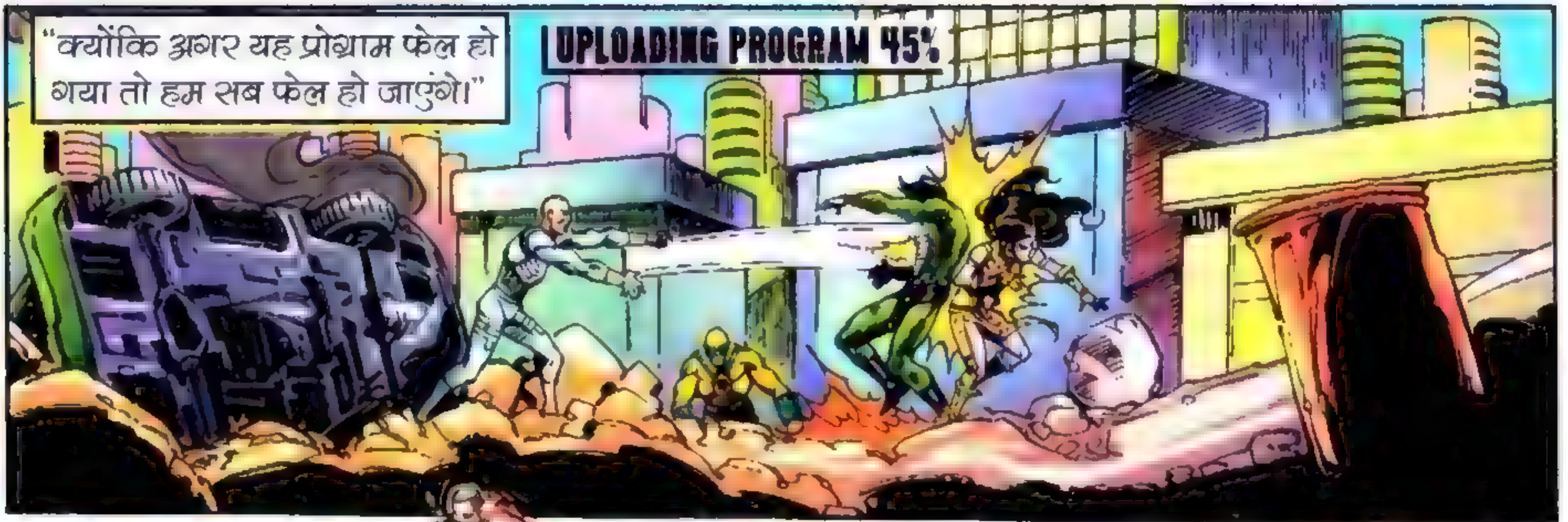
तुम्हें पेस मेकर  
और पावर सप्लाय में  
शॉर्ट सर्किट करके रोबो  
को एक आर्टिफिशियल  
हार्ट अटैक देना है।

समझ  
गया!





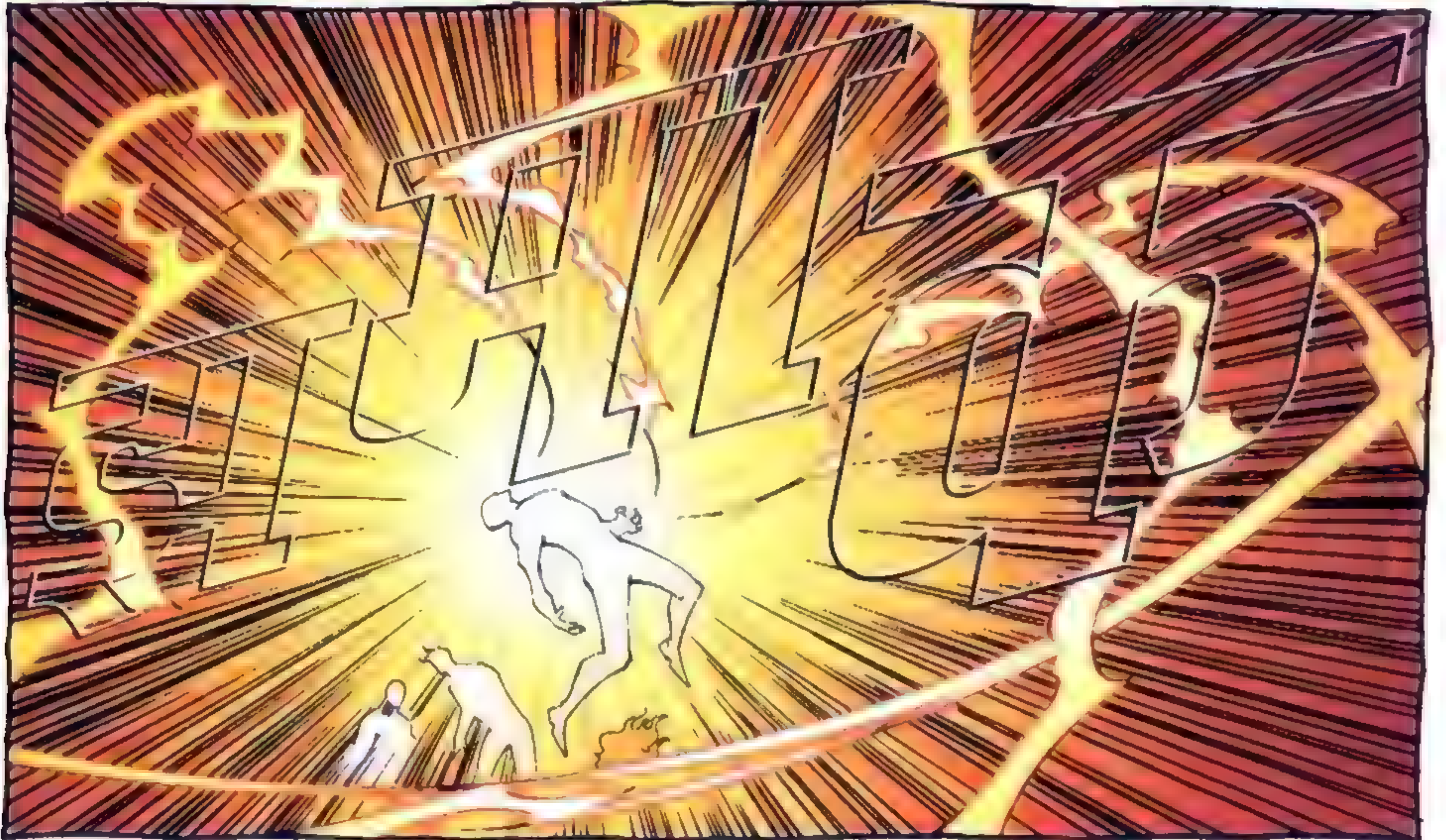




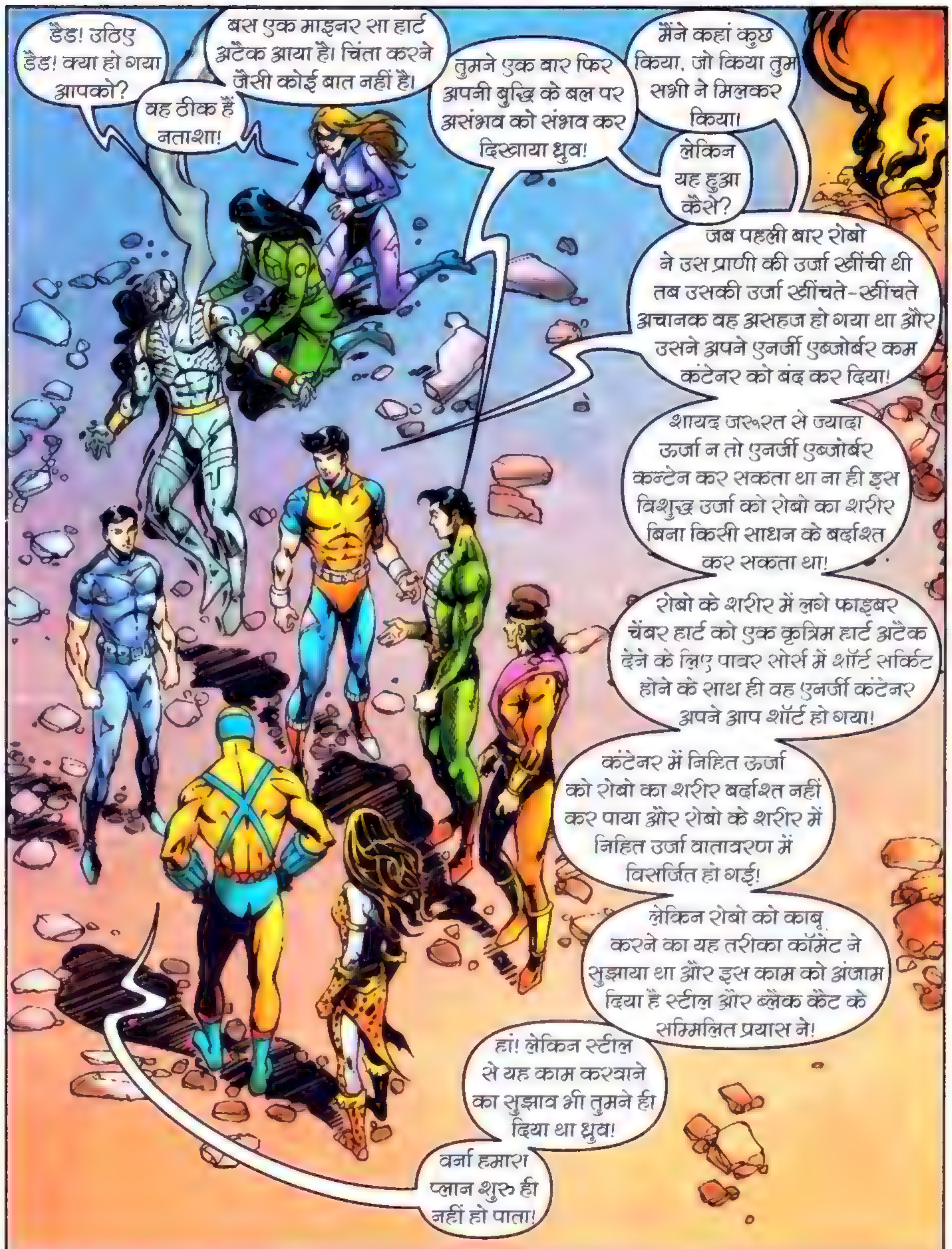












डैड! उठिए  
डैड! क्या हो गया  
आपको?

वह ठीक हैं  
नताशा!

बस एक माइनर सा हार्ट  
अटैक आया है। चिंता करने  
जैसी कोई बात नहीं है।

तुमने एक बार फिर  
अपनी बुद्धि के बल पर  
असंभव को संभव कर  
दिखाया ध्रुव!

मैंने कहां कुछ  
किया, जो किया तुम  
सभी ने मिलकर  
किया।

लेकिन  
यह हुआ  
कैसे?

जब पहली बार रोबो  
ने उस प्राणी की उर्जा खींची थी  
तब उसकी उर्जा खींचते-खींचते  
अचानक वह असहज हो गया था और  
उसने अपने एनर्जी एब्जोर्बर कम  
कंटेनर को बंद कर दिया!

शायद जरूरत से ज्यादा  
ऊर्जा न तो एनर्जी एब्जोर्बर  
कंटेनर कर सकता था ना ही इस  
विशुद्ध उर्जा को रोबो का शरीर  
बिना किसी साधन के बर्दाश्त  
कर सकता था!

रोबो के शरीर में लगे फाइबर  
चेंबर हार्ट को एक कृत्रिम हार्ट अटैक  
देने के लिए पावर सोर्स में शॉर्ट सर्किट  
होने के साथ ही वह एनर्जी कंटेनर  
अपने आप शॉर्ट हो गया!

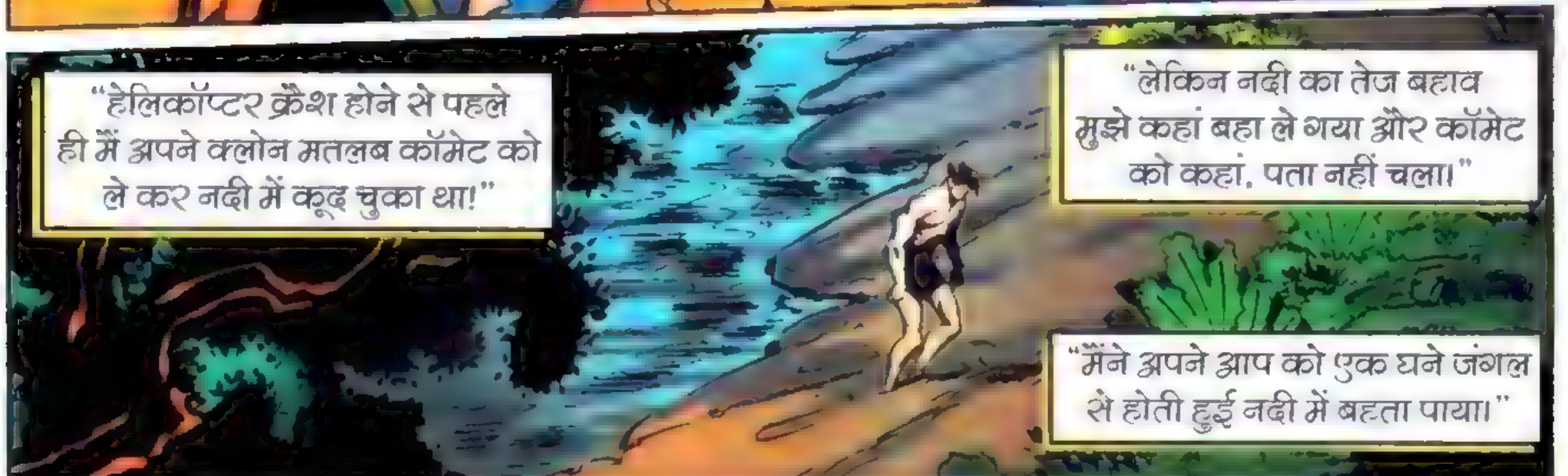
कंटेनर में निहित ऊर्जा  
को रोबो का शरीर बर्दाश्त नहीं  
कर पाया और रोबो के शरीर में  
निहित उर्जा वातावरण में  
विसर्जित हो गई!

लेकिन रोबो को काबू  
करने का यह तरीका कॉमेट ने  
सुझाया था और इस काम को अंजाम  
दिया है स्टील और ब्लैक कैट के  
सम्मिलित प्रयास ने!

हां! लेकिन स्टील  
से यह काम करवाने  
का सुझाव भी तुमने ही  
दिया था ध्रुव!

वर्ना हमारा  
प्लान शुरू ही  
नहीं हो पाता!







"वहां से बाहर निकल कर मैं राजनगर वापस जाने का रास्ता ढूंढने लगा।"

"रोबो के टॉर्चर और तमाम तरह की ड्रग्स ने मेरे दिमाग और शरीर को पहले से ही धका रखा था।"

"अपनी उसी हालत में मैं एक कार से टकरा गया।"

"मुझे होश आया तो मैंने खुद को एक हॉस्पिटल में पाया।"

"पहले से ही कमजोर मेरे दिमाग ने उस दुर्घटना में अपनी रही सही याददाश्त भी खो दी।"

"उसी हॉस्पिटल में इलाज के लिए आए कुछ अपराधियों से झड़प के चलते मुझे नारका जेल भेज दिया गया।"

"तब से मैं वहीं था! और इस ब्रेक-आउट में एक बिल्डिंग में लगी आग के हादसे के वक्त होश में आया।"

"बाकि की कहानी का हिस्सा तुम लोग भी हो तो वह बताने की जरूरत नहीं है।"





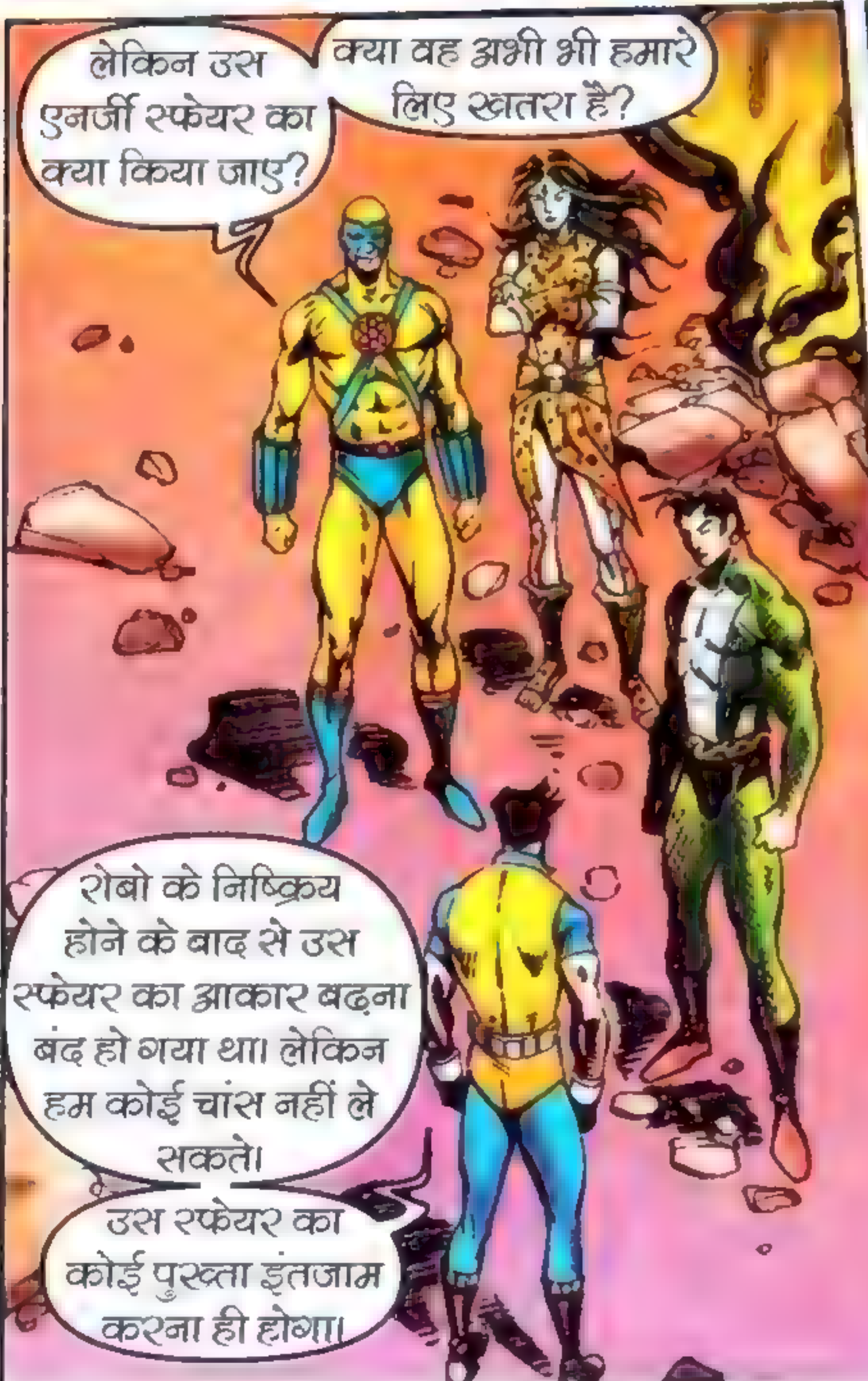
...लेकिन तुम लोग  
अचानक यहां कैसे आ  
गए नागराज?

तुम शायद मैक्सिमम सिव्यो-  
रिटी जोन में सिव्योरिटी ब्रीच के प्रति  
आगाह करने वाले अलर्ट सिस्टम को  
भूल गए हो, ध्रुव!



यह अलर्ट सिस्टम तुमने मुझे यह कह  
कर दिया था कि तुम्हारी अनुपस्थिति में  
मैक्सिमम सिव्योरिटी जोन की सुरक्षा  
की जिम्मेदारी मेरी है।

अलर्ट सिस्टम  
के सिव्योरिटी ब्रीच  
के प्रति अलर्ट करते ही  
मैं बिना समय गंवाए  
परमाणु और शक्ति के  
साथ चला आया!



लेकिन उस  
एनर्जी स्फेयर का  
क्या किया जाए?

क्या वह अभी भी हमारे  
लिए खतरा है?

रोबो के निष्क्रिय  
होने के बाद से उस  
स्फेयर का आकार बढ़ना  
बंद हो गया था। लेकिन  
हम कोई चांस नहीं ले  
सकते।

उस स्फेयर का  
कोई पुख्ता इंतजाम  
करना ही होगा।



मेरे पास एक  
उपाय है।

मैं उस एनर्जी स्फेयर को  
अंतरिक्ष की अनंत गहराईयों  
में छोड़ आऊंगी! जहां वह अनंत  
काल तक विचरता रहेगा और  
यदि उसमें विस्फोट होता भी है  
तो वह किसी को नुकसान  
नहीं पहुंचा पाएगा।

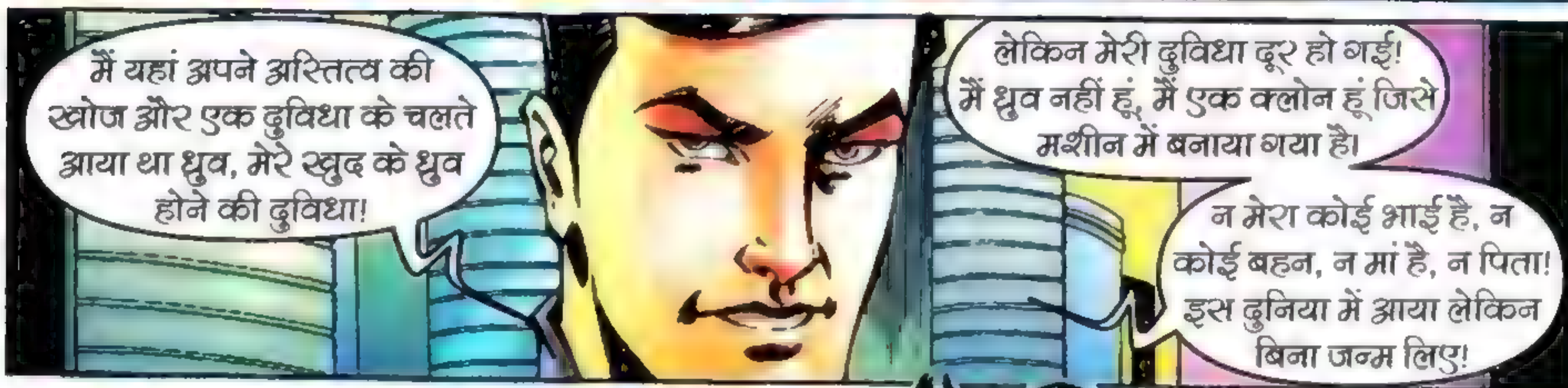




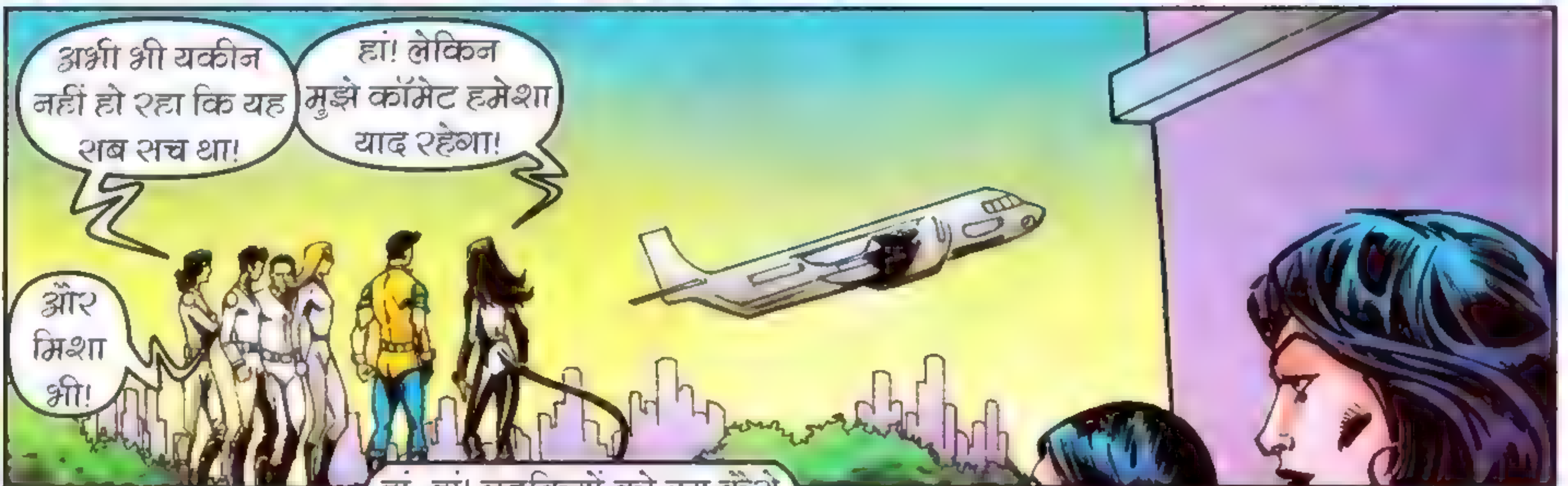


































यह सच नहीं  
हो सकता!!!

**यह सच नहीं  
हो सकता!!!**







प्यारे कैप्टेन, सैल्यूट,

आपने अभी-अभी 4 भाग की कॉमिक्स सीरीज 'सिटी विदाउट ए हीरो' का अंतिम भाग 'लास्ट स्टैंड' पढ़ा। श्री क्षितीश पाढ़ी जोकि सुपर कमांडो ध्रुव की सभी शुरूआती कॉमिक्स का इंग्लिश रूपान्तर कर रहे थे, ध्रुव के लिए उनके दिमाग में शानदार आइडिया उपजा। वो उस आइडिया को मेरे पास लाए। आइडिया मुझे पसंद आया और मैंने उन्हें उसे विकसित करने को कहा। लेकिन किन्हीं निजी कारणोंवश वो उस पर काम नहीं कर पाए तब उस आइडिया को लेखक श्री मंदार गंगेले जी को सौंप दिया गया। मंदार जी ने उस आइडिया को विकसित किया। आइडिया यह था कि क्या हो यदि राजनगर जिसे ध्रुव ने अपना खून-पसीना बहा कर संवारा है, वही राजनगर उसकी अनुपस्थिति में उसकी विचार धारा के अनुरूप बना रह जाएगा या चरमरा जाएगा? राजनगर वासी उसके बनाए हुए आदर्श 'सत्य, इंसान, अहिंसा, विधि एवं व्यवस्था सर्वोपरि' का अनुसरण करेंगे या चारों ओर अव्यवस्था का राज होगा? उसके द्वारा बनाया गया सुरक्षा तंत्र उसके प्रिय राजनगर वासियों को निर्भयता का अहसास प्रदान करने में सफल रहेगा या ध्वस्त हो जाएगा?



राजनगर के लिए ध्रुव ने आज तक जो भी किया, वो था व्यवस्था में विश्वास बनाना, नैतिकता का अनुसरण करना, आत्मविश्वास जागृत करना, कैसी भी कठिन परिस्थितियों में संयम और विवेक का साथ बनाए रखना। बुद्धि एवं प्रतिभा का विकास करना, वीरता और क्षमा का मूल्य समझना। मानवीय संबंधों एवं देशभक्ति के मायने समझना। परोपकार हेतु सदैव तत्पर रहना!

क्या ध्रुव अपने मूल्यों को राज नगर में स्थापित करने में सफल रहा? ध्रुव के सिद्धांतों की परीक्षा का इससे उपयुक्त अवसर कोई नहीं हो सकता था। क्योंकि ग्रेड मास्टर रोबो से लड़ते हुए ध्रुव मारा जा चुका है और ध्रुव की मौत के पश्चात कमांडो फोर्स को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब राजनगर में ना आदर्शवादी ध्रुव है और ना ही उसके द्वारा राजनगर की सुरक्षा और व्यवस्था को कायम रखने वाली कमांडो फोर्स है। ध्रुव की अनुपस्थिति में षडयंत्रों की कुदाल ने राजनगर के सीने को चीरने के लिए अपनी बिसात बिछा दी है। राजनगर के खूंखारतम अपराधियों को नारका जेल से आजाद करवा दिया गया है। और यह सैंकड़ों मलिन अपराधी राजनगर को ध्वस्त करने के लिए पूरे शहर में फैल चुके हैं। और तब देखने को मिलते हैं ध्रुव द्वारा तैयार किये गए वो दृढ़ इच्छाशक्ति धारक एवं दृढ़ संकल्पित सिपाही जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी जान पर खेल जाते हैं। और उसे ससम्मान शैतानों के चुंगुल से निकाल लाते हैं।

सच है कि एक सिपाही की शहादत यदि युद्ध के मैदान में हो तो उससे बड़ी सम्मानित मृत्यु और कोई नहीं हो सकती। सत्य के सिपाही ध्रुव ने भी अपनी मातृभूमि के लिए लड़ते हुए अपने प्राण न्योछावर किये। कोड नेम कॉमेट, ब्रेक आउट, मेक्सिमम सिक्योरिटी और लास्ट स्टैंड के इस रोमांचक सफर में आपने देखा कि कैसे आपका जुझारू कैप्टेन विपरीत परिस्थितियों में भी डटा रहा। यहां तक कि मृतप्रायः अवस्था में पहुंच कर भी, मानसिक अत्याचारों की अंधेरी काल कोठरियों को तोड़ता हुआ स्वस्थचित वापस लौट आया। यह कहानी ध्रुव के दृढ़ चरित्र और उसके फौलादी इरादों से हमारा परिचय कराती है।

शुरू में इस सीरीज की 64-64 पेजिस की 2 कॉमिक्स की योजना बनी थी किन्तु जैसे-जैसे वस्तुकथा स्वरूप लेती गई कहानी बड़ी होती गई। यहां तक कि इसमें राज कॉमिक्स सृष्टि के अन्य किरदार भी सम्मिलित होते चले गए। हर कॉमिक्स के प्रकाशन के साथ ही सभी ध्रुव प्रेमियों ने उन्हें हाथों हाथ लिया और प्रशंसाओं के समुन्द्र से लेखक और चित्रकार को भिगो डाला। आपके इसी उत्साहवर्धन के फल स्वरूप लेखक मंदार गंगेले की लेखनी और चित्रकार हेमंत कुमार की पेंसिल में बेहिसाब जोश भरता चला गया। साथ ही स्याहिकार श्री ईश्वर जी एवं रंग भरने वाले कलाकारों श्री शादाब, श्री अभिषेक में भी स्फूर्ति भर गई।

पिछले कुछ सालों में आपके कैप्टेन की बहुत कम कॉमिक्स प्रकाशित हुईं। जिसकी वजह से कमांडोज में काफी रोष व्याप्त रहा। अनुपम जी कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में व्यस्त रहे जैसे कि निगेटिव्स एवं उनका इंग्लिश उपन्यास वर्चुअल्स। इस दौरान ध्रुव की कहानियों एवं चित्रों पर कुछ नए लेखकों एवं चित्रकारों ने काम किया जैसे लेखक: अभिषेक सागर, नितिन मिश्रा, मंदार गंगेले। चित्रकार: सिद्धार्थ, हेमंत कुमार इत्यादि। कुछ कॉमिक्स आईं जैसे जीनियस, डेड ऑर अलाइव, आल्टर ईगो, एक्स, स्पेशल्स, शो स्टॉपर, कोड नेम कॉमेट, ब्रेक आउट, मेक्सिमम सिक्योरिटी, लास्ट स्टैंड। मल्टी स्टारर: हम होंगे कामयाब, समुंदरी लुटेरे, गहरी चाल। इन सभी कॉमिक्स को पाठकों की मिली जुली प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। ज्यादातर कॉमिक्स को सराहा गया। यद्यपि सभी प्रशंसक अनुपम जी कृत सुपर कमांडो ध्रुव की मांग करते रहे। और अब अनुपम जी अपने प्रिय पाठकों की मांग को पूरा करने के लिए जल्दी ही ले कर आ रहे हैं अलादीन, नैनो और बालचरित।

आशा है प्रिय पाठकों को अपने प्रिय रचनाकारों के प्रयत्न हमेशा ही पसंद आयेंगे। राज कॉमिक्स का निरंतर सहयोग और प्रेम बनाए रखने के लिए आप सभी का धन्यवाद!

**आपका संजय गुप्ता! जनून!**



**SOMEWHERE IN RAJNAGAR.**

**NOW.**

कितना सुन्दर दिखाई  
देता है राजनगर यहां से! दिखाई  
भी क्यों न दे, यह शहर है ही  
इतना सुन्दर!

और इसे सुन्दर बनाने  
का श्रेय जाता है राजनगर  
के निवासियों को।

काफी गौरवां-  
वित सा महसूस हो  
रहा होगा न तुम्हें, यह  
सब सुनकर?

सालों की  
मेहनत और लगन,  
अपना खून, पसीना, पैसा,  
प्यार ना जाने क्या-क्या लगाया  
है तुम लोगों ने इसे सुन्दर  
बनाए रखने के लिए।

तो, जब तक इसकी सुन्दरता  
और तुम्हारी सांसें बरकरार हैं तब तक  
इसे जी भरकर निहार लो। जल्द ही यह शहर  
इतना बदसूरत बनने वाला है कि कोई इसे  
फूटी आंख देखना तक पसंद न करे।

क्या मतलब,  
मैं यह क्यों कर  
रहा हूं?

तुम्हें क्या लगता है कि यह  
सब मैं मानसिक रूप से विकृष्ट  
किसी भी अन्य अपराधी की तरह  
सिर्फ अपने दिमागी फितूर के  
कारण कर रहा हूं?

तुम्हें लगता है कि  
मैं राजनगर को सिर्फ  
इसलिए तबाह करना चाहता  
हूं क्योंकि मुझे इस सुन्दर  
शहर की सुन्दरता फूटी  
आंख नहीं सुहा रही?

ना... ना...  
यह मैं किसी दिमागी  
फितूर के कारण  
नहीं कर रहा!





तो, अब तुम सोच रही होगी कि क्या दुश्मनी है मेरी राजनगर से, राजनगर में रहने वाले लोगों से?

कोई दुश्मनी नहीं है।

बल्कि मैं खुद इस शहर, राजनगर से प्रेम करता हूँ।



हां! शायद जितना तुम करती हो उससे थोड़ा कम हो सकता है, लेकिन करता जरूर हूँ।

लेकिन वह कहते हैं न, महान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए महान आहुतियां देनी पड़ती हैं। अपनी प्यारी से प्यारी चीज का भी बलिदान देना पड़ता है।



मुझे भी राजनगर के प्रति अपने प्यार को दरकिनार रख राजनगर की आहुति देनी ही होगी।

ना...ना! खुद को तकलीफ मत दो! मैं समझ गया, तुम यही कहना चाहती हो न कि अगर मेरी दुश्मनी तुम्हारे साथ है तो इसकी सजा राजनगर को क्यों?

गलत सोच रही हो!

मेरी तुम से भी कोई दुश्मनी नहीं है। मैंने कभी किसी से दुश्मनी करनी नहीं चाही...




...जब भी बनाए हैं दोस्त बनाए हैं। कम से कम कोशिश तो यही की है।

लेकिन कुछ कोशिशें हमेशा नाकافی होती हैं।

अब देखो न! राजनगर के हीरो, उसके रक्षक, राजनगरवासियों के मसीहा को कितनों ने ही मारने की अनगिनत कोशिशें की हैं।





“कभी किसी ने उसे अपनी  
लेजर आई का निशाना बनाने  
की कोशिशें की...”

“...तो किसी ने ध्वनि तरंगों को उसकी  
मौत का कारण बनाने की कोशिशें की...”

“राक्षस!  
उलियन!”

“...हर किसी ने अपनी-अपनी तरह से हर  
भरसक कोशिशें की महान सुपर कमांडो  
ध्रुव को अपने रास्ते से हटाने की।”

“लेकिन सभी  
नाकाम रहीं!”



पर दूसरों की  
कोशिशें नाकाम  
हुई इसका मतलब  
यह नहीं कि हमें  
कोशिशें करना  
बंद कर देना  
चाहिए।

एक कोशिश में  
भी करूंगा! और मैं  
सिर्फ कोशिश नहीं  
करूंगा।

उस कोशिश  
को अपने अंजाम तक  
पहुंचाने की दिशा में मेरा  
पहला कदम तुम्हारी मौत  
होगा, चंडिका उर्फ श्वेता  
राजन मेहरा!

CONTINUED IN

**NEO** (SUPER COMMANDO DHRUVA)

STORY-MANDAAR CANELE  
ART-SUSHANT PANDA

COLORS-BASANT PANDA  
EDITOR-MANISH GUPTA

LAST STAND SPECIAL EDITION PAGE 4